THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 की छत गिरी, 1 की मौत

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से शुक्रवार सुबह 5 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिर गई। हादसे में कार में बैठे एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई, 8 घायल हैं। घायलों का इलाज मेदांता अस्पताल में चल रहा है। दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस, सीआईएसएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत-बचाव में जुटी हैं। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया-टर्मिनल-1 पर डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया में सुबह गाड़ियों की लंबी लाइन लगी थी। इसी दौरान पार्किंग की छत गिर गई। छत का भारी-भरकम हिस्सा और लोहे के तीन सपोर्ट बीम भी गाड़ियों पर गिर गए।

वर्ष-29 अंक : 97 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ कृ.8 2081 शनिवार, 29 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

हेमंत सोरेन पांच महीने बाद जेल से रिहा

जमीन घोटाले में एचसी से मिली थी जमानत

रांची, 28 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी राहत मिली है। राज्य के हाई कोर्ट से उन्हें जमानत मिलने के बाद शुक्रवार को उनकी रिहाई भी हो गई। वह शाम 4 बजे जेल से बाहर आए. झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पांच महीने बाद जेल से रिहाई हुई है। हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था. बता दें कि 13 जून को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद फैसले को सुरक्षित रख लिया गया था।

बड़ी दाढ़ी, बढ़ा आत्मविश्वास

जेल से जब हेमंत सोरेन बाहर निकले तो वह अपनी बड़ी दाढ़ी के साथ आत्मविश्वास से लबरेज दिखे. इस दौरान समर्थक भी पहुंचे हुए थे, जिन्होंने अपने स्वागत वाले नारों से माहौल को किसी विजय उत्सव जैसा बना दिया था। जेल से बाहर आकर हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया. एक महीने पहले भी जब वह जेल से बाहर आए थे तो इसी लंबी बढ़ी हुई दाढ़ी के लुक में थे. उनके इस लुक में उनके पिता की छवि नजर आ रही थी। दरअसल, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 31 करोड़ रुपये से अधिक की 8.86 एकड़ जमीन अवैध रूप से हासिल करने का आरोप है. हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद 31 जनवरी को कथित भूमि घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था, जिसके बाद से वह रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा जेल में हैं। ईडी के अनुसार, जांच में पाया गया कि पूर्व डीसी रांची छवि रंजन और भानु प्रताप प्रसाद (झारखंड सरकार के राजस्व विभाग के उप-निरीक्षक) सहित सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से दस्तावेजों में धोखाधड़ी करके कुछ निजी व्यक्तियों के एक समूह ने 8.86 एकड़ भूमि हड़प ली थी।

कर्नाटक में वैन और लॉरी की टक्कर, 13 की मौत

हावेरी, 28 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे।

पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादागी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई।

चार घायलों में से दो आईसीयू में एडमिट हैं। हावेरी एसपी अंशू कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ।

युवा नीट को लेकर डरे हुए हैं : राहुल गांधी

हम संसद में उनकी आवाज बनेंगे, एनटीए मॉनिटरिंग कमेटी ने पेरेंट्स-स्टूडेंट्स से सुझाव मांगा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। एनटीए में सुधार के लिए बनी हाई लेवल कमेटी ने 27 जून से 7 जुलाई के बीच स्टूडेंट्स और पेरेंट्स से सुझाव मांगे हैं। टीचर्स और इंस्टीट्यूट्स भी अपने सुझाव दे सकते हैं। एनटीए की मॉनिटरिंग के लिए शिक्षा मंत्रालय ने 22 जून को कमेटी का गठन किया था। इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन कमेटी के अध्यक्ष हैं।

नीट पर प्यार से बात करें पीएम मोदी

राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर नीट मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि युवाओं के ये नहीं मालूम कि उनके साथ क्या होने वाला है। उनके लिए संसद में बहस होनी चाहिए। फिलहाल, लोकसभा को सोमवार 1 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

नीट पर ममता ने पीएम को लिखी चिट्ठी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नीट एग्जाम को रद्द करने लेकर प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने मेडिकल एंट्रेंस के लिए पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। दरअसल, 2017 से पहले मेडिकल एंट्रेंस के लिए स्टेट लेवल पर एंट्रेंस एग्जाम कराया जाता था। दिल्ली पुलिस ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के स्टूडेंट्स विंग-एनएसयूआई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दरअसल, एनएसयूआई ने 27 जून को दिल्ली में एनटीए के हेड ऑफिस के बाहर नीट पेपर रद्द करने और रीएग्जाम को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान एनएसयूआई के कार्यकर्ता एनटीए के ऑफिस में घुसे और ताला लगाने की कोशिश की।

'पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने यौन शोषण पीड़िता को मुंह बंद रखने के लिए पैसे दिए'

सीआईडी ने लगाए गंभीर आरोप

बंगलूरू, 28 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग लड़की से यौन शोषण के मामले में अपराध जांच शाखा (सीआईडी) लगातार जांच कर रही है। अब येदियुरप्पा पर आरोप लगा है कि उन्होंने अपने तीन सहयोगियों के साथ मिलकर पीड़िता और उसकी मां को चुप रहने के लिए पैसे दिए। 81 वर्षीय येदियुरप्पा और उनके सहयोगियों अरुण वाई एम और रुद्रेश एम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की अलग अलग धाराओं के तरह मामले दर्ज किए गए हैं। सीआईडी द्वारा दायर किए गए आरोप पत्र में बताया गया है कि इस वर्ष 2 फरवरी को सुबह 11.15 बजे के करीब 17 वर्षीय नाबालिग और उसकी मां डॉलर

कॉलोनी स्थित येदियुरप्पा के आवास पहुंचे थे। वहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से पूर्व में एक यौन शोषण के मामले में न्याय की मांग की। जिस दौरान येदियुरप्पा पीड़िता की मां से बात कर रहे थे उस दौरान उन्होंने पीड़िता का हाथ पकड़ा हुआ था। इसके बाद पूर्व सीएम पीड़िता को एक अलग कमरे में ले गए और दरवाजे को अंदर से बंद कर दिया। आरोप पत्र में बताया गया है कि इसके बाद येदियुरप्पा ने पीड़िता से सवाल पूछा कि क्या उन लोगों के चेहरे याद हैं, जिन्होंने यौन शोषण किया। इसके बाद पीड़िता ने दो बार येदियुरप्पा के सवाल का जवाब दिया। सीआईडी ने आरोप लगाया है कि इस दौरान येदियुरप्पा ने पीड़िता के यौन शोषण की कोशिश की।

नरसिम्हा रेड्डी आयोग पर रोक लगाने की केसीआर की याचिका पर फैसला सुरक्षित

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की रिट याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिका में जस्टिस एल नरसिम्हा रेड्डी आयोग द्वारा बीआरएस सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ के साथ किए गए बिजली खरीद समझौते और भद्राद्री तथा यदाद्री थर्मल पावर प्लांट के निर्माण की जांच पर रोक लगाने की मांग की गई है।

चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस अनिल कुमार जुकांति की डिवीजन बेंच ने महाधिवक्ता ए.

सुदर्शन रेड्डी की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख ने हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग गठित करने के सरकारी आदेश को रद्द करने की मांग की है। कोर्ट ने गुरुवार को केसीआर के वकील की दलीलें सुनी थी और शुक्रवार को मामले में आगे सुनवाई शुरू हुई। महाधिवक्ता ने याचिकाकर्ता के वकील की इस दलील को खारिज कर दिया कि आयोग ने एकतरफा कार्रवाई की है।

इससे पहले, हाई कोर्ट रजिस्ट्री ने हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस को व्यक्तिगत रूप से पक्षकार बनाने पर आपत्ति जताते हुए याचिका को नंबर आवंटित करने से इनकार कर दिया था। केसीआर के वकील आदित्य सोंधी ने दलील दी थी कि जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी को प्रतिवादी के तौर पर नामित करना जरूरी है।

दिल्ली में 88 साल बाद बारिश का रिकार्ड टूटा

सड़कों पर बाढ़, कारें डूबीं; राजस्थान समेत 24 राज्यों में आज बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार-शुक्रवार को भारी बारिश की वजह से सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। सड़कों पर 4 से 5 फीट पानी भरने से कारें डूब गईं। सड़कों पर नाव चलीं और कई इलाकों में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 मेट्रो स्टेशन के एंट्री और एग्जिट गेट भी बंद कर दिए गए। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में गुरुवार सुबह 8:30 बजे से शुक्रवार सुबह 8:30 बजे तक, यानी 24 घंटे में 228 एमएम बारिश हुई। यहां 88 साल बाद जून महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इससे पहले जून 1936 में 24 घंटे में 235.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर पिकअप-ड्रॉप एरिया की छत और सपोर्टिंग पिलर गिर गई। इसमें कई कारें दब गईं। कार में बैठे एक कैब ड्राइवर की पिलर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। 8 लोग घायल हुए हैं। फ्लाइट ऑपरेशन बंद हैं। उधर, मौसम विभाग ने आज दिल्ली समेत 24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, बिहार, ओडिशा, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गुजरात और केरल शामिल हैं।

मानसून दिल्ली पहुंचा

मानसून ने उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और बिहार को शुक्रवार सुबह पूरी तरह से कवर लिया। मानसून ने आज हरियाणा में एंटी ले ली है। वहीं, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी आगे बढ़ गया।

मानसून कहां-कहां पहुंचा

दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में 19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा।

6 जून को मानसून ने महाराष्ट्र में एंट्री ली और 11 जून को गुजरात में दाखिल हुआ। मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था। 18 जून तक मानसून महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा था। हालांकि, इसके बाद मानसून रुका रहा। 21 जून को मानसून डिंडौरी के रास्ते मध्य प्रदेश पहुंचा और 23 जून को गुजरात में आगे बढ़ा। 25 जून को मानसून ने राजस्थान में एंट्री ली और मध्य प्रदेश के आधे के ज्यादा क्षेत्र को कवर कर लिया। 25 जून की ही रात मानूसन ललितपुर के रास्ते उत्तर प्रदेश में दाखिल हुआ। 26 जून को मानसून एमपी और यूपी में आगे बढ़ा। 27 जून को मानसून उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तरी पंजाब में दाखिल हुआ।

मानसून 3 जुलाई तक दिल्ली को कवर करेगा

दक्षिण-पश्चिमी मानसून 11 जून से ही पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में रुका हुआ था। बीते कुछ दिनों में मानसून बिहार के कुछ हिस्सों और झारखंड में आगे बढ़ा है। हालांकि पश्चिम बंगाल में अब तक मानसून रुका हुआ है। 27 से 30 जून तक मानसून दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में एंट्री ले सकता है और 3 जुलाई तक दिल्ली को पूरी तरह कवर कर लेगा। 5 से 8 जुलाई तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान पूरी तरह कवर हो जाएंगे। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में मानसून सामान्य से कम यानी 92% लंबी अवधि के औसत (एलपीए) से कम रहेगा।

10 साल में छठी बार जून में बारिश सामान्य से कम

मानसून के पहले महीने में न केवल बारिश घट रही है, बल्कि गर्मी के दिन भी बढ़ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, जून खत्म होने में 4 दिन बचे हैं और देश में अब तक सामान्य से 19% कम बारिश हुई है। ऐसा लगातार तीसरे साल हो रहा है। 10 साल में 6 बार जून में बारिश सामान्य से कम, एक बार सामान्य और तीन बार सामान्य से ज्यादा हुई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम. राजीवन का कहना है कि जून में मानसून 20 दिन तक पश्चिम बंगाल और दो हफ्ते तक गुजरात-महाराष्ट्र में अटका रहा। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट के मुताबिक 1988 से 2018 के दौरान 62% जिलों में जून में कम बारिश हुई।

एयरपोर्ट दुर्घटना में मृतक परिजनों को 20 लाख व घायलों को 3 लाख का मुआवजा : केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) टर्मिनल दुर्घटना के शिकार हुए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों के लिए 3 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। शुक्रवार सुबह टर्मिनल पर यह हादसा हुआ और मंत्री घटनास्थल का मुआयना करने पहुंचे थे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु घटनास्थल पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के चलते एयरपोर्ट का बाहरी हिस्सा ढह गया।

इसका निर्माण 2009 में हुआ था। उन्होंने कहा कि हम इस दुखद घटना के शिकार हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। घायलों की देखभाल की जा रही है। दुर्घटना के दौरान अग्नि सुरक्षा टीम और सीआईएसएफ, एनडीआरएफ की टीमें भी मौजूद थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फिलहाल टर्मिनल बिल्डिंग के बाकी हिस्सों में स्थिति नियंत्रण में है। हर चीज की गहनता से जांच की जा रही है।

पेपर लीक को लेकर विरोध कर रहीं सांसद फूलो देवी हुईं बेहोश, राम मनोहर लोहिया अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन के सांसद नीट, नेट और अन्य परीक्षीओं के पेपर लीक मामले पर तुरंत बातचीत करने की मांग कर रहे थे। इस दौरान कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम बेहोश हो गईं। उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हेमंत सोरेन को मिली जमानत तो खुश हो गईं ममता बनर्जी, बोलीं- 'वेलकम बैक'

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मुखिया ममता बनर्जी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर खुशी जताई है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले का स्वागत किया। ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, झारखंड के एक महत्वपूर्ण आदिवासी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक मामले के चलते इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन आज उन्हें माननीय उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई है। मैं इस बड़ी घटना से बहुत खुश हूं और मुझे यकीन है कि वह तुरंत अपनी सार्वजनिक गतिविधियां शुरू कर देंगे। हेमंत, हमारे बीच आपका फिर से स्वागत है।

कोर्ट ने कहा- प्रथम दृष्टया दोषी नहीं हैं सोरेन

झारखंड उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दी। कोर्ट ने सोरेन की जमानत याचिका पर अपना फैसला 13 जून को सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि प्रथम दृष्टया, वह दोषी नहीं हैं और जमानत पर रिहा किए जाने दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोई अपराध किए जाने की कोई आशंका नहीं है। सोरेन के वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने बताया कि सोरेन को जमानत दे दी गई है। आज कोर्ट के आदेश की कॉपी चली जाएगी इसके बाद कल यानी शनिवार को वह बाहर आ सकते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में 31 जनवरी को ईडी ने किया था अरेस्ट

बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में इसी साल 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। सोरेन फिलहाल बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के वकील एस वी राजू ने दलील दी कि अगर सोरेन को जमानत पर रिहा किया जाता है, तो वह इसी तरह का अपराध फिर करेंगे, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

अबोहर में पानी की बारी को लेकर गांव बहादुरखेड़ा में चली गोलियां, तीन लोग हुए घायल; अस्पताल में भर्ती

अबोहर, 28 जून (एजेंसियां)। पंजाब के अबोहर उपमंडल के गांव बहादुरखेड़ा में पानी की बारी को लेकर शुक्रवार सुबह गोलियां चल गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को अबोहर के सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। तीनों घायल गिदड़बाहा के निवासी बताए जा रहे हैं। अस्पताल में दाखिल घायल बलदेव सिंह के बेटे जबर सिंह ने बताया कि उनकी गांव बहादुरखेड़ा में जमीन है। आज सुबह उनकी पानी की बारी थी लेकिन उनके रिश्तेदारों ने ही पानी की बारी को लेकर विवाद करते हुए गोलियां चला दी जिससे उसका पिता बलदेव सिंह, भाई गुरजंट सिंह व सतविंद्र सिंह घायल हो गए। दो को जांघ में व एक को बाजू में गोली लगी। तीनों घायलों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। जबर सिंह ने बताया कि उन्होंने इस बारे पुलिस को पहले ही अंदेशा जता दिया था। इस मामले की सूचना पुलिस अबोहर के पुलिस अधिकारियों को दे दी गई है।

बसवराज बोम्मई ने किया सीएम सिद्दारमैया के बयान पर पलटवार, कहा भारत नहीं तो कौन सा देश बनेगा हिन्दू राष्ट्र

बेंगलूरू, 28 जून (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के हिन्दू राष्ट्र वाले बयान ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे से साफ पता लग गया कि भारत हिन्दू राष्ट्र नहीं है। जिसके बाद पूरे देश में बहस छिड़ गई। अमर्त्य सेन के इस बयान के बाद बीजेपी पार्टी और विपक्ष के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी हो गया। जिसके बाद जब मीडिया ने कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया से अमर्त्य सेन के बयान पर उन की राय पूछी तो उन्होंने कहा कि हम पहले से ही कहते हैं कि भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता। सीएम के इस बयान पर बीजेपी के सांसद बसवराज बोम्मई ने आपत्ति जताई।

सीएम सिद्दारमैया ने क्या कहा

सीएम सिद्दारमैया ने हिन्दू राष्ट्र पर शुरू हुई बहस में अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि हम पहले से ही इस बात को कहते हैं कि भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इस बात को कहती आई है कि भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता।

बसवराज बोम्मई ने किया पलटवार

सीएम सिद्दारमैया के इस बयान के बाद बीजेपी सांसद बसवराज बोम्मई ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता तो फिर किस देश को हिन्दू राष्ट्र बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे सीएम सिद्दारमैया की तरफ इशारा करते हुए कहा कि उन्हें हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास को समझना चाहिए।

वोट बैंक के लिए दिया बयान

बसवराज बोम्मई ने आगे कहा कि हिंदू धर्म का मतलब एक साथ रहना है, यह एक ऐसा शब्द नहीं है जिसका जिक्र नहीं किया जा सकता, यह कोई अछूत शब्द नहीं है। सिद्दारमैया पर पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए, वोट बैंक के लिए, ऐसी बातें हमारे सीएम बार-बार कहे रहे हैं। बोम्मई ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा तंज करते हुए कहा कि लोगों ने उन्हें इस लोकसभा चुनाव में सबक सिखाया है। लेकिन वो सिर्फ अल्पसंख्यक वोट बैंक को खुश करने के लिए इस तरह की बातें कर रहे हैं।

इंडिगो के विमान में यात्री ने खतरे में डाली 176 लोगों की जान

बाथरूम में पी रहा था सिगरेट, मामला दर्ज

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से मुंबई जाने वाली उड़ान के बाथरूम में धुम्रपान करने के आरोप में एक 38 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। यह घटना बुधवार को इंडिगो की फ्लाइट में घटी जो राजधानी दिल्ली से मुंबई जा रही थी। 176 यात्रियों को लेकर विमान ने दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरी। मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड करने से ठीक 50 मिनट पहले एक यात्री विमान के बाथरूम के अंदर गया

यात्री के खिलाफ मामला दर्ज

यात्री की पहचान खलील कजम्मुल खान के तौर पर की गई है जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। बाथरूम के अंदर खलील ने सिगरेट जलाया। स्मोक सेंसर ने केबिन क्रू को सतर्क किया। खलील जब बाथरूम से बाहर आया, तब केबिन क्रू ने बाथरूम के अंदर जाकर तलाशी ली। उन्हें वहां माचिस और सिगरेट का टुकरा मिला। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। एक अधिकारी ने बताया कि खलील ने बाथरूम में सिगरेट पीने की बात स्वीकार की। विमान के मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद इस घटना की सूचना सुरक्षाकर्मियों को दी गई। आरोपी को सहार पुलिस स्टेशन ले जाया गया। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

नीतीश कुमार के अपने ही कर सकते है साजिश

पप्पू यादव का दावा- उनके कुछ लोग भाजपा के साथ ज्यादा

दिल्ली/पटना, 28 जून (एजेंसियां)। पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के साथ समस्या ये है कि वे अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं कर पाते। नीतीश कुमार के कुछ लोग भाजपा के साथ ज्यादा पप्पू यादव ने कहा कि हमें लग रहा है कि नीतीश कुमार के अपनों के द्वारा उनके साथ कोई साजिश न हो जाए। पप्पू यादव ने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के कुछ लोग भाजपा के साथ ज्यादा हैं। पप्पू यादव ने अंदेशा जताया है कि नीतीश कुमार के साथ बीजेपी किसी तरह की साजिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का काम सिर्फ तोड़ने का है। अफसरशाही नीतीश कुमार को ले डूबेंगे निर्दलीय सांसद ने आगे कहा कि जैसा नवीन पटनायक के साथ हुआ है, वैसा ही अब नीतीश कुमार के साथ होने जा रहा है। अफसरशाही नीतीश कुमार को ले डूबेंगे। वह अच्छे लीडर हैं। पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए की सरकार जल्दी ही अस्थिर हो जाएगी।

यह बीजेपी का चंदा लो और धंधा दो का भ्रष्टाचारी मॉडल प्रियंका गांधी ने पूछा- क्या पीएम लेंगे जिम्मेदारी?

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिरने से एक शख्स की मौत मामले में विपक्षी दल केंद्र सरकार पर लगातार हमला बोल रहे हैं। कांग्रेस के कई नेताओं ने बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी सरकार पर हमला बोला है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मार्च में प्रधानमंत्री जी ने दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल-1 का उद्घाटन किया था, आज उसकी छत ढह गई जिसमें एक कैब ड्राइवर की दुखद मौत हो गई। तीन महीने पहले प्रधानमंत्री जी ने जिस जबलपुर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था, उसकी भी छत ढह गई।" प्रियंका गांधी ने आगे कहा, "अयोध्या में निर्माण कार्यों के खस्ताहाल पर पूरा देश दुखी है। यह भाजपा का चंदा लो और धंधा दो का भ्रष्टाचारी मॉडल है, जिससे अब पर्दा उठ चुका है। सवाल यह है कि प्रधान उद्घाटनमंत्री जी क्या इन घटिया निर्माण कार्यों और इस भ्रष्टाचारी मॉडल की जिम्मेदारी लेंगे? बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बारिश के बाद दिल्ली एयरपोर्ट की छत गिरने के मामले में बीजेपी और नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नरेंद्र मोदी सरकार पर सवाल उठाया। मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखा, भ्रष्टाचार और आपराधिक लापरवाही मोदी सरकार के पिछले 10 साल में घटिया इंफ्रास्ट्रक्चर के ताश के पत्तों की तरह ढहने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली एयरपोर्ट की छत ढहना, जबलपुर एयरपोर्ट की छत ढहना, अयोध्या की नई सड़कों की खस्ता हालत, राम मंदिर में पानी टपकना, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक रोड में दरारें, 2023 और 2024 में बिहार में 13 नए पुल गिरने वाले हैं, प्रगति मैदान टनल का बार-बार डूबना, गुजरात में मोरबी पुल ढहने की त्रासदी ये कुछ कुछ ऐसे उदाहरण हैं जो मोदी जी और भाजपा की ओर से विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं।

ट्रेनों में मोबाइल फोन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन लाख रुपये कीमत के मोबाइल बरामद

सागर, 28 जून (एजेंसियां)। बीना जंक्शन जीआरपी पुलिस ने ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से यात्रियों से चुराए गए लगभग तीन लाख रुपये कीमत के मोबाइल जब्त किए गए हैं। ट्रेनों में आए दिन होने वाली मोबाइल चोरी की रोकथाम के लिए भोपाल रेलवे पुलिस अधीक्षक मृगांका डेका के मार्गदर्शन में बीना थाना प्रभारी बबीता कठेरिया ने ट्रेन और बीना जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्म पर जीआरपी पुलिस बल की सक्रियता बढ़ा दी है। साथ ही शातिर चोरों को पकड़ने के लिए मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया था। इसके फलस्वरूप थाना जीआरपी बीना ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की ट्रेनों में चोरी करने वाले एक आरोपी सतभान यादव, ग्राम जाखलौन जिला ललितपुर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी के मोबाइल फोन खरीदने वाले एक आरोपी संदीप उर्फ पप्पू यादव निवासी सुभाष वार्ड बीना को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों के कब्जे से 21 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं इनकी कीमत करीब तीन लाख रुपये है।

केरल के वित्त मंत्री ने निर्मला सीतारमण से मांगा स्पेशल पैकेज

कोच्चि, 28 जून (एजेंसियां)। केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर अपने राज्य के लिए स्पेशल पैकेज और राज्य के लिए अधिक उधारी की मंजूरी की मांग की है। केएन बालगोपाल ने निर्मला सीतारमण को केरल की मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें उन्होंने कहा है कि केरल राजकोषीय मजबूती की राह पर है, लेकिन केंद्र से राजस्व हस्तांतरण में कमी और उधारी से जुड़ी बंदिशों के कारण उसे गंभीर वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है।

वित्तीय संकट से जूझ रहा है केरल

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण्ण से मुलाकात करने के बाद केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद सीतारमण के वित्त मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद यह एक शिष्टाचार बैठक थी। उन्होंने कहा कि केरल का राजकोषीय मजबूती के मामले में बहुत अच्छा रिकॉर्ड रहा है। केरल इस समय वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। उसने मौजूदा नकदी संकट से निपटने के लिए 2024-25 के केंद्रीय बजट में कम-से-कम 24,000 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दिए जाने की मांग रखी है। इस पैकेज को 2024-25 से दो साल की अवधि में पूरा किया जाना है।

केरल ने अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का उठाया मुद्दा

केरल की एक दूसरी मांग विझिनजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के लिए विशेष सहायता को लेकर है। निर्मला सीतारमण को दिए गए ज्ञापन के अनुसार, केंद्र सरकार से सीधे निवेश के अलावा हमें विझिनजम बंदरगाह क्षेत्र के विकास में अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये के विशेष पूंजी निवेश समर्थन की तत्काल जरूरत है। हम कुछ अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (कालीकट और वायनाड के बीच सुरंग सड़क लिंक) के वित्तपोषण के लिए भी 5,000 करोड़ रुपये का अनुरोध करते हैं।

केरल को उधारी जुटाने पर लगी है पाबंदी

केरल के वित्त मंत्री की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र की तरफ से उधारी जुटाने पर लगाई पाबंदियों की वजह से केरल को मौजूदा और अगले वित्त वर्ष में लगभग 4,710 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। ज्ञापन के अनुसार, केरल ने कई बार केंद्र से इस पर पुनर्विचार करने और कम से कम इस वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष के लिए उधार सीमा से इस राशि में कटौती रोकने का अनुरोध किया है। लिहाजा, इन दो वर्षों के लिए तय की जा रही उधारी सीमा के अलावा 4,710 करोड़ रुपये उधार लेने की अनुमति दी जा सकती है।

ट्रक ने मारी एक्टिवा को टक्कर डॉक्टर ने मौके पर दम तोड़ा

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सड़क हादसे का मामला सामने आया है, जहां नौकरी पर जाने के लिए निकली डॉक्टर युवती को बायपास पर ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि, जिसने भी देखा वह सहम गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इधर, पुलिस ने ट्रक को जप्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है, जहां जल्द ड्राइवर पुलिस गिरफ्त में होगा। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर युवती देवास के रहने वाली है, जो मेडिकल की पढ़ाई के लिए इंदौर आना-जाना करती थी। सुबह लगभग 8 बजे युवती इंदौर के लिए निकली थी, तभी सेंटर पॉइंट पर पहुंचते ही युवती के एक्टिव को ट्रक में टक्कर मार दी, जिसके चलते युवती की एक्टिव ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

अगर आप बदलाव देखना चाहते है तो पहले अपने आप को बदलिए...

नेताओं ने जयंती पर पीवी नरसिम्हा राव को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पार्टी लाइन से ऊपर उठकर नेताओं ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पी वी नरसिम्हा राव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव, पूर्व मंत्री के जन रेड्डी, तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष कोडंडाराम, पीवी की बेटी और एमएलसी सुरभि वाणीदेवी और अन्य नेताओं ने हैदराबाद में पीवी घाट का दौरा किया और पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि लोग दिवंगत प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव द्वारा देश के लिए की गई सेवाओं को हमेशा याद रखेंगे। कोमाटिरेड्डी ने कहा, "अगर पीवी द्वारा सुधारों को लागू नहीं किया गया होता, तो देश आज इस स्थिति में नहीं होता। वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे और उन्होंने बेहतरीन शासन दिया।" कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव ने कहा कि पीवी समाजवादी विचारधारा वाले नेता थे और उनके द्वारा लागू किए गए भूमि सुधारों ने आंध्र प्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था की सूरत पूरी तरह बदल दी। पूर्व मंत्री के जन रेड्डी ने कहा कि पीवी को उनके नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाता है और पीवी के आर्थिक सुधारों की भावना को देश के सभी भावी प्रधानमंत्रियों ने जारी रखा है। टीजेएस के अध्यक्ष कोदंडारम ने कहा, "पीवी ने अल्पमत सरकार चलाते हुए कई आर्थिक सुधार शुरू किए। उन्होंने अपने कामों से देश की सूरत बदल दी।"

अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर कोई रोक नहीं

रोक-टोक पर हमले कर रहे अवैध कार्य में शामिल लोग

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विभिन्न जिलों में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन बेरोकटोक जारी है। देर से हुई बारिश और राजस्व व अन्य विभागों की खराब सतर्कता व प्रवर्तन का फायदा उठाते हुए अपराधी नदियों से अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर शोर मचाने या अपने वाहन छोड़कर भाग जाने पर स्थानीय लोगों और अन्य लोगों पर रेत के अवैध परिवहन में शामिल लोगों द्वारा हमला किया जा रहा है।

25 जून को राजन्ना सिरसिला जिले के नामापुर गांव में एक पुलिस कांस्टेबल को चोटें आईं, जब ट्रैक्टर चालक ने भारी वाहन को झील में चला दिया। पुलिस ने रेत की ढुलाई में शामिल चार वाहनों को पकड़ा था। ट्रैक्टर को रोकने के बाद कांस्टेबल सत्यनारायण उस पर चढ़ गए और ड्राइवर को आगे की पूछताछ के लिए उसे एक खास जगह पर ले जाने का निर्देश दिया। हालांकि, चालक ट्रैक्टर को सड़क किनारे तालाब में फेंककर भाग निकला, इस दौरान कांस्टेबल सत्यनारायण घायल हो गया। अवैध रेत परिवहन से परेशान राजन्ना सिरसिला के राचेरलाबोबापुर के स्थानीय लोगों ने इस धंधे में शामिल लोगों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस स्टेशन ले गए।

23 जून को नागार्जुनसागर निर्वाचन क्षेत्र में भी इसी तरह की घटना की सूचना मिली थी। अवैध रेत परिवहन में शामिल लोगों ने अनुमुला मंडल के अंतर्गत केके नहर, कुम्मारी कुंटा, पुलिमामिडी से सटे कृषि क्षेत्रों में बोरवेल और पाइपलाइनों को भी नुकसान पहुंचाया था, क्योंकि वे परिवहन के लिए बाधा बन रहे थे। राजस्व अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर ग्रामीणों ने कई ट्रैक्टरों को पकड़ लिया और हलिया पुलिस को सूचित किया।

निजामाबाद में, बिमगल मंडल के कप्पलवागु में अवैध रेत परिवहन कथित तौर पर जारी था। इसी तरह, जकरनपल्ली मंडल के कोलीपाका, पडकल, मनोहराबाद में अनधिकृत रेत उत्खनन और परिवहन हो रहा था। एरगटला मंडल के पेड्डावागु में, अपराधी बांध पर रेत डंप कर रहे थे और मनमाने ढंग से कारोबार कर रहे थे। मेहपाल मंडल के कबातनाडा में इंदलवाई मंडल के अंतर्गत लिंगपुर झील का भी यही हाल है। रिपोर्टों के अनुसार, बेजोरा में स्थानीय लोगों द्वारा अनधिकृत रेत परिवहन के बारे में पुलिस और राजस्व विभागों को कुछ शिकायतें की गईं, लेकिन शायद ही कोई कार्रवाई की गई। महबूबनगर में भी फिल्टर सैंड के धड़ल्ले से चल रहे कारोबार की कई शिकायतें मिल रही हैं।

कई जगहों पर स्थानीय लोगों की

सीएम ने अवैध रेत परिवहन और उत्खनन के खिलाफ दी थी चेतावनी

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खान एवं भूविज्ञान अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है कि रेत का अनाधिकृत उत्खनन और रेत का अवैध परिवहन तुरंत रोका जाना चाहिए। उनके निर्देशों के बावजूद, पूरे राज्य में कई शिकायतें दर्ज की जा रही थीं। फरवरी में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी थी कि सभी अधिकारी 48 घंटे के भीतर अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाएं। उन्होंने सभी मार्गों पर टोल गेट डेटा के आधार पर अवैध रेत परिवहन में शामिल ट्रकों की पहचान करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी मौजूदा रेत पहुंच और डंप की भी जांच की जानी चाहिए।

राष्ट्र के लिए पीवी की सेवाओं को कभी नहीं भुलाया जाएगा: केटीआर

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के तेलंगाना भवन में पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने पीवी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीवी की बेटी और बीआरएस पार्टी एमएलसी सुरभि वाणी देवी, पार्टी विधायक जगदीश रेड्डी और कई अन्य नेताओं ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केटीआर ने पीवी की सेवाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम पी वी नरसिम्हा राव दिल्ली में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पहले दक्षिण भारतीय नेता थे। राष्ट्र के लिए पीवी की सेवाएं अविस्मरणीय हैं। प्रधानमंत्री के रूप में पीवी ने देश को आर्थिक दिशा दी, जो अब तबाही के कगार पर था।

केसीआर ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्ष के नेता और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने राष्ट्र के प्रति नरसिम्हा राव की सेवाओं को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राव ने एक बयान में कहा कि भारत रत्न से सम्मानित नरसिम्हा राव एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने उस समय की वैश्विक आर्थिक प्रवृत्तियों के अनुसार सुधारों को लागू करके देश की आर्थिक स्थिति को बदल दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना से ताल्लुक रखने वाले नरसिम्हा राव देश के ऐसे सपूत हैं, जो आज भी एक अविस्मरणीय प्रेरणा हैं।

चेगुंटा में एनएच-44 पर लॉरी की टक्कर में 4 लोगों की मौत

मेदक, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के चेगुंटा मंडल के वडियारम चौराहे पर एनएच-44 पर हुए सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक लॉरी ने उसी दिशा में जा रही दूसरी लॉरी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल हो गए। इनमें से एक लॉरी में ले जाई जा रही कई बकरियां भी मर गईं, जबकि कई अन्य बकरियां घायल हो गईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

चोरों ने तहसीलदार कार्यालय में लगाई सेंध

कोत्तागुडेम, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक अजीबोगरीब घटना में चोरों ने शुक्रवार तड़के जिले के बुर्गमपाड़ मंडल मुख्यालय स्थित तहसीलदार कार्यालय में सेंध लगा दी। संयोग से तहसीलदार कार्यालय बरगम्पद पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने चोरों को कार्यालय से 8 पावर इन्वर्टर बैटरियां और ढेर सारे दस्तावेज लेकर भागते हुए देखा। स्थानीय लोगों ने चोरों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे अपना माल छोड़कर भाग गए। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कुत्तों के झुंड ने बच्चे को मार डाला

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में शुक्रवार को गली के कुत्तों के एक झुंड ने छह साल के एक बच्चे को मार डाला। पुलिस ने बताया कि बिहार के निर्माण मजदूरों का बेटा शुक्रवार सुबह शौच के लिए शिविर के पीछे गया था, तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि उसकी मौत तत्काल हो गई। लड़के के माता-पिता जिले के पटनचेरू के पास एक निर्माण स्थल पर काम करते हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.
WAT-TRS-OT-05-2024-25

कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: ELS/विशाखापट्टणम में दो संख्यक डिजिटल अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्टर (DIGISCAN DS-333, निर्माता: EECI, क्र.सं. DS3049DS एवं मॉडल: ARYA 1(R), निर्माता: MODOSONIC, S. NO. AA023-1230) के लिए तीन वर्षों की अवधि हेतु वार्षिक रखरखाव संविदा (AMC)।

निविदा मूल्य: रु. 2,85,895.24, EMD: रु. 5,700.00, निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 1,180.00, कार्य समापन की अवधि: 3 (तीन) वर्ष।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 16.07.2024 को 1500 बजे।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (TRS), विशाखापट्टणम

PR-252/P/24-25

SANGHI CITY

PRESENTS 4BHK VILLAS SMART LIVING AMBHUJA

PEACE OF MIND = TRUE HAPPINESS

LIVE IN THE LAP OF Nature

4 BHK VILLA RESIDENCES

STARTING FROM ₹2.97 CRORES

TOTAL AREA 55 ACRES

TOTAL UNITS 516

300 SQ. YARDS UNITS 171

222 SQ. YARDS UNITS 255

8919 859 100 hello@sanghicity.com sanghicity.com

सीएम योगी ने ओपी राजभर को तलब कर जताई नाराजगी, विधायक बेदी राम की मुश्किलें बढ़ना तय

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। पेपर लीक में एनडीए के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक बेदी राम का नाम आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को तलब किया। योगी आदित्यनाथ कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया, लेकिन सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने बेदी राम के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को बेहद गंभीरता से लेते हुए राजभर से कड़ी नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि योगी ने और पंचायतीराज व अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री राजभर से विधायक पर पार्टी के स्तर से कार्रवाई करने और जांच में विधायक बेदी राम की पेपर लीक में संलिप्तता पाने पर बेहद कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। मुख्यमंत्री से आज मुलाकात के दौरान राजभर के बेटे व सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ। अरविंद राजभर भी मौजूद रहे। योगी सरकार जहां पेपर लीक को लेकर कड़ा कानून लेकर आई है और शुचितापूर्ण सिपाही भर्ती कराने की तैयारियों में जुटी है वहीं सहयोगी दल के विधायक का पेपर लीक को लेकर वीडियो ने सत्ताधारी भाजपा के लिए असहज स्थितियां पैदा कर दी हैं।

एनएचआरसी ने आगरा में दो भाइयों की आत्महत्या पर मांगा जवाब, डीजीपी को भेजा नोटिस

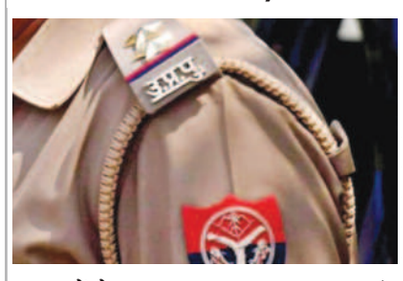

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आगरा में तीन दिनों के भीतर दो भाइयों के आत्महत्या कर लेने के मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। आयोग ने घटना को लेकर 25 जून को प्रकाशित समाचारों के आधार पर घटना का स्वतः संज्ञान लेकर डीजीपी को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। हाथरस के सादाबाद थाने की पुलिस पर दोनों भाइयों को प्रताड़ित करने का संगीन आरोप है। आयोग ने कहा है कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिसकर्मियों द्वारा दोनों पीड़ितों के साथ अमानवीय व क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या की।

यह मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। पुलिस से लोगों को किसी भी अत्याचार से बचाने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन, इस मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिसकर्मी ही अपराधी बन गए। यह चिंता का विषय है। आयोग ने डीजीपी से मामले में दर्ज एफआईआर की स्थिति, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई और दोनों भाइयों के परिवार को दी गई राहत की स्थिति का विवरण तलब किया है।

बीए, बीकॉम में अब रेगुलर छात्र भी बन सकेंगे प्राइवेट, नई शिक्षा नीति का बड़ा बदलाव

झांसी, 28 जून (एजेंसियां)। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में बीए और बीकॉम में संस्थागत छात्र के रूप में पढ़ रहे छात्रों को अब आकस्मिक स्थिति में व्यक्तिगत छात्र के रूप में भी पढ़ने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। यह बदलाव उन छात्रों के लिए बड़ी राहत होगी जो किसी कारणवश अपनी शिक्षा बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। नई शिक्षा नीति के तहत यह एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे अधिक से अधिक छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह प्रस्ताव अभी एकेडमिक कमेटी की मंजूरी के इंतजार में है। कमेटी की हरी झंडी मिलने के बाद छात्रों को संस्थागत से बदलकर व्यक्तिगत रूप से पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दे दी जाएगी।

डीएम डीआईजी से वसूलेंगे 6.48 लाख, 15 साल पहले का मामला

बरेली, 28 जून (एजेंसियां)। बरेली। डीआईजी स्कार्ट की जिप्सी से 15 साल पहले बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। इस मामले में न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी क्षितिज कुमार श्रीवास्तव ने डीएम को पत्र भेजकर पुलिस उप महानिरीक्षक से 648830 रुपये वसूल कर फतेहगंज पश्चिमी के ग्राम पिपरिया की रहने वाली मृतक की पत्नी विमला देवी को दिलाए जाने का आदेश दिया है। फतेहगंज पश्चिमी के पिपरिया गांव निवासी विमला देवी ने मोटर एक्सीडेंट प्राधिकरण में दावा दायर किया था। पति नन्दराम 24 अगस्त 2009 को बाइक से फतेहगंज पश्चिमी से गांव आ रहे थे। रास्ते में फोकस इंजीनियरिंग कालेज के निकट सामने से आ रही जिप्सी ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे नंदराम की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वह जिप्सी डीआइजी पुलिस की स्कार्ट में शामिल थी। टक्कर लगते ही डीआइजी की स्कार्ट को काफी देर मौके पर रुकना पड़ा। जिप्सी पुलिस विभाग का कर्मचारी फरीद खान चला रहा था। प्राधिकरण में 4 वर्ष मामले की निरंतर सुनवाई के बाद वर्ष 2013 में विपक्षी के खिलाफ एक लाख 22 हजार रुपये का मुआवजा निर्धारित करते हुए ब्याज सहित रकम मृतक के परिवार को अदा करने का आदेश हुआ।

एक्शन मोड में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल: कार्यभार संभालते ही बुलाई बैठक

लखीमपुर, 28 जून (एजेंसियां)। ख लखीमपुर खीरी में नवागंतुक डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल का आगमन हुआ। उन्होंने सबसे पहले अधिकारियों से मुलाकात की और कोषागार जाकर डीएम का कार्यभार संभाला। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों की बैठक की और मीडिया से भी रूबरू हुईं। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मीडिया के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि मीडिया को खुलकर कमियों को सामने लाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अब सभी अधिकारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जनसुनवाई करेंगे, ताकि दूर-दराज से आने वाले फरियादियों की समस्याएं ध्यान से सुनी जा सकें और उन्हें सरकारी सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

39 वर्षीय डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल 2010 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और उनकी देश में 20वीं रैंक थी। इससे पहले, वह बांदा जिले की डीएम रह चुकी हैं।

अब उन्हें लखीमपुर खीरी का डीएम नियुक्त किया गया है। उन्होंने सीडीओ, जॉइंट मजिस्ट्रेट, और उप शासन में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और भारत सरकार की सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

चेक रिपब्लिक नागरिक को 15 दिन के अंदर देश छोड़ने का आदेश

नेपाल के रास्ते आया था भारत

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। भारत में घुसपैठ करने के मामले में पटना हाई कोर्ट ने चेक रिपब्लिक के नागरिक को 15 दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। न्यायाधीश बिबेक चौधरी की एकल पीठ ने कॉस्परेक पेट्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए चेक रिपब्लिक के दूतावास को उसे स्वदेश वापस भेजने के संबंध में कार्रवाई का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि साइबर अपराध का शिकार होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कॉस्पेरक भारत में प्रवेश कर गया। नेपाल होकर भारत में प्रवेश के दौरान उसे रक्सौल (हरैया आउट पोस्ट) में वैध वीजा नहीं होने के आधार पर पुलिस ने उसके गिरफ्तार कर लिया। विदेशी कानून की धारा 14/14ए/14बी के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसकी गिरफ्तारी हुई थी। कोर्ट को बताया गया

कि रक्सौल के मजिस्ट्रेट ने आवेदक को दोषी ठहराते हुए दो वर्ष कारावास और दस हजार अर्थदंड की सजा दी। इस सजा को अपील दायर करके चुनौती दी गई, लेकिन अपील निरस्त हो गई। याचिकाकर्ता ने सजा की वैधता को पटना हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती दी। कोर्ट ने निचली अदालतों की सजा को निरस्त करते हुए कहा कि बगैर वैध वीजा के भारत में रहना अवैध है।

हाईकोर्ट ने चेक गणराज्य दूतावास को दिया ये आदेश

हाईकोर्ट ने नई दिल्ली स्थित चेक गणराज्य के दूतावास को सात दिनों के भीतर तत्काल आवेदक का चार्ज लेकर उसे दूतावास में रखने का आदेश दिया है। उसके बाद 15 दिनों के भीतर आवेदक को दूतावास की सहायता से उसके देश वापस भेजने का आदेश दिया है।

नियोजित शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

कहा- नौकरी छोड़िए या सक्षमता परीक्षा दीजिए

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले नियोजित शिक्षकों को बड़ा झटका देते हुए स्पष्ट किया कि सरकार के नियमों के अनुसार नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा देनी होगी। यदि वे नियमों के अनुसार नहीं चलते हैं तो उन्हें नौकरी छोड़ देनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना एवं जस्टिस उज्जल भूयान की वैकेशन बेंच ने परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ और बिहार प्रारंभिक शिक्षक संघ की याचिका को निरस्त करते हुए यह निर्णय सुनाया। सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा कि या तो आपलोग नौकरी छोड़ दीजिए या नहीं तो फिर सक्षमता परीक्षा पास करिए।

प्रारंभिक शिक्षक संघों द्वारा सक्षमता परीक्षा को रद्द करने की मांग की गई थी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अप्रैल में पटना हाई कोर्ट के भी याचिकाकर्ताओं की इस तरह की मांग निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से बिहार के लगभग चार लाख नियोजित शिक्षकों को बड़ा झटका लगा है। नई शिक्षक नियमावली के अनुसार, नियोजित शिक्षकों को अगर राज्यकर्मी का दर्जा प्राप्त करना है तो उन्हें सक्षमता परीक्षा पास करनी होगी, जिसके लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) की ओर से सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

अपने कौशल को बेहतर करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए

कोर्ट ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में आपलोग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन स्थितियों के दृष्टिगत उन्हें अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। बता दें कि बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया है कि सक्षमता परीक्षा पूरी तरह वैकल्पिक है। परीक्षा पास करने वाले नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा, बीपीएससी शिक्षकों के समान वेतन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

अश्विनी चौबे के बयान से उठे तूफान के बीच सीएम नीतीश कुमार जा रहे दिल्ली

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे अश्विनी चौबे के एक बयान से बिहार के सियासी गलियारे में तूफान उठ गया है। अश्विनी चौबे ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार बनाने की मंशा जाहिर कर दी है। ऐसे में सियासी गलियारों में बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया। इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को तीन दिवसीय दौरे पर दिल्ली रवाना हो रहे हैं। नीतीश कुमार दिल्ली रवाना होंगे। हालांकि यह प्रोग्राम उनका पहले से तय था। दिल्ली में आज (29 जून) को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होनी है। इसके बाद फिर 30 जून को नीतीश कुमार पटना लौट जाएंगे। अभी लोकसभा सत्र चल रहा है और सभी सांसद दिल्ली में हैं। आज नीतीश कुमार सभी सांसदों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर बैठक करेंगे।

हार-जीत वाली सीटों पर भी बैठक में होगी समीक्षा

खबर है कि सीएम नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव में हार-जीत वाली सीटों की समीक्षा भी करेंगे। इस बीच अश्विनी चौबे के एक बयान से जेडीयू नेताओं में रोष दिख रहा है और यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कानों तक भी गई है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नीतीश कुमार इस बैठक में कुछ रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं। बता दें कि नीतीश कुमार अचानक फैसला लेने में माहिर हैं। ऐसे में अश्विनी चौबे के बयान से एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि कहीं बिहार में फिर एनडीए में दरार की स्थिति उत्पन्न ना हो जाए। हालांकि जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने साफ कर दिया है कि अश्विनी चौबे पार्टी में अभी कुछ नहीं हैं। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पहले ही कह दिया है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 में चुनाव लड़ा जाएगा। बीते गुरुवार को भागलपुर में अश्विनी चौबे ने बिहार की सियासत पर एक बयान दिया था। कहा था कि एनडीए 2025 के चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में लड़े। यह भी कहा था कि हम बिना कोई लोभ लालच के संगठन को मजबूत करने में जुटेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि नीतीश कुमार पहले से एनडीए के साथ हैं और आगे भी हम लोग लेकर चलेंगे।

प्रधानमंत्री बनेंगे अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी दफ्तर पर समर्थकों ने लगाया पोस्टर

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन कर पार्टी का कद बढ़ा लिया है। इसे लेकर कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं। उनका उत्साह पार्टी दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर पर भी नजर आ रहा है। सपा ने अपने पोस्टर में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भावी पीएम बताया है।

1 जुलाई को अखिलेश यादव का जन्मदिन

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का एक जुलाई को जन्मदिन होता है। इससे पहले राजधानी लखनऊ में उनके 'भावी प्रधानमंत्री' वाले पोस्टर नजर आ रहे हैं। इस होर्डिंग को मंजीत यादव ने लगवाया है। इसमें उनकी भी फोटो लगी है। होर्डिंग में लिखा है कि 'देश के भावी प्रधानमंत्री अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। होर्डिंग लगाने वाले मंजीत यादव का कहना है कि पोस्टर में जो बात लिखी है, वो बिलकुल सही है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के अंदर वो क्षमता और ऊर्जा है कि वह देश का नेतृत्व कर सकते हैं। जन्मदिन में हर व्यक्ति अपने चाहने वालों के लिए अच्छी कामना करता है। यह वही है।

मायावती ने सपा को लगाई फटकार कहा- इनके हथकंडों से सावधान रहें

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा की शुरुआत के साथ ही सदन में सेंगोल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी ने संसद से सेंगोल को हटाने की मांग की है जिसके बाद इस पर सियासत गरमाई हुई है। इस विवाद पर अब बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। मायावती ने पार्टी नेताओं को सपा के हथकंडों से सावधान रहने को कहा है। सेंगोल को लेकर छिड़े विवाद पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी को फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह के मुद्दों के साथ सपा को कमजोर और उपेक्षित लोगों के हितों और आम जनहित के मुद्दों पर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा अक्सर आम जनता के मुद्दों पर चुप रहती है।

सेंगोल पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा, 'सेंगोल को संसद में लगाना या नहीं, इस पर बोलने के साथ-साथ सपा के लिए यह बेहतर होता कि यह पार्टी देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों के हितों में तथा आम जनहित के मुद्दों को भी लेकर केन्द्र सरकार को घेरती। जबकि सच्चाई यह है कि यह पार्टी अधिकांश ऐसे मुद्दों पर चुप ही रहती है तथा सरकार में आकर कमजोर वर्गों के विरूद्ध फैसले भी लेती है। इनके महापुरूषों की भी उपेक्षा करती है। इस पार्टी के सभी हथकण्डों से जरूर सावधान रहें।'

आपको बता दें कि यूपी की मोहनलालगंज सीट से सपा सांसद आरके चौधरी ने प्रोटेम स्पीकर को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने संसद से सेंगोल का हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सेंगोल राजतंत्र का प्रतीक है जबकि हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। सपा सांसद ने कहा कि संसद में सेंगोल की जगह देश के संविधान की कॉपी लगानी चाहिए। सपा सांसद की इस मांग के बाद तमाम राजनीतिक दलों से इस पर प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। जहां बीजेपी सेंगोल के समर्थन में उतर आई है तो वहीं विपक्षी दल सेंगोल को हटाने की मांग का समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

धर्माचार्यों ने मना किया था

लेकिन एक व्यक्ति ने अपने प्रचार-प्रसार एवं चुनावी लाभ के लिए आनन-फानन में अयोध्या में मंदिर का उद्घाटन किया

राम मंदिर की छत से पानी टपकने के दावे पर बोले लालू

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को बारिश के चलते गर्भगृह में मंदिर की छत से पानी टपक रहा था। रविवार की सुबह फर्श पर पानी भर गया था। काफी मशक्कत के बाद मंदिर परिसर से पानी निकाला गया। अब इस दावे पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी का नाम लिए बिना निशाना साधा है।

लालू ने कहा- 'इसकी जांच होनी चाहिए।

शुक्रवार को लालू प्रसाद यादव ने एक्स पर लिखा, धर्माचार्यों ने मना किया था लेकिन एक व्यक्ति ने अपने प्रचार-प्रसार एवं चुनावी लाभ के लिए आनन-फानन में अयोध्या में मंदिर का उद्घाटन किया। अब मंदिर के मुख्य पुजारी कह रहे हैं कि जहां रामलला विराजमान हैं, वहां पहली ही बारिश में छत से पानी टपकने लगा है, मंदिर में बारिश का पानी भर गया। साथ ही बाकी जगहों पर भी पानी टपक रहा है। इसकी जांच होनी चाहिए। लालू ने आगे कहा, रामपथ में सीवर धंस गए। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की दीवार गिर गई। मंदिर के मुख्य पुजारी ने मंदिर के निर्माण कार्य पर कहा कि जुलाई 2025 में भी काम का पूरा होना असंभव है, लेकिन उद्घाटन तो 2 वर्ष पूर्व ही कर दिया। अयोध्या वाले सच जानते हैं इसलिए उन्होंने लोगों की भावनाओं का दोहन करने वालों को कड़ा सबक सिखा दिया। मीडिया के लोग क्या अब भी वहां उछल-कूद करने जाएंगे?

पानी टपकने के दावे को किया गया खारिज

बता दें कि उधर राम मंदिर में पानी टपकने के आरोपों पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की तरफ से बयान जारी किया जा चुका है। कहा गया है कि गर्भगृह जहां भगवान रामलला विराजमान हैं, वहां एक भी बूंद पानी छत से नहीं टपका है। ना ही कहीं से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है।

राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने अमित शाह से लगाई न्याय की गुहार, सवा साल बाद फिर चर्चा में आया केस

प्रतापगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से न्याय की गुहार लगाई है। एक्स पर संदेश लिखकर आरोप लगाया कि एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी को धोखाधड़ी, जालसाजी के मामले में बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई कराने की मांग की है। कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह और उनकी पत्नी का प्रकरण सवा साल बाद फिर यह मामला चर्चा में आया है। भानवी ने फरवरी 2023 में दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) विंग में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ आइपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 109 और 120बी के तहत केस दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि अक्षय प्रताप ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर उनकी कंपनी के शेयर हथिया लिए हैं। इसके लिए उन्होंने भानवी सिंह के फर्जी डिजिटल साइन बनवाए। कंपनी में उन्हें हटाकर खुद डायरेक्टर बन गए। दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू विंग इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में सवा साल से कोई कार्रवाई न होने पर भानवी ने गुरुवार दोपहर में दो बजे के बाद एक्स पर संदेश लिखा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को संबोधित संदेश में अपील की कि उन्होंने फरवरी 2023 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा एमएलसी अक्षय प्रताप समेत सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी समेत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। अपना बयान भी दर्ज कराया था, लेकिन मुकदमा दर्ज हुए एक वर्ष से अधिक का समय बीत गया, अभी तक पुलिस ने जांच के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) विंग इस मामले में अक्षय प्रताप सिंह को बचाने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्री से इस मामले में कार्रवाई कराने की मांग की है। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने उत्तर प्रदेश के अमेठी के अक्षय प्रताप सिंह के साथ ही अनिल कुमार सिंह, इंद्र देव पटेल, प्रतापगढ़ के कुंडा के उमेश कुमार निगम, हरि ओम शंकर श्रीवास्तव, लखनऊ के सीए अरुण कुमार रस्तोगी और राम देव यादव व अन्य अज्ञात के खिलाफ के केस दर्ज किया था। भानवी की कंपनी श्री द प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी की अमेठी, लखनऊ और दिल्ली-एनसीआर में कई संपत्तियां हैं। आरोप है कि सभी आरोपित कंपनी के जरिये बेनामी संपत्तियों का भी कारोबार कर रहे हैं। इस मामले में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी का कहना है कि उन्होंने (भानवी सिंह) ने जितने पैसे का आरोप लगाया है, उतना पैसा तो सामूहिक विवाह में हर वर्ष खर्च होता है। अगर न्याय मांगना है तो वह बड़े महाराज और राजा भैया के पास जाएं, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूरा भरोसा है कि हमें न्याय मिलेगा।

महाराष्ट्र के देवगिरि मंदिर में पूजा करने से रोक पर विवाद

उद्धव गुट ने की आलोचना, 'औरंगजेब के मकबरे पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए जाएंगे

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में देवगिरि (दौलताबाद) किला परिसर में स्थित मंदिरों में पूजा करने पर रोक लगाने संबंधी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के आदेश की विपक्षी दल शिवसेना (यूबीटी) समेत विभिन्न वर्गों ने आलोचना की है। आदेश के अनुसार, एएसआई द्वारा संरक्षित सदियों पुराने किले में स्थित इन मंदिरों में पूजा या कोई अन्य अनुष्ठान करना कानून का उल्लंघन होगा।

एएसआई ने पूजा करने पर लगाई रोक

गुरूवार को सोशल मीडिया पर सामने आए चार जून के आदेश के अनुसार, किले की तलहटी में स्थित भारत माता मंदिर के पुजारी राजू कंजूणे को अनुष्ठान करने से रोक दिया गया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन काम करने वाले एएसआई के अनुसार, चूंकि किला एक धार्मिक कर्मकांड निषेध स्मारक है, इसलिए इसके परिसर में स्थित किसी भी मंदिर में अनुष्ठान की अनुमति देना प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 का उल्लंघन होगा। दो अन्य हिंदू मंदिर - संकट विनायक गणेश मंदिर और जनार्दन स्वामी मंदिर - किले में स्थित हैं।

एएसआई के आदेश से विवाद

एएसआई के आदेश से विवाद पैदा हो गया है। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता शिवसेना (यूबीटी) के अंबादास दानवे और मराठा आरक्षण कार्यकर्ता विनोद पाटिल ने इस कदम पर सवाल उठाए हैं। संपर्क करने पर एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "देवगिरि किले में धार्मिक कर्मकांड पर पाबंदी है और यहां पूजा करने की अनुमति नहीं है। कोई पुजारी अनुष्ठान नहीं कर सकता, लेकिन पर्यटक किले में स्वतंत्र रूप से आ सकते हैं।"

क्या बोले उद्धव गुट के नेता?

दानवे ने 'एक्स' पर लिखा है, भारत माता मंदिर, संकट विनायक गणेश मंदिर और जनार्दन स्वामी मंदिर में वर्षों से पूजा की जा रही है और यह पूजा किले के एएसआई के अधिकार क्षेत्र में आने से बहुत पहले से हो रही है। उन्होंने कहा, "ऐसे में किला धार्मिक कर्मकांड निषेध स्मारक कैसे हुआ?" शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी पूछा कि क्या छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुलताबाद में स्थित मुगल सम्राट औरंगजेब के मकबरे पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए जाएंगे।' मराठा आरक्षण कार्यकर्ता पाटिल ने कहा, 'भारत माता मंदिर की स्थापना स्वतंत्रता सेनानियों ने निजाम से क्षेत्र को मुक्त करने के बाद की थी और 1948 से यहां पूजा की जा रही है। कई एएसआई स्थल हैं जहां एक विशिष्ट धर्म के लिए अवकाश घोषित किया जाता है। राज्य सरकार को हस्तक्षेप करके इस मुद्दे को हल करना चाहिए।"

नई नवेली दुल्हन समेत पांच पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रोहतक, 28 जून (एजेंसियां)। रोहतक के लाखन माजरा थाने में एक युवक ने अपनी नई नवेली दुल्हन और उसके सहयोगियों के खिलाफ ठगी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उक्त लोगों का एक गिरोह है और फर्जी संस्था बनाकर लोगों को ठगने और लूटने का काम करते हैं। पुलिस ने दुल्हन और उसके दो सहयोगियों को नामजद करते हुए पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव इंद्रगढ़ निवासी एक अशोक कुमार ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि वह विवाहित था और उनके परिवार से घरोठी निवासी रामनिवास और रोहतक निवासी पूनम ने अपने आप को एक सामाजिक संस्था का सदस्य बताते हुए गरीब लड़कियों की शादी कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब के बठिंडा कल्जा रानी अतर सिंह वाला निवासी गगनदीप कौर को गरीब परिवार की है। ऐसे में उसकी शादी का प्रस्ताव रखा उनके साथ गया। इसी बीच रामनिवास और पूनम ने संस्था के नाम पर पौने दो लाख रुपये की मांग की।

मोहन सरकार 3 जुलाई को ही क्यों पेश करेगी बजट? नेता प्रतिपक्ष ने उमंग सिंघार ने बताई वजह

भोपाल, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार तीन जुलाई को ही क्यों बजट पेश करना चाह रही है? इसे लेकर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि नर्सिंग घोटाले की आवाज को दबाने के लिए सरकार तीन जुलाई को ही बजट पेश करने जा रही है। उमंग सिंघार ने कहा कि 2 या 4 जुलाई को इसलिए नहीं बजट पेश होगा, क्योंकि 3 जुलाई सरकार के लिए बहुत महत्वपूर्ण तारीख है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पिछले कुछ महीनों में नर्सिंग घोटाले के मामले सामने आए थे, उसमें सरकार की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। सरकार नर्सिंग घोटाले को दबाने के लिए 3 जुलाई को बजट पेश करने जा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग को विधायकों के सवालों के जवाब देने थे। कांग्रेस के विधायकों ने नर्सिंग घोटाले को लेकर विधानसभा में प्रश्न लगाए थे।

उमंग सिंघार ने लगाया ये आरोप

प्रश्न काल के दौरान 3 जुलाई को चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से विधायकों के सवाल के जवाब आने थे। अब सरकार 3 जुलाई को बजट पेश कर उन विधायकों के सवालों को खत्म करना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो विधानसभा और लोकसभा को चलने नहीं देती है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। मध्य प्रदेश विधानसभा का सत्र काफी लंबा होने वाला है। कांग्रेस के नेता चाहे तो अपने सभी प्रश्नों के जवाब ले सकते हैं।उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को मध्य प्रदेश के बजट के प्रति गंभीर रहना चाहिए। वहीं राज्य में अगला विधानसभा और आम चुनाव चार से पांच साल बाद होगा। सरकार इस समय को कुछ कठोर वित्तीय फैसले लेने के लिए आदर्श मान रही है। वित्त विभाग ने गुरुवार को बजट अनुमानों के बारे में सभी विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अशरफ के साले जैद के फार्म हाउस और दुकान पर चलेगा बुलडोजर, माफियाओं पर ऐक्शन में पीडीए

प्रयागराज, 28 जून (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले जैद के फार्म हाउस और दुकान पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण अवैध निर्माण ढहाने का आदेश जारी किया है। माफिया के रिश्तेदार का अवैध निर्माण भी सल्लाहपुर स्थित वक्फ बोर्ड की जमीन पर है। इसकी भी कीमत लगभग चार करोड़ बताई जा रही है। पीडीए ने लोकसभा चुनाव के पहले अवैध निर्माण ढहाने की योजना बनाई थी। आचार संहिता लागू होने के बाद पीडीए ने ध्वस्तीकरण स्थगित कर दिया। चुनाव समाप्त होने के बाद अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का पुनः आदेश दिया गया है। पीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि माफिया अशरफ के साले जैद का अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण होगा। इसका आदेश हो गया है, लेकिन तारीख तय नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक परिसर में सभी अवैध निर्माणों का ध्वस्तीकरण होगा। वक्फ बोर्ड की जमीन पर पहले माफिया ने अवैध कब्जा किया। कुछ भूखंड अपने रिश्तेदारों को दिया। बाकी भूखंड लोगों को बेच दिया। इससे पहले उमेश पाल हत्याकांड में वांछित माफिया अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा के मकान को एक हफ्ते पहले ढहा दिया गया था। 25 हजार की इनामी जैनब फातिमा ने सल्लाहपुर में सुन्नी वक्फ बोर्ड की जमीन पर दो मंजिला आलीशान मकान बनवाया था।

अंजुम से आरती, मुबारिक हो गया मनीष

एक साथ 20 मुसलमान बन गए हिंदू

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक साथ 20 मुसलमानों ने अपना धर्म बदल लिया है। सामूहिक धर्म परिवर्तन इंदौर के उसी खजराना गणेश मंदिर में हुआ है जहां अप्रैल में 8 मुसलमानों ने सनातन धर्म अपना लिया था। इंदौर के खजराना मंदिर में मुस्लिम समुदाय के 20 लोगों ने हिंदू धर्म अपनाया है। खजराना गणेश मंदिर में शुक्रवार को पहुंचे अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं और पुरुषों ने विधि विधान से सनातन धर्म को अपनाया। धर्म बदलने वाले लोगों में इंदौर के खजराना इलाके का एक नागरिक है और बाकि सभी अन्य जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। धर्म बदलने वालों में 12 पुरुष और 8 महिलाएं शामिल हैं।

इनका कहना है कि हिंदू धर्म के बारे में पूरी जानकारी जुटाने और अध्ययन करने के बाद ही इन्होंने इसे अपनाने का फैसला किया। खजराना गणेश मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ इन लोगों की घर वापसी कराई गई। खजराना मंदिर आने के पूर्व इन सभी को पाटीदार समाज की धर्मशाला में पंडितों ने गोमूत्र, मिट्टी और 10 नदियों के जल से स्नान से कराया। इसके बाद भगवा वस्त्र धारण करवा कर खजराना मंदिर लाया गया। यहां अनुष्ठान के दौरान उनका धर्म बदला गया।

अप्रैल में 8 ने बदला था धर्म

27 अप्रैल को इसी मंदिर में 8 मुसलमानों ने सनातन धर्म अपना लिया था। खजराना के रहने वाले हैदर ने अपना नाम परिवर्तन किया था जिस के बाद उसने अपना नाम हरि कर लिया था। अज्ञात आरोपियों ने धर्मांतरण के दो दिन बाद हरि के घर पर पथराव किया था।

बाबा बर्फानी के रंग में रंगा मंदिरों का शहर पहला जत्था रवाना

जम्मू, 28 जून (एजेंसियां)। मंदिरों का शहर जम्मू बाबा बर्फानी के रंग में रंग गया है। शुक्रवार को तड़के बम भोले के जयघोष के साथ पहला जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले जत्थे में कुल 4603 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुए। यह तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम आधार शिविर पहुंचेंगे। उसके बाद शनिवार सुबह तड़के पवित्र गुफा की ओर यात्रा आरंभ करेंगे। इस बार यात्रा 52 दिन तक चलेगी। यात्रा 29 जून से शुरू होने जा रही है। 19 अगस्त तक बाबा बर्फानी के भक्त उनके दर्शन कर सकेंगे। अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने से पहले एलजी मनोज सिन्हा ने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान भगवती नगर में अलौकिक नजारा देखने को मिला। देशभर से पहुंचे श्रद्धालु बाबा भोले के जयघोष लगा रहे थे। कोई बाबा के भजन गा रहा था तो कई उन भजनों पर झूमता हुआ नजर आ रहा था। हर किसी के चेहरे पर अलग ही खुशी थी। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाने वाले पहले में शामिल तीर्थयात्रियों ने अपने को खूब भाग्यशाली बताया। एक तीर्थयात्री ने कहा कि वह इस दिन का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और आखिर आज यह दिन आ ही गया। भगवान भोले ने उन्हें पहले जत्थे में शामिल होने का मौका दिया, इसलिए बेहद खुश हैं। दक्षिण कश्मीर हिमालय में लगभग 13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा के लिए दो मार्गों से यात्रा पूरी की जाती है। एक मार्ग बालटाल आधार शिविर से शुरू होता है तो दूसरा पहलगाम आधार शिविर से। कश्मीर घाटी के जिले अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम मार्ग पारंपरिक है और यह करीब 48 किलोमीटर लंबा है। वहीं, गंदरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटा लेकिन खड़ी पहाड़ियों से घिरा बालटाल मार्ग है। पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के बाद एलजी मनोज सिन्हा ने कहा, "अमरनाथ यात्रा को जा रहे तीर्थयात्रियों का पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया है। पिछले 3-4 सालों में यात्रा के लिए बहुत सारे इंतजाम किए गए हैं और इस बार भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सभी जरूरी इंतजाम किए हैं, सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कहा, सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा के लिए मेरी शुभकामनाएं। बाबा अमरनाथ सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लाएं।' उन्होंने यात्रा को सफल बनाने के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग मांगा और कहा कि तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से पहले हजारों तीर्थयात्री जम्मू पहुंच चुके हैं। 4603 श्रद्धालुओं में 3631 पुरुष, 711 महिलाएं, 252 साधु और नौ बच्चे शामिल हैं। वे 231 वाहनों के काफिले में सवार थे। इस दौरान एलजी के साथ मौजूद भाजपा नेता देवेंद्र सिंह राणा ने कहा, हमें उम्मीद है कि भोले शंकर की कृपा से इस साल भी यात्रा खुशियां लेकर आएगी और हर साल की तरह सभी के लिए अच्छा अनुभव होगा। लोगों को जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्यार, स्नेह और दुलार मिलेगा। पूरे देश के लोगों को भगवान शिव का आशीर्वाद मिलेगा। पूरा भारत और जम्मू-कश्मीर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। हर साल की तरह इस साल भी सभी इंतजाम किए गए हैं।

इंदौर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही

डेंगू के 10 केस बताकर बटोरी वाहवाही, अब सामने आए 69 मामले

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इंदौर स्वास्थ्य विभाग ने दावा कि इस साल अब तक डेंगू के 10 से भी कम मामले आए हैं, लेकिन विभाग का ये दावा झूठा साबित हुआ है। पिछले छह महीने में डेंगू के 69 मामले सामने आ चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने दावा किया है कि निजी अस्पतालों में ये मामले आए। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी नहीं दी और जून के आखिरी हफ्ते में रिकॉर्ड अपडेट किया। वहीं अब किरकिरी होने के बाद स्वास्थ्य विभाग निजी अस्पतालों से डेंगू के मामले समय रहते न बताने के लिए स्पष्टीकरण मांग रहा है। इधर मई महीने तक स्वास्थ्य विभाग ने बताया की इंदौर में डेंगू का कोई भी मामला रिपोर्ट नहीं किया था। वहीं देपालपुर तहसील के सागरोद गांव में डेंगू के कुछ मामले सामने आने की बात विभाग ने जरूर कही थी। हैरत तो ये है कि स्वास्थ्य विभाग ने बीते 16 मई को ही राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया है। साथ ही यह दावा करके अपनी पीठ थपथपाई है कि इस साल 10 से भी कम मामले आए हैं।

जल्द शुरू होगा फॉगिंग अभियान

जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर दौलत पटेल ने मीडिया से कहा कि स्वास्थ्य विभाग अब शहर के कई इलाकों में डेंगू का असर कम करने के लिए फॉगिंग अभियान शुरू करने जा रहा है। वहीं निजी अस्पतालों को वार्निंग लेटर भी जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि वे वेक्टर जनित बीमारियों के सभी मामलों की विभाग को समय पर सूचना दें, ताकि विभाग समय पर कार्रवाई कर सके। डॉक्टर दौलत पटेल ने कहा कि कुछ निजी अस्पताल डेंगू के मरीजों का इलाज तो कर रहे हैं,

लेकिन स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना नहीं दे रहे हैं। डॉक्टर पटेल ने कहा, जब हमने उनसे पूछा, तो निजी अस्पतालों ने डेंगू के 69 मामले बताए। उन्होंने कहा कि अप्रैल में सबसे ज्यादा 17 मामले सामने आए थे। पिछले साल जून तक डेंगू के 28 मामले सामने आए थे और इस साल अब तक यह संख्या बढ़कर 69 हो गई है।

दमोह में आकाशीय बिजली ने बरपाया कहर, चार की मौत, कई घायल

दमोह, 28 जून (एजेंसियां)। दमोह जिले में गुरुवार को कई स्थानों पर तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी है। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। तेंदूखेड़ा ब्लाक में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो पुरुष और एक महिला शामिल है। पथरिया थाना के ग्राम बोतराई में गुरुवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से गोकुल पटेल, 50 वर्ष, की मौके पर ही मौत हो गई। तेंदूखेड़ा तहसीलदार सोनम पांडे ने बताया कि गुरुवार शाम अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हुई है। महिला की मौत जबलपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान हुई है। पोस्टमॉर्टम जबलपुर में हुआ है। दो का पोस्टमार्टम तेंदूखेड़ा में हुआ है। शासन द्वारा निर्धारित मुआवजे की राशि परिजनों को दी जाएगी।

शादी के 13 साल बाद पत्नी की अलमारी से मिली ऐसी चीज डिप्रेशन में आ गए प्रोफेसर साहब, मांगने लगे तलाक

प्रयागराज, 28 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने अपनी ही पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई है। प्रोफेसर साहब अपनी बीवी से अब तलाक चाहते हैं। उनका आरोप है कि पत्नी की पहले से ही किसी और के साथ शादी हो चुकी थी। उसने पहले पति के लिए धर्म परिवर्तन भी किया। बावजूद इसके 13 साल पहले मुझसे यह कहकर दूसरी शादी कर ली कि वो अभी कुंवारी है। साथ घर में बवाल कर उन्हें (प्रोफेसर) मां से अलग करने का आरोप भी पत्नी पर लगाया है। प्रोफेसर ने पत्नी के अलावा साली और सास पर भी प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। उन्होंने शादी के 13 साल बाद पत्नी और ससुराल वालों के खिलाफ धोखा देने और उत्पीड़न करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में तैनात एसोसिएट प्रोफेसर ने बताया, 'मेरी शादी 13 साल पहले असम की रहने वाली युवती से हुई थी। जिस वक्त हमारी शादी हुई उससे पहले मेरी पत्नी ने किसी मुस्लिम युवक से शादी की थी। उस पति को छोड़ने के बाद खुद को कुंवारी बताते हुए मुझसे भी शादी कर ली। लेकिन मुझे पहली शादी के बारे में 13 सालों तक कोई भनक नहीं लगी।'

अलमारी से मिले दस्तावेज

आरोप लगाया कि पत्नी के कुंवारे होने के झूठ में उसके घरवाले भी शामिल थे और सभी ने मिलकर पहली शादी की बात छिपाकर उनकी शादी करवा दी थी। शादी के बाद से ही पति पत्नी के रिश्ते ठीक नहीं थे। उसी दौरान प्रोफेसर की पत्नी ने अपनी सास के साथ इतना विवाद किया कि बेटे को मां से अलग रहना पड़ा। एक महीने पहले पत्नी की अलमारी में मिले कुछ डॉक्यूमेंट्स से उन्हें यह बात पता चली तो उनके होश उड़ गए। जब उन्होंने इस बारे में पत्नी से सवाल किया तो वह उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देने लगी। इसी से तंग आकर प्रोफेसर ने थाने में मामला दर्ज करवाया।

25 हजार करोड़ के घोटाले में अजित पवार का नाम, कोर्ट में 'भिड़ीं' पुलिस और ईडी

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक में हुए कथित 25 हजार के घोटाले के मामले में ईडी और मुंबई पुलिस आमने-सामने आई गईं हैं। कोर्ट में मुंबई पुलिस कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा मामले की क्लोजर रिपोर्ट फाइल की गई थी। वहीं ईडी ने इसका विरोध किया है और हस्तक्षेप अर्जी फाइल कर दी है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मूल प्राथमिकी दर्ज की थी और मौजूदा उप मुख्यमंत्री अजित पवार को बतौर आरोपी नामजद किया था लेकिन बाद में ईओडब्ल्यू ने कहा कि शीर्ष सहकारी बैंक को कथित घोटाले से कोई नुकसान नहीं हुआ। ईओडब्ल्यूने दाखिल लिखित जवाब में कहा कि ईडी द्वारा इसी तरह की हस्तक्षेप अर्जी पूर्व में सांसदों और विधायकों के मामले में दाखिल की गई थी जिसे विशेष अदालत खारिज कर चुकी है। उसने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने उन्हीं बिंदुओं के आधार पर नए सिरे से अर्जी दाखिल की है। कथित घोटाले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू ने सबसे पहले मामले को बंद करने की अर्जी सितंबर 2020 में दाखिल की थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। लेकिन जांच एजेंसी ने अक्टूबर 2022 में अदालत को सूचित किया कि वह शिकायतकर्ता और ईडी द्वारा दाखिल आपत्ति अर्जी में उठाए गए बिंदुओं पर आगे की जांच कर रही है।

पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार, शूटर को लाया था बाइक पर बैठाकर

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बर्गर किंग रेस्टोरेंट में हुई युवक की हत्या मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी शूटर को अपनी बाइक पर बैठा कर लाया था। स्पेशल सेल आरोपी से पूछताछ करने में लगी हुई है। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को अमन जून (26) अपनी महिला मित्र अनु के साथ सुभाष नगर स्थित बर्गर किंग फूड आउटलेट में बैठे हुए थे। इस बीच दो हमलावरों ने अंदर घुसकर अमन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी। अमन को 38 गोलियां मारी गईं। बाद में हमलावर फरार हो गए। हत्याकांड के बाद गोलीबारी का 14 सेकंड का एक सीसीटीवी फुटेज 20 जून को मीडिया के सामने आया। फुटेज में आरोपी अमन को गोली मारते हुए दिख रहे हैं। घटना के बाद पुलिस महकमे में फुटेज के लीक होने पर खूब हंगामा हुआ।

पठानकोट बॉर्डर पर फिर दिखे संदिग्ध आंतकी, पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन, गांवों को किया सील

पठानकोट, 28 जून (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा और जेएंडके बॉर्डर के पास बसे गांव कोट भट्टियां में तीन दिन पहले दो हथियारबंद संदिग्ध आतंकी देखे गए थे। इसके बाद से पुलिस, बीएसएफ और एसएसजी संदिग्धों को ढूंढ रही है। बॉर्डर एरिया से सटे गांवों पर सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। शुक्रवार को जेएंडके बॉर्डर से सटे गांव कीड़ी गांडियल में एक बार फिर से संदिग्ध देखे गए हैं। इसकी सूचना तुंरत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव पहुंची और गांव को चारों तरफ से घेर लिया है। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस व एसओजी कमांडो गांव के सुनसान इलाकों और बंद पड़े घरों की भी तलाशी ले रही है। पठानकोट-जेएंडके बॉर्डर से सटे गांव कीड़ी गांडियाल में संदिग्ध लोगों के देख जाने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। जानकारी मिलते ही पुलिस व कमांडो ने गांव कीड़ी गांडियाल और क्लेशर में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान पुलिस ने पूरा एरिया सील कर दिया था। हालांकि अभी तक पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा है। इससे एक दिन पहले वीरवार को पुलिस, बीएसएफ और एसएसजी के लगभग 400 जवानों ने बॉर्डर एरिया के 5 किलोमीटर के क्षेत्र का चप्पा-चप्पा खंगाला है। जिस फार्म हाउस में संदिग्ध ठहरे थे, वहां बीएसएफ के जनरल खुद जानकारी लेने के लिए पहुंचे थे और प्रवासी मजदूर महेश कुमार से संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल की। वहीं, पुलिस ने सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस पर नाकाबंदी में सुरक्षा फोर्स बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियां प्रत्येक गतिविधि पर निगाह रख रही है। पुलिस, बीएसएफ और आर्मी ने उज्ज दरिया और आसपास लगे कई सीसीटीवी भी खंगाले। दूसरी तरफ बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल ने भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था संबंधी अधिकारियों से बैठक की थी। पुलिस ने गुज्जरों के डेरे खंगाले और उनसे भी पूछताछ की। पुलिस ने कुछ लोगों को राउंडअप करके पूछताछ भी की है।

पंजाब में नकली पुलिसवाला गिरफ्तारः खुद को सीआईए स्टाफ का मुलाजिम बता करता था वसूली, 2 साथी भी पकड़े

जालंधर, 28 जून (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर देहात के थाना शाहकोट पुलिस ने नकली पुलिस अधिकारी बनकर पैसे ऐंठने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी जालंधर (ग्रामीण) डॉ. अंकुर गुप्ता, दिशा निर्देशों पर डीएसपी शाहकोट अमनदीप सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर अमन सैनी ने कार्रवाई करते हुए पुलिस अधिकारी बनकर रंगदारी वसूलने वालों गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राजा निवासी कपूरथला, दविंदर सिंह निवासी ढुड्डीवाल थाना सदर कपूरथला और हरजिंदर सिंह निवासी टिब्बा थाना तलवंडी चौधरी कपूरथला के तौर पर हुई है। आरोपी राजा सिंह पहले पुलिस विभाग में थानेदार रह चुका है। वह कपूरथला में बतौर थानेदार तैनात था, लेकिन विभाग किसी मामले में उसे बर्खास्त कर चुका है। आरोपी के खिलाफ खिलाफ पहले भी नकली पुलिस वाला बनकर लोगों से पैसे ठगने के तीन मामले दर्ज हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 29 जून- 2024

कर्नाटक में नया नाटक

कुर्सी की लालसा ही ऐसी है कि उस पर सबकी नजर रहती है। कुछ ऐसा ही नाटक एक बार फिर से कर्नाटक कांग्रेस में शुरू हो गया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और सीएम सिद्धारमैया समर्थक खुलकर बयानबाजी पर उतर आए हैं। डीके के समर्थन में वोक्कालिगा समुदाय के संत भी सामने आ गए हैं। माना जा रहा है कि डीके समर्थक अब इंतजार के मूड में नहीं हैं और ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले से अलग सीएम पद की दावेदारी कर रहे हैं। इसलिए कांग्रेस में सीएम पद को लेकर शह और मात का खेल शुरू हो गया है। डीके समर्थक खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन का राग छेड़ रहे हैं तो सिद्धारमैया समर्थक मंत्रियों ने तीन डिप्टी सीएम के फॉर्मूले का दांव चल दिया है। लिंगायत, दलित और अल्पसंख्यक समाज के मंत्री अब डिप्टी सीएम बनाने मांग करने लगे हैं। इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बदलाव की मांग भी शुरू हो गई है। यह पद अभी डीके शिवकुमार के पास ही है। विधानसभा चुनाव के बाद जब सीएम पद को लेकर पेंच फंसा था तब निकाले गए फॉर्मूले के अनुसार डीके शिवकुमार अब सीएम पद के दावेदार हैं। पार्टी में वह संकटमोचक के तौर पर उभरे हैं। ऐसे में सिद्धारमैया समर्थकों ने प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। फिलहाल खेल शुरू होने के बाद डीके शिवकुमार ने चुप्पी साध रखी है। सिद्धारमैया के समर्थक मंत्रियों केएन राजन्ना, बी जेड ज़मीर अहमद खान और सतीश जरकीहोली ने तीन डिप्टी सीएम की मांग रख दी। माना जा रहा है कि मंत्रियों ने डीके शिवकुमार को काबू में करने के लिए तीन डिप्टी सीएम का मुद्दा उछाला है। अभी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बने एक वर्ष ही हुआ है और फॉर्मूले के तहत डीके सीएम पद के दावेदार हैं। विश्व वोक्कालिगा महास्थानम के प्रमुख स्वामी चंद्रशेखर ने सिद्धारमैया को सीएम की कुर्सी डीके शिवकुमार को देने की सलाह दे दी है। उन्होंने यह बयान कैंपा गौड़ा जयंती समारोह में उस समय दिया, जब मंच पर शिवकुमार और सिद्धारमैया दोनों मौजूद थे। इसके बाद स्वामी निर्मलानंद ने भी डीके शिवकुमार को सीएम बनाने की वकालत की। बता दें कि डीके वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं और विधानसभा चुनाव के दौरान मठ की ओर से कांग्रेस को खुले तौर पर समर्थन मिला था। 2023 के विधानसभा में कांग्रेस को 135 सीटें मिली थीं। सोनिया गांधी के करीबी डीके शिवकुमार सीएम पद के प्रबल दावेदार थे। मामला बिगडते देख आलाकमान ने मध्यस्थता की और ढाई-ढाई साल के सीएम पद का फॉर्मूला तैयार किया। सिद्धारमैया पहले ढाई साल के लिए सीएम बनाए गए। साथ ही यह भी तय किया गया कि सिद्धारमैया सरकार में डीके शिवकुमार एकमात्र डिप्टी सीएम भी रहेंगे। केंद्रीय नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने का ऐलान किया। समझौते के तहत अभी सिद्धारमैया का कार्यकाल 17 महीने बाकी है, मगर डीके समर्थक अभी से उन्हें सीएम बनाने के क्रम में जुट गए हैं। विधायक बसवराजू वी शिवगंगा ने पार्टी से शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया। इसके बाद सिद्धारमैया के समर्थकों ने डीके शिवकुमार की घेराबंदी शुरू कर दी। उन्होंने सबसे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर डीके शिवकुमार का घेराव किया। सहकारिता मंत्री राजन्ना ने नए प्रदेश अध्यक्ष की मांग कर डाली है। अगर प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डीके शिवकुमार की विदाई हुई तो सिद्धारमैया की राह आसान हो जाएगी।

गए थे चुनाव कराने पर लौट कर घर ना आए!

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की अठारहवीं लोकसभा अस्तित्व में आ चुकी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के आयोजन के फलस्वरूप 543 सांसद चुने गए कुछ मंत्री बन गए प्रधानमंत्री लोकसभा स्पीकर और विपक्ष के नेता बन गए लेकिन आपको बता दें कि इस लोकतंत्र के बुनियादी कार्यक्रम आम चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए कुल दस लाख से अधिक केंद्र व राज्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी इन चुनावों को सम्पन्न कराने के लिए अपने घर परिवार बच्चों को छोड़कर मतदान केंद्रों पर ड्यूटी देने गए 123 कर्मचारी अपने घर जीवित वापस नहीं आए वरन वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए ड्यूटी पर ही विभिन्न कारणों से जान गंवा गए। चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए बड़ी संख्या में कर्मियों की जरूरत होती है और ये कर्मी विभिन्न सरकारी विभागों, सरकारी स्कूल के शिक्षकों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और एलआईसी सहित विभिन्न उद्यमों जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से लिए जाते हैं. मतदान दलों में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी, सेक्टर और जोनल अधिकारी, माइक्रो-ऑब्जर्वर, सहायक व्यय पर्यवेक्षक, चुनाव में उपयोग किए जाने वाले वाहनों के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर आदि शामिल होतेसुरक्षा और कानून व्यवस्था में शामिल पुलिसकर्मी, सेक्टर और जोनल अधिकारी , रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला चुनाव अधिकारी और उनके कर्मचारी, अन्य लोगों में से हैं जो देश भर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने-अपने जिलों में चुनाव कराने में मदद करते हैं. चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त लोगों के अनुपस्थित रहने की कोई गुंजाइश नहीं है. अनुपस्थिति पर आयोग की ओर से दंड दिया जाता है. ड्यूटीचुनाव कार्य में केवल उन्हीं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा सकती है जो केंद्र या राज्य के स्थायी कर्मचारी हैं. इसके बाद भी अगर जरूरत पड़ती है तो उन कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जा सकती है जो रिटायर होने के बाद प्रतिनियुक्ति पर हैं. चुनाव कार्य में कांट्रैक्ट या दैनिक वेतनभोगी की ड्यूटी नहीं लगाई जा सकती है. अगर पति-पत्नी दोनों सरकारी कर्मचारी हैं तो चुनाव ड्यूटी में एक को छूट मिल सकती है. ऐसे में पति-पत्नी दोनों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी. दंपती में से कोई एक बच्चों या अपने बुजुर्ग मां-बाप की सेवा के लिए अपनी ड्यूटी हटाने के लिए आवेदन दे सकता है।

इस बार का लोकसभा चुनाव 45 डिग्री वाले गर्म मौसम में सम्पन्न हुआ यह गर्म मौसम की तपिश चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए बेहद भारी साबित हुयी सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 54 कर्मचारियों की ड्यूटी करते हुए मौत हो गई। 33 मौतें तो वोटिंग के आखिरी दिन 1 जून को हुईं। मरने वालों में ज्यादातर होमगार्ड्स थे, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कुछ परिवार ऐसे हैं, जिन्हें सहारा देने वाला कोई नहीं बचा।उनकी आखिरी उम्मीद 15 लाख रुपए का सरकारी मुआवजा है, जो अब तक नहीं मिला है। उत्तर प्रदेश में चुनाव के दौरान गर्मी काफी अधिक रही और चुनाव कर्मियों को सुविधाओं का अभाव था यही कारण है कि 54 पोलिंग स्टाफ की मौत हो गई।

मुद्दों की कमी के कारण विपक्ष सेंगोल मुद्दे उठा रही है ?

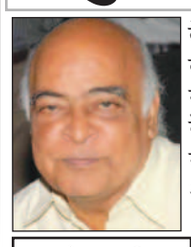

अशोक भाटिया

देश की नई संसद में सेंगोल को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। 18वीं संसद के सत्र के दौरान गुरुवार को समाजवादी पार्टी के सांसद आरके चौधरी ने पत्र लिखकर संसद से सेंगोल हटाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि सेंगोल का अर्थ 'राज-दंड' यानी 'राजा का डंडा' होता है। रियासती व्यवस्था खत्म करके ये देश आजाद हुआ है। ऐसे में यह देश 'राजा के डंडे' से चलेगा या संविधान से? मैं मांग करता हूं कि संविधान को बचाने के लिए सेंगोल हटाया जाए। आरके चौधरी की इस मांग का विपक्षी दल भी समर्थन कर रहे हैं। वहीं, आरके चौधरी के विरोध में एनडीए नेता उन्हें खरी खोटी सुना रहे हैं और बंटवारे की राजनीति का आरोप लगा रहे हैं। सपा नेता ने कहा कि संसद भवन लोकतंत्र का मंदिर है। लोकतंत्र के मंदिर में सबसे बड़ा ग्रंथ संविधान है। इसलिए हम चाहते हैं कि एक बड़े आकार के संविधान की प्रति संसद भवन में स्थापित की जानी चाहिए। सेंगोल पवित्र चीज है लेकिन उसे रखने के लिए संसद सही जगह नहीं है, पवित्र चीजों के लिए मंदिर है। उसे सही जगह रख दिया जाए। इसलिए मैंने मांग की है कि इसे संसद भवन से हटा देना चाहिए। अगर लोकतंत्र को बचाना है, संविधान को बचाना है तो सेंगोल को हटाना है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव से इस मुद्दे पर बात हुई है, उन्होंने इतना कहा है कि मुद्दा उठाने से पहले आपको एक बार बात कर लेना चाहिए था। अब आगे हमारे नेता अखिलेश यादव जैसे कहेंगे वैसे हम इस मुद्दे को आगे बढ़ाएंगे। सेंगोल मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रिया भी सामने आई। सपा नेता आरके चौधरी की मांग पर पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी कहा कि प्रधानमंत्री इसके सामने सिर झुकाना भूल गए, तो शायद वह भी कुछ और चाहते थे। वहीं, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि सेंगोल को लेकर समाजवादी पार्टी की मांग गलत नहीं है। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने भी आरके चौधरी के मांग का समर्थन किया और कहा कि सेंगोल को हटाना चाहिए, ये लोकतंत्र में है, राजतंत्र में नहीं।

वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू ने कहा कि विपक्ष के पास कोई दूसरा काम नहीं है। वहीं, महेश जेठमलानी ने कहा कि सेंगोल राष्ट्र का प्रतीक है, उसे अब कोई नहीं हटा सकता। आरएलडी सांसद जयंत चौधरी ने कहा कि अकेले समाजवादी पार्टी ने संविधान का ठेका नहीं लिया है क्या? वहीं, चिराग पासवान ने कहा कि ये लोग सिर्फ बंटवारे की राजनीति करते हैं। बीजेपी सांसद रवि किशन ने कहा कि इनकी (विपक्ष) मति भ्रमित हो गई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कहा कि सेंगोल को संसद में लगाना या नहीं, इस पर बोलने के साथ-साथ सपा के लिए यह बेहतर होता कि यह पार्टी देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों के हितों में और आम जनहित के मुद्दों को भी केंद्र सरकार को घेरती, जबकि सच्चाई ये है कि ये पार्टी अधिकांश ऐसे मुद्दों पर चुप ही रहती है और सरकार में आकर कमजोर वर्गों के खिलाफ फैसले भी लेती है। इनके महापुरूषों की भी उपेक्षा करती है। इस पार्टी के सभी हथकंडों से जरूर सावधान रहें। गौरतलब है कि इतिहास के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तमिलनाडु के सदियों पुराने मठ के आधीनम महंतों का आगमन उस परंपरा को फिर से सत्ता का खास अंग बनाने के लिए हुआ था जिसका लेखा-जोखा हमारी प्राचीन पद्धतियों में दर्ज रहा है और जो इस देश की विरासत रही है। यहां सेंगोल की बात हो रही है, जिसे प्राचीन काल से राजदंड के तौर पर जाना जाता रहा है। यह राजदंड सिर्फ सत्ता का प्रतीक नहीं बल्कि राजा के सामने हमेशा न्यायशील बने रहने और प्रजा के लिए राज्य के प्रति समर्पित रहने के वचन का स्थिर प्रतीक भी रहा है। जिस सेंगोल की स्थापना नई संसद में की गई है, उसका आधुनिक इतिहास भारत की आजादी के साथ जुड़ा हुआ सामने आया है, जब तत्कालीन पीएम जवाहर लाल नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर सेंगोल सौंपा गया। वहीं प्राचीन इतिहास पर नजर डालें तो सेंगोल के सूत्र चोल राज शासन से जुड़ते हैं, जहां सत्ता का उत्तराधिकार सौंपते हुए पूर्व राजा, नए बने राजा को सेंगोल सौंपता था। यह सेंगोल राज्य का उत्तराधिकार सौंपे जाने का जीता-जागता प्रमाण होता था और राज्य को न्यायोचित तरीके से चलाने का निर्देश भी। रामायण-महाभारत के कथा प्रसंगों में भी ऐसे उत्तराधिकार सौंपे जाने के ऐसे जिक्र मिलते रहे हैं। इन कथाओं में राजतिलक होना, राजमुकुट पहनाना सत्ता सौंपने के प्रतीकों के तौर पर इस्तेमाल होता दिखता है लेकिन इसी के साथ राजा को धातु की एक छड़ी भी सौंपी जाती थी जिसे राजदंड कहा जाता था। इसका जिक्र महाभारत में युधिष्ठिर के राज्याभिषेक के दौरान भी मिलता है। जहां शांतिपर्व में इसके जिक्र की बात करते हुए कहा जाता है कि 'राजदंड राजा का धर्म है, दंड ही धर्म और अर्थ की रक्षा करता है।'

राजतिलक और राजदंड की वैदिक रीतियों में एक प्राचीन पद्धति का जिक्र होता है। इसके अनुसार राज्याभिषेक के समय एक पद्धति है। राजा जब गद्दी पर बैठता है तो तीन बार 'अदण्ड्योः अस्मि' कहता है, तब राजपुरोहित उसे पलाश दंड से मारता हुआ कहता है कि 'धर्मदण्ड्योः असि'। राजा के कहने का तात्पर्य होता है, उसे दंडित नहीं किया जा सकता है। ऐसा वह अपने हाथ में एक दंड लेकर कहता है, यानि यह दंड राजा को सजा देने का अधिकार देता है लेकिन इसके ठीक बाद पुरोहित जब यह कहता है कि, धर्मदंडयोः असि, यानि राजा को भी धर्म दंडित कर सकता है। ऐसा कहते हुए वह राजा को राजदंड थमाता है यानि कि राजदंड, राजा की निरंकुशता पर अंकुश लगाने का साधन भी रहा है। महाभारत में इसी आधार पर महामुनि व्यास, युधिष्ठिर को अग्रपूजा के जरिए अपने ऊपर एक राजा को चुनने के लिए कहते हैं।

सेंगोल को और खंगालें तो कई अलग-अलग रिपोर्ट में इसकी उत्पत्ति तमिल तमिल शब्द 'सेम्मई' से बताई गई है। सेम्मई का अर्थ है 'नीतिपरायणता' यानि सेंगोल को धारण करने वाले पर यह विश्वास किया जाता है कि वह नीतियों का पालन करेगा। यही राजदंड कहलाता था, जो राजा को न्याय सम्मत दंड देने का अधिकारी बनाता था। ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार, राज्याभिषेक के समय, राजा के गुरु के नए शासक को औपचारिक तोर पर राजदंड उन्हें सौंपा करते थे। राजदंड उन तीन आधारभूत शक्तियों में से एक रहा है, जो राजा और राज्य की संप्रभुता का प्रतीक रही हैं। इनमें राजदंड के अलावा मुकुट या छत्र और पताका भी प्रमुख रहे हैं। जहां पताका के जरिए राज्य की सीमा निर्धारित होती थी, तो वहीं छत्र और मुकुट प्रजा के बीच राजा की मौजूदगी का प्रतीक थी और राजदंड, राजा की आम सभा में न्याय का प्रतीक रहा है।

2030 तक होगी 60 फीसदी आबादी अस्वस्थ

सुनील कुमार महला

हाल ही में शारीरिक गतिविधियों के संबंध में लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के तथ्य अत्यंत चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट में भारतीय व्यस्कों के स्वास्थ्य की स्थिति को चिंताजनक बताया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधियों का प्रतिशत वर्ष 2000 के 22.3 से बढक़र वर्ष 2022 में 49.4 हो गया बताया गया है और यह भी कहा गया है कि यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो वर्ष 2030 तक 60 फीसदी आबादी अस्वस्थ होगी। यह भारत के लिहाज से अत्यंत चिंताजनक है। चिंताजनक इसलिए क्योंकि पर्याप्त शारीरिक गतिविधियां नहीं होने से बीमारियों का खतरा बना रहेगा। यह अत्यंत विचारणीय होने के साथ ही अत्यंत गंभीर है कि भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधियों संबंधी दिशा-निर्देशों को पूरा नहीं करती है। यानी शारीरिक तौर(फिजीकली फिट) पर पूरी तरह फिट नहीं है। बताया गया है कि पुरुषों (42 फीसदी) के मुकाबले महिलाएं (57 फीसदी) शारीरिक गतिविधियों के मामले में ज्यादा निष्क्रिय हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत में शारीरिक श्रम करने में लोग काफी आलसीपन दिखाते हैं।

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि वैश्विक स्तर पर लगभग एक तिहाई लोग (31.3 प्रतिशत) शारीरिक श्रम पर्याप्त रूप से नहीं करते। रिपोर्ट में पाया गया कि ये आंकड़ा वर्ष 2010 के मुकाबले और बढ़ गया है। उस समय के दौरान दुनिया भर में अपर्याप्त रूप से शारीरिक गतिविधि में संलग्न 26.4 प्रतिशत लोग थे, जो अब पांच प्रतिशत अधिक है। दरअसल आज हमारी जीवनशैली में आमूलचूल परिवर्तन आ गये हैं और हमारे देश की आबादी बैठे-बैठे काम करने की प्रवृत्ति की ओर लगातार बढ़ रही है। एक समय था जब ऐसा नहीं था और शारीरिक श्रम पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाता था। बढ़ते मशीनीकरण, आधुनिकीकरण के कारण ऐसा संभव हुआ है। पहले के जमाने की तुलना में हमारे कामकाज के पैटर्न में बदलाव आ गये हैं और आज हर कोई स्क्रीन को अधिक समय दे रहे हैं। पर्यावरण में भी आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव भी हमारी जीवनशैली पर पड़ा है। हम वाहनों पर निर्भर हो गये हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय है हालांकि, हमारे पड़ोसी बांग्लादेश, भूटान और नेपाल में महिलाएं ज्यादा सक्रिय हैं। इस संबंध में विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं में निष्क्रियता के लिए घर के कामों में उनकी ज्यादा भागीदारी जिम्मेदार है। इससे उन्हें खुद पर ध्यान देने का कम समय मिलता है। क्या यह सोचनीय व गंभीर नहीं है कि अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि (फिजीकल एक्टिविटी) के मामले में हमारा देश भारत 195 देशों में 12वें पायदान पर है ? दुनिया भर में, करीब एक तिहाई (31 प्रतिशत) वयस्क यानी कि करीब 1.8 बिलियन लोगों ने 2022 में शारीरिक गतिविधि के रिकमेंडेड लेवल(अनुशंसित स्तर) को पूरा नहीं किया। सबसे चिंता की बात यह है कि भारतीय वयस्कों में फिजिकली इनएक्टिव होना साल 2000 में 22.3 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 2022 में 49.4 प्रतिशत पहुंच गया। इसका मतलब यह है कि हमारी आबादी का 60 प्रतिशत हिस्सा 2030 तक शारीरिक रूप से निष्क्रिय हो जाएगा।वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन(डब्ल्यू एच ओ) के मुताबिक, अगर कोई भी वयस्क हफ्ते में 150 मिनट से कम और किसी किशोर की शारीरिक गतिविधि 60 मिनट से कम है तो उसकी शारीरिक गतिविधि को अपर्याप्त माना जाएगा। ऐसे लोगों को योग और एक्सरसाइज पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। डब्लूएचओ की सिफारिश के मुताबिक, सभी वयस्कों के लिए हफ्ते में कम से कम 150 से 300 मिनट की मीडियम एरोबिक एक्टिविटी जरूरी है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि शारीरिक निष्क्रियता वाले वयस्कों में दिल की बीमारियों जैसे दिल का दौरा, स्ट्रोक, टाइप 2 शुगर, मनोभ्रंश और ब्रेस्ट और कोलन कैंसर का खतरा ज्यादा रहता है।

द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी जर्नल में प्रकाशित 2023 इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-इंडिया डायबिटीज के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 2021 में भारत में 101 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित थे और उसी वर्ष लगभग 315 मिलियन लोगों को हाई बीपी था। अध्ययन के अनुसार, इसके अलावा 254 मिलियन लोग मोटापे से ग्रस्त हैं तथा 185 मिलियन लोगों में एलडीएल या 'खराब' कोलेस्ट्रॉल का स्तर उच्च है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा शारीरिक निष्क्रियता एशिया-प्रशांत क्षेत्र (48 प्रतिशत) और दक्षिण एशिया (45 प्रतिशत) सामने आई है. अन्य क्षेत्रों में निष्क्रियता का स्तर पश्चिमी देशों में 28 प्रतिशत से लेकर 14 प्रतिशत तक है। रिसर्चर्स का अनुमान है कि यदि ऐसे ही हालात बने रहे तो वो दिन दूर नहीं जब वर्ष 2030 तक करीब 60 प्रतिशत एडल्ट फिजिकली अनफिट हो जाएंगे। रिसर्च में ये भी सामने आया है कि 60 साल की उम्र के महिलाएं और पुरुष शारीरिक गतिविधियों में कम एक्टिव हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2019 में ब्लूमबर्ग हेल्थ इंडेक्स के अनुसार विश्व के दस सबसे स्वस्थ देशों में क्रमशः स्पेन, इटली, आइसलैंड, जापान, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, नार्वे और इजरायल शामिल थे। ग्लोबल हेल्थ सेक्युरिटी इंडेक्स 2021 के अनुसार विश्व में सबसे ज्यादा स्वस्थ देशों में क्रमशः यूनाइटेड स्टेट्स, आस्ट्रेलिया, फिनलैंड, कनाडा, थाइलैंड, स्लोवेनिया,यूके, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और स्वीडन शामिल थे।

वास्तव में मनुष्य की स्वस्थता जीवन प्रत्याशा, अस्पतालों की गुणवत्ता, पर्यावरण, भोजन की पौष्टिकता-पौषकता, जीवनशैली आदि तथ्यों पर निर्भर करती है। अतः इन सब पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए। आज भारतीयों का ध्यान योगा, एक्सरसाइज, प्राणायाम, मेडिटेशन पर कम है, भले ही हम योग दिवस मना रहे हैं। हमने दुनिया को योग दिया, लेकिन वास्तव में जितना ध्यान हमें अपने स्वास्थ्य को लेकर देना चाहिए, उतना हम दे नहीं पा रहे हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 1948 के संविधान में स्वास्थ्य को 'पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है, न कि केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति के रूप में' आज हमारी जीवनशैली बदल चुकी है और इसने हमारे स्वास्थ्य को काफी हद तक प्रभावित किया है। यही कारण है कि आज विशेष रूप से हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह, मोटापा, चयापचय सिंड्रोम, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और कुछ प्रकार के कैंसर हो रहे हैं। हम हमारी फिजिकल फिटनेस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। भागम-भाग भरी जिंदगी में हमारे पास स्वयं के लिए समय नहीं बचा है। आज हमारा ध्यान स्क्रीन टाइम पर ज्यादा है बजाय एक्सरसाइज के। हालांकि, हमारे देश के प्रधानमंत्री ने साल 2019 में 29 अगस्त को इंदिरा गांधी स्टेडियम में 'फिट इंडिया कैंपेन' भी लॉन्च किया था।

नाराज संघ ने बदले वरिष्ठ प्रचारकों के कार्य क्षेत्र

अजय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन पर आधारित विषयों को लेकर समाज के बीच में उतरने का फैसला किया है। वहीं, शताब्दी वर्ष मनाने से पहले अपने जमीनी प्रचारकों की टीम को मजबूत करने का काम भी शुरू कर दिया है। इसके तहत उप्र में संघ के कई वरिष्ठ प्रचारकों के केंद्र में बदलाव किया गया है। लखनऊ में आयोजित संघ की चार दिवसीय बैठक के दूसरे दिन सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की मौजूदगी में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। वहीं, वरिष्ठ प्रचारकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव भी किए गए। सूत्रों के मुताबिक संघ की ओर से मंडल स्तर तक शाखा विस्तार का लक्ष्य पूरा नहीं होने के मद्देनजर यह बदलाव किया गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज कुमार का केंद्र अयोध्या से हटाकर गोरखपुर किया गया है। मनोज अवध और काशी प्रांत में भी सह प्रांत प्रचारक रह चुके हैं. इसी तरह अखिल भारतीय सह गो सेवा प्रमुख नवल किशोर का केंद्र प्रकृति भारती मोहनलालगंज लखनऊ में किया गया है। वह अभी गोरखपुर में थे। पूर्वी क्षेत्र के सेवा प्रमुख युद्धवीर को सुल्तानपुर से हटाकर सेवा भारती कार्यालय काशी, मुख्य मार्ग संपर्क प्रमुख राजेन्द्र सक्सेना का केंद्र काशी से लखनऊ और पर्यावरण प्रमुख अजय कुमार का केंद्र काशी किया गया है। पूर्वी क्षेत्र के प्रचारक प्रमुख राजेंद्र सिंह का केंद्र कानपुर से हटाकर भारती भवन लखनऊ किया गया है। लंबे समय से उनका केंद्र कानपुर था। बैठक में तय किया गया शताब्दी वर्ष में पूरे साल जमीन पर पंच परिवर्तन पर खास फोकस किया जाएगा। संघ के इन पांच आयामों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी व नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ कार्यकर्ता इन्हीं पांच विषयों को लेकर समाज के बीच जाएंगे और इसके तहत कार्य भी करेंगे। शताब्दी वर्ष के लिए तय कार्यक्रमों में वसुधैव कुटुम्बकम पर भी खास ध्यान रखने पर चर्चा हुई है। बैठक में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि गई समाज में परिवार की व्यवस्था बिखरती जा रही है। बदलते माहौल में संयुक्त परिवार अब एकल परिवार बनते जा रहे हैं, इसलिए सपिरवार सामूहिक भोजन, भजन, उत्सवों और तीर्थाटन का आयोजन, स्वदेशी का आग्रह, पारिवारिक व सामाजिक परंपराओं का संवर्धन व संरक्षण के प्रति लोगों जागरूक करने के कार्यक्रमों पर अधिक फोकस किए जाने का निश्चय लिया गया।

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

ललित गर्ग

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है।

16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है।

इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी।

सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है।

भगवान कल्कि कौन हैं और कलियुग में कहां लेंगे जन्म

कौन है भगवान कल्कि और कहां जन्म लेंगे

स्कंदपुराण के अनुसार कलियुग के आखिर में, जब पाप अपने चरम पर होगा, तब भगवान विष्णु कल्कि के रूप में अवतार लेंगे। यह समय कलयुग और सतयुग के बीच का संधिकाल होगा। कहा जाता है कि भगवान कल्कि 64 कलाओं में माहिर होंगे। कल्कि पुराण के अनुसार उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद जिले के सम्भल नामक स्थान पर विष्णुयशा नामक तपस्वी ब्राह्मण के घर भगवान कल्कि पुत्र रूप में जन्म लेंगे।

परशुराम होंगे कल्कि भगवान के गुरु

कल्कि भगवान, जो विष्णु जी के अवतार हैं, अपने गुरु परशुराम जी से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। परशुराम जी भी विष्णु जी के अवतार माने जाते हैं और उन्हें अमरता मिली हुई है। कल्कि भगवान, परशुराम जी के कहने पर भगवान शिव की तपस्या करेंगे। इस तपस्या से उन्हें दिव्य शक्तियां मिलेंगी जिनसे वे दुनिया से अधर्म का नाश करेंगे।

भगवान विष्णु का कल्कि अवतार कैसा होगा

स्कंद पुराण के दशम अध्याय में स्पष्ट वर्णित है कि कलियुग में भगवान श्रीविष्णु का अवतार श्रीकल्कि के रुप में सम्भल ग्राम में होगा। अग्नि पुराण के 16वेंअध्याय में कल्कि अवतार का चित्रण भी किया गया। इस चित्रण के अनुसार भगवान राम की तरह ही कल्कि अवतार ने हाथ में तीर-कमान धारण किया होगा और वे एक घोड़े पर सवार होकर आएंगे। कल्कि पुराण में उल्लेख मिलता है कि भगवान कल्कि हाथ में चमचमाती हुई तलवार लिए सफेद घोड़े पर सवार होकर पापियों का अंत करेंगे।

भगवान राम की तरह ही भगवान कल्कि के होंगे 4 भाई

भगवान विष्णु के दसवें अवतार, कल्कि, के बारे में कहा जाता है कि उनके भी चार भाई होंगे। ये भाई उनके साथ मिलकर धर्म की स्थापना में मदद करेंगे। उनके नाम होंगे सुमन्त, प्राज्ञ और कवि। अपने इन्हीं भाइयों के साथ मिलकर भगवान धर्म की स्थापना करेंगे।

वैष्णों देवी से विवाह करेंगे भगवान कल्कि

कल्कि भगवान, जो विष्णु जी के दसवें अवतार माने जाते हैं, उनकी पत्नी के बारे में उल्लेख किया गया कि वो देवी लक्ष्मी का ही एक रूप होंगी जिनका नाम 'पद्मा' होगा। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार माता वैष्णो देवी, जो भगवान राम से विवाह के लिए कई युगों से तपस्या कर रही हैं, उनकी तपस्या कल्कि भगवान ही पूर्ण करेंगे और उनसे विवाह करेंगे। स्कंदपुराण और कल्कि पुराण में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि माता वैष्णो देवी रामावतार के समय से ही तपस्या कर रही हैं।

परेशानियां हटाने के लिए शनिवार को करें ये उपाय

शनिवार का दिन न्याय के देवता भगवान शनि देव को समर्पित है। शनि देव हर व्यक्ति के कर्मों का हिसाब रखते हैं और उसके हिसाब से ही सबको फल भी देते हैं। शनि देव विलक्षण शक्तियों वाले देवता हैं। शनि देव की अशुभ स्थिति में व्यक्ति को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन जिन पर शनिदेव की कृपा बनती है उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

1. अगर आपको उन्नति के मार्ग में आये दिन मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है तो आज के दिन आपको स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनकर एक कच्चे सूत के धागे का गोला लेना चाहिए। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास जाना चाहिए और उसके तने पर सात बार वो कच्चा सूत लपेटना चाहिए। फिर दोनों हाथ जोड़कर शनिदेव का ध्यान करते हुए उनके मंत्र का जप करना चाहिए। मंत्र है- 'ऊँ ऐं श्रीं ह्रीं शनैश्चराय नमः।'

2. अगर आपके दांपत्य जीवन से खुशियां कहीं गायब हो गई हैं तो दांपत्य जीवन में फिर से खुशियां भरने के लिए आज के दिन आपको थोड़े-से काले तिल लेने चाहिए और पीपल के पेड़ के पास चढ़ाने चाहिए। साथ ही पीपल की जड़ में पानी चढ़ाना चाहिए और शनिदेव के इस मंत्र का जप करना चाहिए। मंत्र है- 'ऊँ श्रीं शं श्रीं शनैश्चराय नमः।'

3. अगर आप अपनी संतान को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजना चाहते हैं, लेकिन आपको किसी न किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो इस परेशानी से बाहर निकलने के लिए आज के दिन आपको शनि के मंत्र का 11 बार जप करना चाहिए। शनिदेव का मंत्र इस प्रकार है- 'ऊँ श्रीं ह्रीं शं शनैश्चराय नमः।'

4. अगर आपके घर को किसी की काली नजर लग गई है, जिससे आपके परिवार के सदस्यों की तरक्की नहीं हो पा रही हैं तो इसके लिए आज के दिन स्नान आदि के बाद आपको शनिदेव के इस मंत्र का 31 बार जप करना चाहिए। मंत्र है- 'ऊँ श्रीं शं श्रीं शनैश्चराय नमः। जप के बाद एक नीला फूल लेकर गंदे नाले में प्रवाहित कर दें।

5. अगर आपके जीवन में परेशानियों का अंत नहीं हो रहा है, एक के बाद एक परेशानियां आती जा रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने के लिए आज के दिन आपको एक कटोरी में सरसों का तेल लेकर और उसको अपने सामने रखकर, उस पर शनिदेव के तंत्रोक्त मंत्र का जप करना चाहिए। मंत्र है- 'ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।' कटोरी में रखे सरसों के तेल पर कम से कम 11 बार इस मंत्र का जप करना है और जप के बाद उस कटोरी को ढक्कर एक तरफ रख दें। कटोरी में रखे इस तेल का उपयोग आपको शनिवार के दिन करना है। आज शनिवार के दिन आपको इस तेल का दीपक पीपल के पेड़ के नीचे जलाना है।

6. अगर आप पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में मजबूत बने रहना चाहते हैं तो इसके लिए आज के दिन आपको शनिदेव के इस मंत्र का जप करना चाहिए। मंत्र इस प्रकार है- 'ऊँ ऐं शं ह्रीं शनैश्चराय नमः।' आपको इस मंत्र का 21 बार जप करना चाहिए और जप के वक्त हाथ में काले तिल लेकर रखने चाहिए। जब जप पूरा हो जाये तो उन तिलों को अपने पास संभालकर रख लें और आज शनिवार के दिन उन्हें पीपल के पेड़ के नीचे रख आयें।

7. अगर आपको पैतृक जमीन जायदाद से संबंधी किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो उस परेशानी से बाहर निकलने के लिए आज के दिन आपको आटे का दीपक बनाना चाहिए और उसमें सरसों का तेल डालकर, बाती लगाकर शनिदेव के आगे जलाना चाहिए।

8. अगर आपको किसी सरकारी दफ्तर में कोई अर्जी डालनी है और आपको उससे संबंधित कार्यों में परेशानी आ रही हैं तो इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आज के दिन आपको शनि स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। आज के दिन आप किसी भी वक्त शनि स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पाठ करते समय अपना मुंह पश्चिम दिशा की तरफ रखना है क्योंकि पश्चिम दिशा शनि की दिशा है।

9. अगर आपको अपने जीवन में हर काम के लिए बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ता है या बहुत मेहनत करने के बाद ही आपको कोई सफलता मिल पाती है तो आज के दिन आपको एक मुट्ठी काले तिल लेने चाहिए और बहते जल में प्रवाहित करना चाहिए। साथ ही शनिदेव का ध्यान करते हुए प्रार्थना करनी चाहिए।

10. अगर आप समाज में यश और सम्मान पाना चाहते हैं तो इसके लिए आज के दिन आपको स्नान आदि के बाद साफ कपड़े पहनने चाहिए और फिर शनिदेव के मंत्र का 51 बार जप करना चाहिए। शनिदेव का मंत्र इस प्रकार है- ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।

काला धागा बहुत सोच समझकर पहनें इन 4 राशियों के लोग

मेष राशि

आपकी राशि का स्वामी ग्रह मंगल है। वहीं काला धागा शनि और राहु से संबंधित है। ज्योतिष में शनि और मंगल के बीच अच्छे संबंध नहीं बताए गए हैं। ऐसे में अगर आप काला धागा पहनते हैं तो मंगल ग्रह की शक्ति को आप कम कर देते हैं। यानि आपने अपनी राशि के स्वामी के बल को ही कम कर दिया। मंगल का प्रभाव कम होते ही आपके जीवन पर शनि और मंगल अपना प्रभाव दिखाने लगते हैं, जीवन में कई तरह की अड़चनों का सामना आपको करना पड़ सकता है। भाग्य आपका साथ देना छोड़ देता है। इसलिए बिना सलाह के आपको काला धागा नहीं पहनना चाहिए।

कर्क राशि

कर्क के स्वामी ग्रह चंद्रमा और शनि, राहु के बीच भी शत्रुता का भाव है। इसलिए कर्क राशि के लोगों को भी काला धागा पहनने से नुकसान हो सकते हैं। इसके कारण

चंद्रमा का बल कमजोर होता है और मानसिक परेशानियां आपके जीवन में आ सकती हैं। साथ ही शनि के प्रभाव के कारण आसानी से होने वाले काम भी अटक सकते हैं। करियर और कारोबार में भी दिक्कतों का सामना आपको करना पड़ सकता है। इसलिए योग्य ज्योतिष से सलाह करने के बाद ही काला धागा पहनें।

सिंह राशि

सूर्य और शनि यूं तो पिता पुत्र हैं लेकिन ज्योतिष में इन्हें भी शत्रु माना जाता है। इसलिए सूर्य की राशि सिंह वालों को भी शनि से संबंधित काला धागा पहनने से मना किया जाता है। हां, कुंडली में ग्रहों की कुछ विशेष स्थितियों के दौरान इस राशि के जातक काला धागा पहन सकते हैं। अगर ये बिना विचारे काला धागा धारण करते हैं तो इनके आत्मविश्वास में कमी आती है, सूर्य के कमजोर होने से किस्मत का भी इनको सहयोग प्राप्त नहीं होता। साथ ही इसकी वजह से पिता के साथ भी आपके मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि

इस राशि के स्वामी ग्रह भी मंगल हैं, इसलिए वृश्चिक राशि के लोगों को भी काला धागा पहनने से परहेज करना चाहिए। अगर ये बिना विचारे काला धागा पहन लेते हैं तो धन से जुड़ी दिक्कतें इनको आ सकती हैं। समाजिक स्तर पर ये खुद को अलग-थलग पा सकते हैं। शौकिया तौर पर तो काला धागा आपको कभी भी नहीं बांधना चाहिए, इससे आपकी मानसिक स्थिति भी खराब हो सकती है।

पूजा करते समय कलाई पर लाल धागा क्यों बांधते हैं

किसी भी देवी-देवता की पूजा हो या कोई भी धर्म-कर्म हो, शुरुआत में भक्तों की कलाई पर कलावा यानी लाल धागा बांधने की परंपरा है। इसे मौली भी कहते हैं। माना जाता है कि लाल धागा बांधने से भक्तों की पूजा सफल होती है और मनोकामनाएं जल्दी पूरी होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

पुरुषों के दाहिने हाथ की कलाई पर और विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ की कलाई पर कलावा बांधा जाता है। ये धागा विचारों में पवित्रता बढ़ता है और नकारात्मकता दूर करता है। कलाई पर जिस जगह कलावा बांधा जाता है, उसी जगह से आयुर्वेद के वैद्य नस की जांच करके बीमारियों का पता लगाते हैं। इस जगह पर धागा बांधने से नसों पर दबाव पड़ता है, जिससे हमारे शरीर में वात-पित्त और कफ नियंत्रित रहते हैं। ऐसी मान्यता है।

ऐसे शुरू हुई मौली बांधने की परंपरा

मौली, कलावा के साथ ही इस धागे को रक्षासूत्र भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता है कि दानवों के राजा दानवीर बलि ने वामन देव की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा था, इसके बाद ही वामन देव असुरराज बलि से प्रसन्न हो गए थे। प्रसन्न होकर भगवान से बलि से वर मांगने के लिए कहा तो बलि ने भगवान से पाताल लोक में रहने का वर मांग लिया था। इसके बाद भगवान विष्णु बलि के पाताल लोक में रहने लगे। तब देवी लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा था। इसके बाद से बलि ने लक्ष्मी जी से कुछ मांगने के लिए कहा तो देवी ने विष्णु जी को बलि के यहां से मुक्त करवा लिया। इस पौराणिक कथा के बाद से ही कलावा बांधने की परंपरा शुरू हुई है।

मौली बंधवाते समय ध्यान रखें ये बातें?

अविवाहित लड़कियों के दाएं हाथ की कलाई पर और विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ की कलाई पर पूजा का धागा बांधा जाता है। इस संबंध में माना जाता है कि विवाह के बाद महिलाएं अपने पति की वामंगी हो जाती हैं, यानि पुरुष का वाम (बायां) अंग हो जाती हैं। इस वजह से महिलाएं के वाम यानी बाएं हाथ की कलाई पर धागा बांधते हैं।

पूजा में धागा बंधवाते समय भक्त को अपनी मुट्ठी में चावल रखना चाहिए और मुट्ठी बंद कर लेनी चाहिए। धागा बंधने के बाद हथेली से चावल सिर से पीछे की ओर छोड़ देना चाहिए।

धागा बंधवाते समय अपना दूसरा हाथ सिर पर रख लेना चाहिए।

धागा बांधते समय इस मंत्र का जप करें- येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वां अभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।

22 जुलाई तक रहेगा आषाढ़ मास

इस महीने की मान्यता - दिन में एक बार खाना खाने और सूर्य को जल चढ़ाने से बढ़ती है उम्र

हिंदू कैलेंडर के चौथा महीना 21 जून से शुरू हुआ और 22 जुलाई तक रहेगा। इस महीने से ही बारिश का मौसम शुरू हो जाता है। हिंदू पंचांग में सभी महीनों के नाम नक्षत्रों पर आधारित हैं। हर महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उस महीने का नाम उसी नक्षत्र पर रखा गया है।

आषाढ़ नाम भी पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्रों पर रखा गया हैं। आषाढ़ महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा इन्हीं दो में से किसी नक्षत्र में रहता है, इसलिए प्राचीन ज्योतिषियों ने इस महीने का नाम आषाढ़ रखा है। पूर्णिमा के दिन उत्तराषाढ़ा नक्षत्र हो तो ये बहुत ही शुभ और पुण्य फलदायी संयोग माना जाता है। इस संयोग में दस विश्वदेवों की पूजा की जाती है।

इस महीने के देवता सूर्य और भगवान विष्णु के अवतार वामन है, इसलिए आषाढ़ महीने में इनकी ही पूजा और व्रत करने का महत्व बताया गया है। इस महीने में भगवान वामन और सूर्य की उपासना के दौरान कुछ नियमों को

समस्याओं को कम करना चाहते हैं तो दो बातें ध्यान रखें। पहली, जब गुस्सा आए तो बोलने से पहले कुछ देर रुक जाना चाहिए। दूसरी, जब कोई गलती हो जाए तो थोड़ा झुक जाना चाहिए।

भी ध्यान में रखना चाहिए। इन नियमों में रविवार को भोजन में नमक का उपयोग नहीं करना चाहिए। इस महीने ज्यादा मसालेदार खाने से भी बचना चाहिए। ब्रह्मचर्य के नियमों का पालना चाहिए। तामसिक चीजों और हर तरह के नशे से भी दूर रहना चाहिए। आषाढ़ महीने में सूर्योदय से पहले उठकर नहाने का बहुत महत्व है। इस महीने में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान की मदद से उर्जाओं को नियंत्रित कर के खुद को नीरोग रखा जा सकता है।

स्कंद पुराण के मुताबिक क्या करें

स्कंद पुराण के अनुसार आषाढ़ महीने में एकभुक्त व्रत करना चाहिए। यानी एक समय ही भोजन करना चाहिए। इसके साथ ही संत और ब्राह्मणों को खड़ाऊ (लकड़ी की चरण पादुका) छाता, नमक तथा आंवले का दान करना चाहिए। इस दान से भगवान वामन प्रसन्न होते हैं। इसके साथ ही लाल कपड़े में गेहूं, लाल चंदन, गुड़ और तांबे के बर्तन का दान करने से सूर्य देवता प्रसन्न होते हैं।

तिजोरी में रखें ये चीजें, हीरे मोती और नोटों की गड्डियों से भरी रहेगी

पैसों को सुरक्षित रखने के लिए आमतौर पर हर घर और दुकान में तिजोरी या कोई लॉकर जरुर होता है। ज्योतिष शास्त्र में तिजोरी से संबंधित कई उपाय बताए गए हैं।

मान्यता है कि तिजोरी में पैसों के अलावा कुछ खास चीजें रखने से धन की कभी कमी नहीं होती। घर धन-धान्य से भरा रहता है। व्यक्ति हर भौतिक सुख प्राप्त करता है। मां लक्ष्मी घर में निवास करती है। जानें तिजोरी में कौन सी चीजें रखने से धन लाभ मिलता है।

धन लाभ के लिए तिजोरी में क्या रखें

पीपल पत्ता - धन की समस्या से गुजर रहे हैं तो ऐसे में एक पीपल के पत्ते पर लाल सिंदूर से ॐ लिखें। इसके बाद उसे तिजोरी में रख दें। ये उपाय पांच शनिवार तक करें। मान्यता है इससे दरिद्रता दूर होने लगती है। धन संकट खत्म होता है। पीपल में विष्णु जी का वास माना गया है।

पूजा की सुपारी- हिंदू धर्म में पूजा की सुपारी को गौरी-गणेश का रूप मानकर उसकी पूजा की जाती है। कहते हैं लक्ष्मी, गणेश जी की उपासना के दौरान सुपारी की पूजा करें और फिर उस सुपारी को तिजोरी में रखें। मान्यता है कि जहां गणपति जी निवास करते हैं वहां मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

हल्दी गांठ - सनातन धर्म में हल्दी का प्रयोग शुभ और मांगलिक कार्यों में किया जाता है। माना जाता है कि तिजोरी में हल्दी की गांठ को पीले कपड़े में बाधकर रखना शुभ होता है। इससे घर में धन की कभी कमी नहीं होती है। सुख के साथ समृद्धि भी आती है।

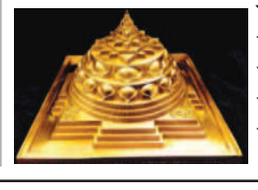

यंत्र स्थापना - घर में ऐश्वर्य वृद्धि यंत्र या धनदा यंत्र की स्थापना कर इसे तिजोरी में रखने से धन की आवक बढ़ती है। बरकत का वास होता है। कुबेर की कृपा हमेशा बनी रहती है।

अदा खान ने बताई टीवी इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई बोलीं- उम्र हमेशा से बड़ा मुद्दा रहा है

तकरीबन डेढ़ दशक से छोटे पर्दे के दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब अदा खान ने टेलिविजन पर कई भूमिकाएं की हैं, मगर 'नागिन' की शेषा की भूमिका ने उन्हें एक अलग तरह की शोहरत दिलाई है। कुछ अरसा पहले वे वेब सीरीज 'रात्रि के यात्री' के सीजन 2 में भी नजर आईं थीं। मगर इन दिनों अदा भूमिकाओं को लेकर चूजी हो गई हैं। उनका कहना है, 'मनोरंजन जगत काफी विकसित और बदल गया है। आज टीवी और फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी के कई प्लैटफॉर्म आ गए हैं, मगर इन विभिन्न प्लैटफॉर्म्स के कारण कॉम्पटीशन बढ़ गया है। यहां तक कि टीवी उद्योग ने भी काफी प्रगति की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कई गुना बढ़ गई है। ऐसे में सही भूमिकाएं ढूंढना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है और खास तौर पर ऐसी भूमिकाएं जो आप करना चाहते हैं। फिर ये भी तो देखने वाली बात है कि रोजाना हमारी फील्ड में नए चेहरे आ रहे हैं। यह सच है कि मेरे फैंस मुझे पर्दे पर ज्यादा से ज्यादा देखना चाहते हैं और मुझे यकीन है कि जल्द मुझे अपनी ऐसी पसंदीदा भूमिका मिलेगी, जिससे मेरे फैंस भी खुश हो पाएंगे। मगर तब तक तो इंतजार करना पड़ेगा।'

करीना, काजोल रूपाली ने उम्र का बंधन तोड़ा है

मनोरंजन जगत में अभिनेत्रियों की उम्र हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रही है। क्या उन्हें भी इंडस्ट्री में व्याप्त एज फैक्टर का सामना करना पड़ा है? इस पर वे कहती हैं, 'एज फैक्टर हर पेशे की सचाई है और हमारे प्रोफेशन में ये सच कुछ ज्यादा कठोर होता है, मगर लेकिन माधुरी दीक्षित, करीना कपूर, सुष्मिता सेन, काजोल सरीखी अभिनेत्रियों को परफेक्ट रोल मिल रहे हैं और यहां तक कि टीवी पर भी रूपाली गांगुली जैसी अभिनेत्रियां अच्छा काम कर रही हैं, तो एक तरह से इन अभिनेत्रियों ने उम्र के बंधन को तोड़ा है, मगर मुझे लगता है कि आपको सही सक्रिप्ट की जरूरत है और निश्चित रूप से अभिनेत्रियों के लिए ऐसी सक्रिप्ट कम हैं, जो उनके प्रोफाइल से मेल खाती हो। हर कोई उम्र और अनुभव के साथ बड़ा होता है। इसलिए किसी को भी शालीनता से उम्र बढ़ानी चाहिए।'

वही करती हूं, जो दिल करता है

जिंदगी से मिली सीख और अफसोस को लेकर वे ईमानदारी से कहती हैं, 'मेरी सबसे बड़ी सीख यह है कि हमें निजी और प्रोफेशनल जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। साथ ही, सोशल मीडिया ने हमारे सोचने, महसूस करने और जीने के तरीके को बदल दिया है। और अवसर बहुत हैं, फिर भी संदर्भ मायने रखता है। मुझे इस बात का कोई अफसोस नहीं है, लेकिन कई बार सोचने पर मुझे लगता है कि मैं बेहतर अवसरों की हकदार हूं और मुझे यह भी लगता है कि मेरे पास बेटर नेटवर्किंग स्किल होनी चाहिए, जिसकी मुझमें कमी है। मैं काम को लेकर जुनूनी हूं और अपने काम से काम रखती हूं। मैं शायद ही किसी पार्टी में जाती हूं और मैं बहुत कम सामाजिक हूं। मुझे लगता है कि मुझे और अधिक सोशल होना चाहिए था। हालांकि मुझे जिंदगी से कोई शिकायत नहीं। मैं वही करती हूं, जो मेरा दिल कहता है।

अपना स्क्रीन टाइम कम करने का जुगाड़ करती हूं

सोशल मीडिया की जरूरत को लेकर भी अदा का अपना नजरिया है। वे कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि आज सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का अहम पहलू बन गया है। कई बार मैं भी इससे उकता जाती हूं, मगर कलाकार होने के नाते में इससे पीछा नहीं छुड़ा पाती। एक तरह से यह हमें हमारे फैंस से जोड़ कर रखता है और हमें इस मीडियम में अपना काम दर्शाने का मौका मिलता है। इसके बावजूद जो लोग अपने स्क्रीन टाइम के साथ संतुलन साध पाते हैं, मैं उनकी तारीफ करना चाहूंगी। कभी -कभी मुझे लगता है कि हम फोन के एडिक्ट हो चुके हैं। फोन के बगैर हमारा गुजारा नहीं होता। हम लोग हर चीज के लिए फोन पर निर्भर रहने लगे हैं। मैं तो जब अपने परिवार या दोस्तों के साथ रहती हूं, तो फोन साइड में रख देती हूं। कई बार इस वर्चुअल दुनिया से दूर होने के लिए मैं घूमने निकल जाती हूं। मुझे ऐसी जगहों पर जाना पसंद है, जहां नेटवर्क न हो और मैं फोन से डिस्कनेक्ट होकर अपने साथ वक्त बिता सकूं।'

एक्ट्रेस हिना खान को स्टेज 3 कैंसर...कहा- 'कृपया अपनी प्रार्थनाएं और आशीर्वाद भेजें'

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जुझ रही है। इसकी पुष्टि उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर दी। उन्हें स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। शुक्रवार को, अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों के साथ दिल दहला देने वाली खबर साझा की। उन्होंने साझा किया कि उनका इलाज पहले ही शुरू हो चुका है और उन्होंने सभी को आश्वासन दिया कि वह ₹अच्छा कर रही हैं₹। हिना ने आगे बताया कि वह मजबूत होकर उभरेंगी क्योंकि उन्होंने अपने फैंस से उनके लिए प्रार्थना करने को भी कहा।

हिना ने लिखा, "सभी को नमस्कार, हालिया अफवाह को संबोधित करने के लिए, मैं सभी हिनाहोलिक्स और उन सभी के साथ कुछ महत्वपूर्ण समाचार साझा करना चाहती हूं जो मुझे प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं। मुझे स्टेज तीन के स्तन कैंसर का पता चला है। इस चुनौतीपूर्ण निदान के बावजूद, मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं अच्छा कर रही हूं। मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ और पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मेरा इलाज पहले ही शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उभरने के लिए हर जरूरी कदम उठाने को तैयार हूं।

उन्होंने लिखा "मैं इस समय के दौरान आपका सम्मान और पहले की प्रार्थना करती हूँ। मैं आपके प्यार, शक्ति और आशीर्वाद की गहराई से सराहना करती हूं। जब मैं इस यात्रा पर आगे बढ़ूंगी तो आपके व्यक्तिगत अनुभव, उपाख्यान और सहायक सुझाव मेरे लिए बहुत मायने रखेंगे। मैं, अपने परिवार और प्रियजनों के साथ, केंद्रित, दृढ़ और सकारात्मक रहती हूं। हमें विश्वास है कि ईश्वर की कृपा से मैं इस चुनौती से पार पा लूंगी और पूरी तरह स्वस्थ हो जाऊंगी। कृपया अपनी प्रार्थनाएं, आशीर्वाद और प्यार भेजें।"

हिना के पूर्व ये रिश्ता क्या कहलाता है के सह-कलाकार रोहन मेहरा ने भी लिखा, "अरे नहीं। हिना दी कृपया अपना ख्याल रखें। यथाशीघ्र आपसे मिलने आ रहा हूँ। आमिर अली ने भी हिना को ₹मजबूत₹ कहा और कहा, ₹मैं किसी भी समय बस एक कॉल की दूरी पर हूं।₹ श्रद्धा आर्या ने भी टिप्पणी की, "हम सभी आशा और प्रार्थना करते हैं कि आप जल्द ही इस कठिन दौर से बाहर निकलें... दूसरी तरफ आपको स्वस्थ, खुश, मजबूत और अधिक शक्तिशाली देखना चाहते हैं।

उर्मिला मातोंडकर ने रुलाया तो तपती गर्मी में अमला पॉल ने वैनिटी से निकाल दिया

उर्मिला मातोंडकर को जब 'रंगीला' में कास्ट किया गया था, तब वह स्टार नहीं बनी थीं। तब तक वह कुछ सालों तक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी थीं और उन्होंने बड़ी होने पर भी कुछ फिल्मों में काम किया था, लेकिन राम गोपाल वर्मा की 'रंगीला' के बाद ही उर्मिला को पहचान मिली थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में, एक हेयर स्टाइलिस्ट जिसने उनके साथ काम किया है, उसने 'रंगीला' के दौरान के अपने अनुभव के बारे में बात की। हेयर स्टाइलिस्ट नंदा ने एक घटना को याद किया जब उर्मिला ने उन्हें रुला दिया था।

नंदा ने बताया कि उन्होंने बोरीवली नेशनल पार्क में 'रंगीला' के फोटोशूट के लिए उर्मिला के साथ काम किया था। नंदा ने बताया कि वह उन दिनों मारिया नाम की एक अन्य हेयर स्टाइलिस्ट की सहायता करती थीं। मगर आज पर खुद का काम कर रही हैं। उन्होंने याद करते हुए बताया, 'उर्मिला ने पूछा मारिया कहां है? मैंने कहा दीदी शूट के लिए गई हैं। उन्हें तुरंत जाना था। तो उन्होंने पूछा क्या यह शूट नहीं हो रहा है? क्या ये काम नहीं है? तो मैंने कहा मुझे कुछ नहीं पता। दीदी ने मुझे भेजा है।'

उर्मिला मांतोडकर के बारे में हेयर स्टाइलिस्ट का खुलासा

नंदा ने याद किया कि जब उन्होंने उर्मिला के बालों पर काम करना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने उनकी गलतियों को गिनाना शुरू कर दिया कि हेयर स्टाइलिस्ट आखिरकार रोने लगी। 'वह लगातार गलतियां बताती रहती थीं क्योंकि वह मारिया के साथ काम करना चाहती थीं। वह मुझे असिस्टेंट के रूप में काम करने दे सकती थीं लेकिन उन्हें यह पसंद नहीं था कि मैं उनके बालों पर अकेले काम करूं। मैं बस आंखों से आँसू बहाते हुए खड़ी रहती थी, लेकिन मैं उनके सामने कभी नहीं रोई। वह केवल मारिया के साथ काम करना चाहती थी।'

अमला पॉल के बारे में भी सुनाया किस्सा

उन्होंने आगे अमला पॉल के बारे में भी बताया, 'एक बार मैं चेन्नई में अमाला पॉल के साथ शूट पर गई थी। मैं उन्हें सीधे तौर पर नहीं जानती थी, मैं अपने एक दोस्त के जरिए गई थी। जब हम अप्रैल या मई के आसपास शूट के लिए गए थे, तब काफी गर्मी थी। बहुत गर्मी थी और लोकेशन पर छाया के लिए एक भी पेड़ नहीं था, इसलिए हम वैनिटी वैन के अंदर चले गए। वैन में दो हिस्से हैं, एक जहाँ कलाकार बैठते हैं और दूसरा जहाँ टेक्नीशियन होते हैं। इसलिए जब हम अंदर आकर बैठे, तो अमाला ने अपने मैनेजर से कहा कि वह हमें बाहर जाने के लिए कहे। एक्ट्रेस ने मैनेजर के जरिए कहा- उन्हें बताएं कि उन्हें वैनिटी वैन में बैठने की अनुमति नहीं है। इसलिए जब मैनेजर ने हमें यह बताया, तो मेकअप मैन और मैं एक-दूसरे के चेहरे को देखने लगे। हम सोच रहे थे कि इतने गर्म मौसम में हम कहां जाएं?' फिर भी, हमें वैन से बाहर निकलना पड़ा।'

आशा भोसले की बायोग्राफी लॉन्च पर सोनू निगम ने धोए गायिका के चरण, हुए भावुक

आज शुक्रवार को मशहूर गायिका आशा भोसले की बायोग्राफी 'स्वरस्वामिनी' लॉन्च की गई। इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत उपस्थित रहे। उनके अलावा सोनू निगम, आशाताई की पोती जनाई भोसले भी मौजूद रहीं।

आशा भोसले की बायोग्राफी की लॉन्चिंग पर अभिनेता जॉकी श्रॉफ भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आशा भोसले के पैर छूकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अभिनेता ने खास अवसर पर गायिका को गमला भेट किया। गायक सोनू निगम भी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। माथे पर तिलक लगाए, पीले रंग के कुर्ते पाजामे में सोनू निगम ने शिरकत की।

सामंथा के साथ स्क्रीन साझा करेंगे आदित्य

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर जल्द ही राज और डीके की अगली वेब सीरीज में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेब सीरीज का नाम 'रक्तबीज' रखा गया है। इसके लिए आदित्य को ऑफर मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन सीरीज में आदित्य के साथ सामंथा रूथ प्रभु भी मुख्य भूमिका में होंगी। 'द नाइट मैनेजर' के बाद आदित्य रॉय कपूर का ओटीटी के लिए दूसरा प्रोजेक्ट है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि आदित्य ने मई में ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। इसके तुरंत बाद निर्माताओं ने सामंथा को भी इस सीरीज में शामिल कर लिया था। दोनों कलाकारों ने सीरीज के लिए अपनी-अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। जल्द ही दोनों इस एक्शन सीरीज के लिए साथ में भी ट्रेनिंग लेंगें। खबर के मुताबिक, राज और डीके की जोड़ी फिलहाल फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद ये निर्देशक जोड़ी इस साल अगस्त तक 'रक्तबीज' को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं।

निर्देशक जोड़ी ने नहीं की पुष्टि

हालांकि, निर्देशक जोड़ी या दोनों कलाकारों की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है। राज और डीके की फैमिली मैन में भी सामंथा रूथ प्रभु नजर आई थीं। इसके बाद वह अब अभिनेता वरुण धवन के साथ 'सिटाडेलः हनी बनी' में भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस सीरीज को एक जासूसी एक्शन थ्रिलर के दिल दहला देने वाले तत्वों को एक प्रेम कहानी के साथ दिखाया गया है। ये 90 के दशक की जीवंत टेपेस्ट्री पर आधारित है। दर्शकों को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिटाडेल का हिस्सा बनकर खुश हैं सामंथा

सामंथा रूथ प्रभु ने इस सीरीज को लेकर एक इवेंट में कहा था, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक्शन करूंगी। ये मेरे लिए बड़ी जीत है। मुझे नहीं लगा कि मैं सिटाडेल का हिस्सा बनूंगी। मैं राज, डीके, सीता और अमेजन की बहुत आभारी हूं।'

वहीं, आदित्य रॉय कपूर अगली बार 'मेट्रो इन डिनो' में नजर आएंगे, जो 'लाइफ इन ए मेट्रो' का सीक्वल होगी। इसमें आदित्य के साथ सारा अली खान नजर आएंगी।

माधुरी दीक्षित ने उस पाकिस्तानी से मिलाया हाथ जिसे भारत ने किया है ब्लैकलिस्ट, एक्ट्रेस को मिल रही फैंस की नफरत

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित को ह्यूस्टन स्थित पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर रेहान सिद्दीकी के साथ सहयोग करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कथित तौर पर आईएसआई से संबंध हैं और भारत सरकार ने उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। शुक्रवार को सुनंदा वशिष्ठ ने माधुरी और रेहान के इवेंट के पोस्टर की एक तस्वीर शेयर की, जो ह्यूस्टन, टेक्सास में स्वतंत्रता दिवस के ठीक एक दिन बाद अगस्त 2024 में होगा।

ट्विटर पर उन्होंने रेहान के साथ मिलकर काम करने के लिए Madhuri Dixit की आलोचना की और एक्ट्रेस से इसे नहीं करने का निवेदन किया। उन्होंने भाजपा मंत्री किशन रेड्डी का चार साल पुराना लेटर भी शेयर किया। इसमें में कहा गया है कि रेहान को भारत सरकार ने 'ब्लैकलिस्ट' कर दिया है।

माधुरी दीक्षित को मिल रही नफरत

सुनंदा ने लिखा, 'यह देखकर हैरान हूं कि @माधुरी दीक्षित ने पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर के साथ सहयोग किया है, जो भारतीय एजेंसियों के रडार पर है और भारत सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। गृह राज्यमंत्री के रूप में मंत्री

@किशनरेड्डीबीजेपी ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि ह्यूस्टन स्थित पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर रेहान सिद्दीकी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों से उनके साथ काम न करने का अनुरोध किया है।'

पाकिस्तानी प्रमोटर से सहयोग करने पर माधुरी दीक्षित ट्रोल

उन्होंने आगे कहा, 'क्या उनके पास पाकिस्तानी मूल के प्रमोटर के साथ काम करने का कोई अच्छा कारण है, जिस पर आईएसआई से संबंध रखने का आरोप है और जिसे भारत सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है? क्या माधुरी दीक्षित के दोस्त, परिवार और फैंस उन्हें इस आदमी के इतिहास के बारे में बता सकते हैं। और उन्हें मना करें? यह हमारे सुरक्षा बलों और उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए बहुत हतोत्साहित करने वाला है जिन्होंने भारतीय सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए अपना जीवन लगा दिया है। मुझे उम्मीद है कि माधुरी दीक्षित को इसे नहीं करने की समझ होगी।'

हर कोई कर रहा थू-थू

पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने लिखा, 'माना कि फिल्मों से कोई पैसा नहीं है, लेकिन रियलिटी शो की कमाई पर्याप्त नहीं है...पति डॉक्टर...ऐसा लगता है कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए सब कम पड़ रहा है।' एक ने लिखा, 'माधुरी दीक्षित ने सच में निराश किया है। मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोग भरोसे के लायक नहीं हैं, लेकिन मेरे मन में उनके लिए सम्मान था। मैं अब इस बात से काफी आश्वस्त हूं कि वे सभी एक जैसे हैं।'

लोगों में है गुस्सा

एक ने लिखा, 'मैं अपने पूरे जीवन में माधुरी का बहुत बड़ा फैन रहा हूं... लेकिन किसी भी कीमत पर पैसा कमाने की इस बेताबी को नहीं समझ सकता। एक्टर्स को दोष नहीं दे सकता। समझना चाहता हूं कि उनके मैनेजर और सलाहकार क्या करते हैं... उन्हें किस चीज के लिए पैसे मिलते हैं?'

लास्ट बेंच पर बैठी जिस लड़की को दे बैठे दिल, वो निकली खलनायक प्रेम चोपड़ा की बेटी, फिर कैसे हुई शादी !

एक्टर शरमन जोशी को किसी परिचय की जरूरत नहीं है क्योंकि वह बॉलीवुड के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। 'गोलमाल', 'रंग दे बसंती' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों में काम के साथ, शरमन ने एक्टिंग में अपनी योग्यता साबित की है। मराठी परिवार में जन्मे शरमन 28 जून को अपना बर्थडे मना रहे हैं। उनके बारे में हम कुछ मजेदार खुलासे करने जा रहे हैं।

उनके पिता अरविंद जोशी जाने-माने गुजराती थिएटर आर्टिस्ट हैं। उनकी बहन मानसी जोशी एक लोकप्रिय टीवी और फिल्म एक्ट्रेस हैं और उनके जीजा रोहित रॉय भी एक फेमस एक्टर हैं। शरमन ने बॉलीवुड के मशहूर विलन प्रेम चोपड़ा की बेटी प्रेरणा चोपड़ा से शादी की है। शरमन और प्रेरणा की प्यार की कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं है और आपका दिल जरूर पिघला देगी। आइए एक नजर डालते हैं उनकी खूबसूरत प्रेम कहानी पर।

शरमन और प्रेरणा पहली बार एक-दूसरे से तब मिले थे जब वे कॉलेज में थे। उन्होंने एक इमोशन महसूस किया और उन्हें प्यार हो गया। वे तुरंत दोस्त बन गए और समय के साथ उनका रिश्ता बढ़ता

गया। जिस चीज ने शरमन को प्रेरणा की ओर आकर्षित किया था, वह थी उसकी विनम्रता। बॉलीवुड के सबसे बड़े विलन में से एक की बेटी होने के बावजूद, प्रेरणा ने कभी भी फेम को हावी नहीं होने दिया।

शरमन जोशी ने 2000 में अपनी कॉलेज की गर्लफ्रेंड प्रेरणा चोपड़ा से शादी की। लेकिन शादी से पहले शरमन डर गए थे कि प्रेम चोपड़ा इस पर कैसे रिएक्ट करेंगे।

शरमन एक मंझे हुए कलाकार थे और थिएटर में अच्छी तरह से रचे-बसे थे, उसी वक्त प्रेरणा के साथ उनका रिश्ता शादी की ओर बढ़ा। पॉडकास्ट 'टाइमआउट विद अंकित' के दौरान, शरमन ने अपने कॉलेज के पहले दिन प्रेरणा को नोटिस करते हुए कहा, 'जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मैंने अपने दोस्त से पूछा कि आखिरी बेंच पर बैठी यह लड़की कौन है?'

शरमन ने शेयर किया कि जब उनके दोस्त ने उन्हें प्रेरणा के प्रेम चोपड़ा की बेटी होने के बारे में बताया, तो वह तुरंत घूम गए और कैंटीन में चले गए। हैरानी की बात यह है कि यह प्रेम चोपड़ा नहीं थे जिन्होंने शरमन और प्रेरणा के लिए कोई परेशानी पैदा की बल्कि कोई और था। उन्होंने बताया- मैं इस बात को लेकर बहुत चिंतित था कि उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी होगी लेकिन मां पिता की तुलना में अधिक स्ट्रिक्ट थीं। वो तो बहुत प्यारे हैं। शरमन ने आगे बताया- उनकी चिंता सही थी। अगर मैं उनकी जगह पर होता तो मुझे भी अपनी बेटी की चिंता होती। जब आप एक्टर बनना चाहते हैं, तो संभावना कम होती है, खासकर उन दिनों में। टेलीविजन आज जितना बड़ा नहीं था और ओटीटी भी नहीं था। इसलिए, इसमें सफल होने की संभावना बहुत कम थी। शरमन ने अपने करियर के बारे में प्रेम चोपड़ा के साथ हुई बातचीत को याद किया जब एक्टर ने उनके बैकअप प्लान के बारे में पूछा था। शरमन ने कहा- फिर उन्होंने पूछा कि अगर एक्टर नहीं बन पाए, तो मैंने बोल दिया कि तो 'असफल एक्टर बनूंगा'।

रोहित 49 जीत के साथ टी-20 के सबसे सफल कप्तान

इस फॉर्मेट में उनके नाम सबसे ज्यादा चौके, कोहली सबसे ज्यादा सिंगल डिजिट पर आउट

भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इंडिया ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 68 रनों से हराया। इसी के साथ रोहित शर्मा 49 मैच जीतकर दुनिया के सबसे सफल टी-20 कप्तान बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम (48 जीत) को पीछे छोड़ा।

गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में गुरुवार को भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन का स्कोर बनाया, फिर इंग्लिश टीम को 16.4 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट कर दिया।

इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 39 बॉल पर 57 रनों की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के जमाए। रोहित ने 146.15 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इतना ही नहीं, वे ICC टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच के टॉप सिक्स हिटर भी बन गए हैं। वहीं, विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप के किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट होने वाले भारतीय बैटर बनने का अनचाहा रिकॉर्ड बनाया है। भारत-इंग्लैंड मैच में बने कुछ अहम रिकॉर्ड...

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाए

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतकीय पारी में 4 चौके लगाए। वे टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के नाम 113 चौके हो गए हैं। उन्होंने पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ा। जयवर्धने के नाम इस टूर्नामेंट में 111 चौके हैं। इस सूची में तीसरा नाम विराट कोहली का है। कोहली टी-20 वर्ल्ड कप में 105 चौके लगा चुके हैं।

ICC टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाए

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 2 छक्के लगाए। वे ICC टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने 13वां ओवर डाल रहे सैम करन की तीसरी बॉल पर सिक्स लगाया। रोहित के नाम अब 22 सिक्स हो चुके हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 21 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

5 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले 5वें भारतीय कप्तान

रोहित शर्मा 5 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले 5वें भारतीय कप्तान बने हैं। रोहित से पहले विराट कोहली, एमएस धोनी, मोहम्मद अजहर, सौरव गांगुली अपनी कप्तानी में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं।

ICC नॉकऑउट्स में सबसे ज्यादा रन

प्लेयर	देश	रन
विराट कोहली	IND	863
रोहित शर्मा	IND	771
रिकी पोंटिंग	AUS	731

रोहित ICC टूर्नामेंट के नॉकआउट के टॉप-2 स्कोरर बने हैं। रोहित के नाम 771 रन हो गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग (731 रन) को पीछे छोड़ा।

टी-20 वर्ल्ड कप में कोहली के बाद टॉप स्कोरर

रोहित शर्मा टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। विराट कोहली इस टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। कोहली 1216 रन बना चुके हैं, जबकि रोहित ने 1211 रन बनाए हैं। रोहित ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ा है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर भी एक हजार रन पूरे कर चुके हैं।

एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट कोहली

विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट पर आउट होने वाले भारतीय बैटर बने हैं। वे मौजूदा वर्ल्ड कप में 5 बार सिंगल डिजिट पर आउट हो चुके हैं। कोहली से पहले केएल राहुल 2022 के सीजन में 4 बार सिंगल डिजिट पर आउट हुए थे।

टी-20 वर्ल्डकप सेमीफाइनल में पहली बार सिंगल डिजिट पर आउट

विराट कोहली टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहली बार सिंगल डिजिट पर आउट हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 9 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले कोहली ने 2014 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 72, 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 89 और 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 50 रन बनाए थे।

रॉड टकर ने सबसे ज्यादा टी-20 वर्ल्डकप मैच में अंपायरिंग की

ऑस्ट्रेलिया के रॉड टकर सबसे ज्यादा टी-20 वर्ल्ड कप मैचों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर बने हैं। उन्होंने 46 मैचों में अंपायरिंग की है। उन्होंने पाकिस्तान के अलीम डाल के 45 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा।

13वीं बार ICC टूर्नामेंट के फाइनल में भारत, ऑस्ट्रेलिया की बराबरी की

भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा बार ICC टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीम के रिकॉर्ड की बराबरी की है। टीम इंडिया 13 ICC टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के रिकॉर्ड की बराबरी की है।

टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा चौके

प्लेयर	देश	चौके
रोहित शर्मा	IND	113
महेला जयवर्धने	SL	111
विराट कोहली	IND	105

भारत तीसरी बार टी-20 WC के फाइनल में; इंग्लैंड, श्रीलंका और इंग्लैंड के बराबर

टीम इंडिया तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में पहुंची है। टीम ने श्रीलंका, पाकिस्तान और इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इन सभी टीमों ने 3-3 दफा इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला है।

वह मुझे पसंद है... विराट कोहली की खराब फॉर्म पर राहुल द्रविड़ का ऐसा बयान, जीत लेगा आपका दिल

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली का समर्थन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह स्टाइलिश बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में बड़ी पारी खेलेगा। टी20 विश्व कप से पहले आईपीएल में सर्वाधिक 741 रन बनाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक सात पारियों में केवल 75 रन बना पाए हैं।

द्रविड़ ने सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के बाद कहा,'आपने देखा होगा कि जब भी विराट थोड़ा जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं तो हो सकता है कि कुछ अवसरों पर उन्हें सफलता न मिले।' उन्होंने कहा,'इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने वास्तव में अच्छा छक्का जड़ा लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और गेंद को थोड़ा ज्यादा मूवमेंट मिल गया। लेकिन जिस तरह से वह खेलते हैं, वह मुझे पसंद है।' द्रविड़ ने कहा,'मैं इसमें किसी तरह का मिथक नहीं जोड़ना चाहता हूं लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही बड़ी पारी खेलेंगे। मुझे

उनका रवैया और समर्पण पसंद है।'

आपको बता दें कि 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में भी भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था। उस मैच में इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया था। हालांकि रोहित सेना ने अब उस शर्मनाक हार का बदला अंग्रेजों से ले लिया है। भारत ने 2024 के टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड को एकतरफा मैच में हरा दिया।

क्या वाकई शिवम दुबे के 0 पर आउट होने के बाद खुश हो रहे थे रिंकू सिंह, वायरल तस्वीर का पूरा सच

भारत ने इंग्लैंड को दूसरे सेमीफाइनल में हराते हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बना ली। 2007, 2014 के बाद ये तीसरा मौका है जब भारत इस टूर्नामेंट के खिलाबी मुकाबले में पहुंचा। अब मैन इन ब्लूज का सामना 29 जून को साउथ अफ्रीका से होगा। वर्षाबाधित मैच में 68 रन की जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (57 रन), अक्षर पटेल (तीन विकेट) और कुलदीप यादव (तीन विकेट) का सोशल मीडिया पर हल्ला है। एक तरफ तीनों खिलाड़ियों की जमकर तारीफ हो रही है तो दूसरी ओर शिवम दुबे को उनकी लगातार खराब पारियों के चलते ट्रोल किया जा रहा है। इस दौरान एक फोटो ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिवम दुबे के आउट होने के बाद हंसे रिंकू?

दरअसल, ट्विटर पर एक तस्वीर लगातार वायरल हो रही है, जिसमें एक तरफ शिवम दुबे अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट रहे हैं तो दूसरी ओर रिंकू सिंह और खलील अहमद हंसते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन ऐसा क्या असल में हुआ? क्या एक खिलाड़ी वाकई अपने ही टीममेट की असफलता पर हंस सकता है? वो भी तब जब भारत गहरे मुश्किल में था।

क्या है वायरल तस्वीर का सच?

एक नजर में भले ही आपको यह तस्वीर सच लग सकती है, लेकिन हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि ये फोटो में दो अलग-अलग फ्रेम हैं। यानी दोनों फोटो अलग-अलग वक्त की भी तो हो सकती है, जिसे कैप्शन देकर एक बताया जा रहा है और इस तरह से पेश किया जा रहा है कि शिवम के आउट होने पर रिंकू हंस रहे हैं।

दरअसल, भारतीय स्क्वॉड के साथ बतौर ट्रेवलिंग रिजर्व जुड़े रिंकू सिंह और खलील अहमद की ये तस्वीर तब की है, जब मैदान पर रोहित शर्मा छक्के-चौके उड़ा रहे थे। शिवम दुबे बाद में आउट हुए, लेकिन किसी यूजर ने दोनों फोटो को एक ही वक्त का बता दिया।

श्रीलंका के हेड कोच सिल्वरवुड ने इस्तीफा दिया सलाहकार कोच जयवर्धने ने भी पद छोड़ा

श्रीलंका के हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड ने हेड कोच के पद से इस्तीफा दिया है। सिल्वरवुड अप्रैल 2022 से इस पद पर थे। SLC ने अप्रैल में उनका कार्यकाल मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया था।

वहीं पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी बुधवार को सलाहकार कोच का पद छोड़ दिया है। वानिंदु हसरंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले ही राउंड से बाहर हो गई थी। उसे बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका से हार मिली।

मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं- सिल्वरवुड

इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, 'इंटरनेशनल कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिए गर्व की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।'

सिल्वरवुड के कोच रहते श्रीलंका ने 2022 में टी-20 एशिया कप जीता था और उनके कार्यकाल में 2023 वनडे एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, इस दौरान श्रीलंका ने दो बार वर्ल्ड कप में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया है। वे पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप में नौवें स्थान पर रहे और इस वजह से2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहे। वहीं टीम मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ही राउंड से बाहर हो गई।

रोहित सेना को सौरव गांगुली ने फाइनल के लिए दिया जीत का मंत्र

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी की है। गांगुली ने कहा है कि भारतीय टीम को बेखौफ खेलकर 11 साल के खिताबी सूखे को खत्म करना होगा। भारतीय टीम बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले जाने वाले मैच में जीत की दावेदार है। टीम के लिए 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी के बाद खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगी। गांगुली ने कहा, 'मैं रोहित शर्मा के लिए बहुत खुश हूं। यही जीवन का चक्र है कि जो छह महीने पहले वह मुंबई इंडियंस का कप्तान भी नहीं थे अब उसकी अगुवाई में भारत विश्व कप के फाइनल में खेलेगा।'

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के इस पूर्व अध्यक्ष ने खुलासा किया कि विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद रोहित इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार नहीं थे। गांगुली ने कहा, 'रोहित दो विश्व कप फाइनल खेले हैं। यहां अब तक टीम का अभियान अजेय रहा है। यह उनकी नेतृत्व के गुणों को दर्शाता है। मुझे उनकी सफलता पर आश्चर्य नहीं है क्योंकि वह तब कप्तान बने जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था। उस समय विराट कोहली कप्तानी नहीं करना चाहते थे।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी लेने के लिए मनाने में बहुत समय लगा क्योंकि वह इसके लिए तैयार नहीं थे। उन्हें कप्तान बनाने में हम सभी को बहुत मेहनत करनी पड़ी और मैं उनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट की प्रगति को देखकर बहुत खुश हूं।' गांगुली ने कहा कई बार आईपीएल खिताब जीतना बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि यह टूर्नामेंट काफी लंबा चलता है।

गांगुली ने कहा, 'रोहित के नाम पांच आईपीएल खिताब जीतने का रिकॉर्ड है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। आईपीएल जीतना कभी-कभी अधिक कठिन होता है। मुझे गलत मत समझिए, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आईपीएल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बेहतर है।' उन्होंने कहा, 'आपको आईपीएल जीतने के लिए 16-17 (12-13) मैच जीतने होते हैं। यहां आपको विश्व कप जीतने के लिए आठ - नौ मैच जीतने होंगे। विश्व कप जीतने पर अधिक सम्मान मिलता है और मुझे उम्मीद है कि रोहित कल ऐसा करेंगे।'

टीम इंडिया ही है जीत की प्रबल दावेदार

गांगुली ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह सात महीने के अंदर विश्व कप के दो फाइनल हारेंगे। अगर वह सात महीने में अपनी कप्तानी में दो फाइनल हार जाते हैं तो वह शायद बारबाडोस महासागर में कूद जाएंगे। उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, शानदार बल्लेबाजी की और मुझे उम्मीद है कि यह कल भी जारी रहेगा। आशा है कि भारत खिताब के साथ अभियान खत्म करेगा। टीम को बेखौफ होकर खेलना चाहिए।'

गांगुली ने इस मौके पर कहा कि विश्व कप के फाइनल में पहली बार पहुंचना दक्षिण अफ्रीका के लिए बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, 'यह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा क्षण है। एक ऐसी टीम की कल्पना करें जो 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस आई और उसे विश्व कप फाइनल खेलने में 32 साल लग गए। इसलिए, यह दोनों टीमों के लिए एक बड़ा मौका होने वाला है।' स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस विश्व कप में सलामी बल्लेबाज के तौर प्रभावी प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन गांगुली की मानना है कि उन्हें यह जारी रखना चाहिए।

कोहली को ही करना चाहिए ओपनिंग

उन्होंने कहा, 'कोहली को पारी का आगाज करना जारी रखनी चाहिए। उन्होंने सात महीने पहले ही विश्व कप में 700 रन बनाए थे। वह इंसान हैं, कभी-कभी असफल भी होगा। आपको इसे स्वीकार करना होगा। कोहली, (सचिन) तेंदुलकर, (राहुल) द्रविड़ जैसे लोग भारतीय क्रिकेट के लिए संस्थान हैं। तीन-चार मैच उन्हें कमजोर खिलाड़ी नहीं बनाते। कल फाइनल में वह कमाल कर सकते हैं।'

गांगुली ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के उस बयान को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आईसीसी पर स्पिनरों की मददगार पिच तैयार कर भारतीय टीम का समर्थन करने का आरोप लगाया था। वॉन ने यह भी कहा था कि भारतीय दर्शकों को ध्यान में रख कर मैचों को सुबह खेला जा रहे जिससे भारतीय टीम को ज्यादा फायदा हो रहा।

माइकल वॉन का आरोप है पूरी तरह से गलत

गांगुली ने कहा, 'माइकल वॉन मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। मुझे नहीं पता कि आईसीसी शाम को आठ बजे प्रसारण रखकर भारत को क्रिकेट मैच जीतने में कैसे मदद करता है। मैं नहीं जानता कि प्रसारण आपको क्रिकेट मैच कैसे जीता जा सकता है। आपको मैदान पर खेलना और जीतना होता है।' उन्होंने कहा, 'गयाना से पहले भी इस टीम ने हर स्थल और पूरी दुनिया भर के मैदानों पर जीत दर्ज की है।'

रिफ्यूजी कैंप में रहे, यूट्यूब से गेंदबाजी सीखी, अब टी-20 के सुपर स्टार बने अफगानी कप्तान राशिद

अफगानिस्तान की टीम भले ही टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में हार गई हो, लेकिन उनके यहां तक के सफर को पूरे क्रिकेट जगत में सराहा जा रहा है। खासकर टीम के कप्तान राशिद खान का नाम इस समय हर क्रिकेट प्रेमी की जुबान पर है। उनकी कप्तानी में टीम ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों को टूर्नामेंट में हराकर पहली बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

कप्तान राशिद खान का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। उनका बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। बच्चों की सुरक्षा के लिए परिवार अफगानिस्तान छोड़कर पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगा। उस समय राशिद की उम्र केवल 3 साल थी। हालात सुधरने के बाद परिवार लौटा, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही स्थिति बनी तो पूरा परिवार पाकिस्तान लौट गया। पेशावर की गलियों में खेलते हुए उनका जीवन आगे बढ़ा।

एक बार राशिद को अचानक अंग्रेजी बोलने का जुनून सवार हो गया। मैट्रिक की परीक्षा देने के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली। इसके बाद खुद इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे।

करियर : 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान

मात्र 17 साल की उम्र में 2015 में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वन-डे और टी 20 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि, इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई। राशिद ने अब तक कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। उनके नाम मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय मैचों के अलावा राशिद आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में खेलते हैं। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया है।

राशिद से जुड़ी कुछ अहम बातें

2020 में ICC ने राशिद खान को दशक का बेस्ट मेंस टी-20 क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया था।

राशिद ने बॉलिंग से जुड़े कई गुर यूट्यूब से सीखे हैं। अच्छी कोचिंग की व्यवस्था न होने पर वे पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें 'अफगान अफरीदी' भी कहते हैं। पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शाहिद अफरीदी उनके आदर्श रहे हैं।

राशिद पाकिस्तान की घरेलू टीम की ओर से भी खेल चुके हैं। 2013 में पाकिस्तान-अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान के बीच हुए टूर्नामेंट में पाकिस्तान की 'सिबी' टीम की ओर से खेले थे। क्रिकेट के अलावा वे फुटबॉल के जबर्दस्त फैन हैं। एक साक्षात्कार में राशिद ने बताया था कि अगर वे क्रिकेटर नहीं होते तो फुटबॉल में करियर बनाते। उन्हें बॉलीवुड फिल्मों का बेहद शौक है। सलमान उनके फेवरेट एक्टर हैं। जब राशिद बड़े हो रहे थे उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का खुमार लोगों पर छाया हुआ था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते। और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। राशिद के 6 भाई और 4 बहनें हैं।

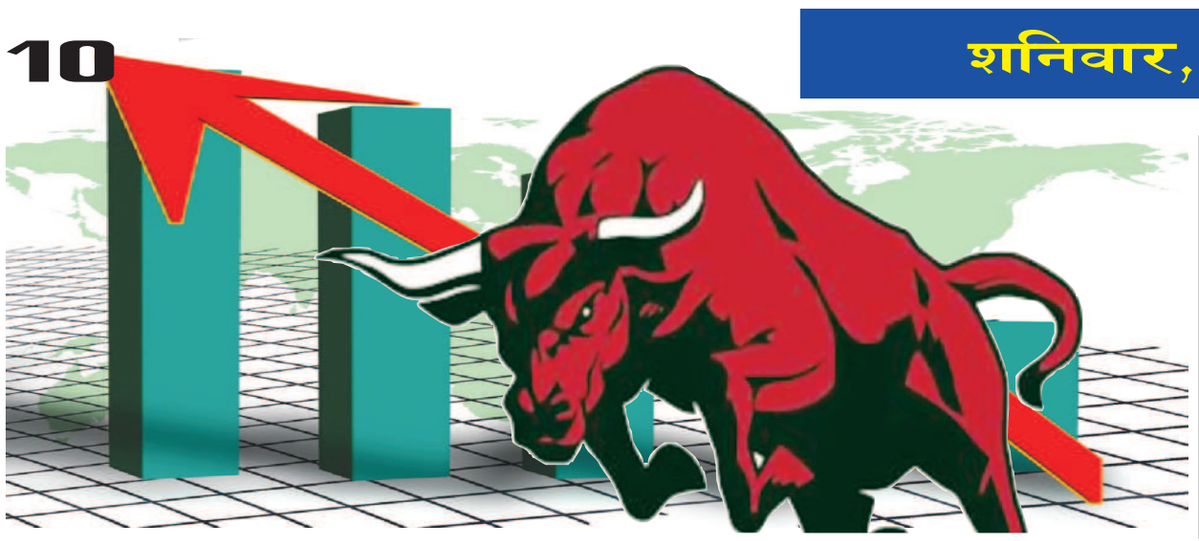

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तीन गुना विस्तार

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला केंद्र बनाने और मजबूत जीडीपी दर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ना फायदेमंद साबित हो रहा है। इन सब वजहों से भारत अगले दशक में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के कारण देश ने अपनी मजबूत आर्थिक

यात्रा शुरू की। देश ने 10 साल के दौरान जबरदस्त विकास देखा, चाहे वह लोकल उत्पादों के निर्माण, नए सेमीकंडक्टर संयंत्र, एआई, 5जी, स्टार्टअप, नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं पर जोर हो या फिर श्रमिकों को कुशल बनाना और लाखों नई नौकरियां पैदा करना हो। ऐसे में पीएलआई योजना से प्रेरित होकर देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का तीन गुना विस्तार होने का अनुमान है। जो मौजूदा 459 बिलियन डॉलर से 1.66 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह वृद्धि पिछले दशक में हुई 175 बिलियन डॉलर की औसत वृद्धि से अधिक है। डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान वित्त वर्ष 2024 में 14 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2034 तक 21 प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है, जो कम ढुलाई लागत और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण संभव होगा। इसके अलावा बुनियादी ढांचे में निवेश वित्त वर्ष 2024 में सकल घरेलू उत्पाद के 33 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2029 तक 36 प्रतिशत हो जाएगा। गुरुवार को संसद को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि तेजी से विकास के लिए भारत के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुधारों की गति को और तेज किया जाएगा।

रेमंड ने गौतम सिंघानिया को फिर मैनेजिंग-डायरेक्टर बनाया

1 जुलाई 2024 से 5 साल तक एमडी पद पर रहेंगे

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। रेमंड ने गौतम हरि सिंघानिया को अगले 5 साल के लिए एक बार फिर कंपनी का मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया। गुरुवार (27 जून) को रेमंड की एनुअल जनरल मीटिंग में कंपनी के इस फैसले को शेयरधारकों द्वारा अप्रूव किया गया। गौतम सिंघानिया का नया कार्यकाल 1 जुलाई 2024 से शुरू होगा। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। कंपनी ने कंफर्म किया कि स्टॉक एक्सचेंज सर्कुलर्स की जरूरत के हिसाब से यह रि-अपॉइंटमेंट की गई है।

रेमंड की शेयरहोल्डर एडवाइजिंग सलाहकार फर्म ने कुछ दिनों पहले ही सिंघानिया की अपॉइंटमेंट का विरोध किया था। फर्म ने गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी द्वारा लगाए गए घरेलू हिंसा और फंड्स के दुरुपयोग मामले की स्वतंत्र जांच करने की सलाह भी दी थी। फर्म ने यह भी सलाह दी थी कि गौतम सिंघानिया और नवाज मोदी को रेमंड बोर्ड के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। फर्म ने कहा था कि उन्हें तब तक बोर्ड का हिस्सा नहीं रहना चाहिए, जब तक तलाक के मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता, तब तक स्वतंत्र जांच जारी रखी जानी चाहिए।

सेबी ने फिनफ्लूएंसर्स रेगुलेशन के नए नियमों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गुरुवार को फिनफ्लुएंसर के नियमों को मंजूरी दी। इसमें ब्रोकर जैसे रेगुलेटेड संस्थानों को उनके साथ काम करने से मना किया गया है। यह फैसला सेबी की एक बोर्ड बैठक में लिया गया था। एक प्रेस ब्रीफिंग में सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच ने कहा कि बाजार से संबंधित सलाह देने वाले अनरेगुलेटेड एंटिटी अवैध तरीके से काम कर रहे हैं। सेबीने कहा, 'रजिस्टर्ड संस्थाओं और उनके एजेंटों को सेबी की अनुमति के बिना वित्तीय सलाह देने वाले या प्रदर्शन संबंधी दावे करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने से प्रतिबंधित किया गया है। रजिस्टर्ड एंटिटीज की जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके सहयोगी ऐसी प्रतिबंधित गतिविधियों में शामिल न हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश, व्यक्तिगत वित्त और रियल एस्टेट जैसे विषयों पर सलाह देने वाले फिनफ्लुएंसर ने अपने फॉलोअर्स के वित्तीय निर्णयों पर महत्वपूर्ण प्रभाव हासिल किया है। इसने निवेशकों को गुमराह करने के कई मामलों को भी जन्म दिया है। कुछ फिनफ्लुएंसर ने अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ब्रोकर और म्यूचुअल फंड के साथ साझेदारी भी की है, जो अक्सर अनैतिक या अवैध होते है।

नकद देने की अनुमति

इसके अलावा, रेगुलेटर ने सेबी रजिस्टर्ड निवेश सलाहकारों और रिसर्च एनालिस्ट द्वारा अपने ग्राहकों से शुल्क लेने के लिए एक इकोसिस्टम बनाने का फैसला किया है। यह इकोसिस्टम निवेशकों को यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि उनके भुगतान केवल रजिस्टर्ड आईएएस और आरएएस तक ही पहुंच रहे हैं। यह निवेशकों को अनरजिस्टर्ड संस्थाओं की पहचान करने और उनसे दूर रहने में भी मदद करेगा। इसके अलावा निवेश होल्डिंग कंपनियों को अब निवेशकों को आनुपातिक आधार पर शेयर वितरित करने की अनुमति होगी। उन्हें अनलिस्टेड कंपनियों और भूमि /अचल संपत्ति के बदले नकद देने की भी अनुमति होगी।

सेबी ने प्रवासी भारतीयों, विदेशों में बसे भारतीयों और निवासी भारतीयों के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों से संबंधित रजिस्ट्रेशन दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। नए नियम के तहत एफपीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके फंड में किसी एक एनआईआई या ओसीआई या निवासी भारतीय का योगदान 25% से कम हो।

सोने-चांदी के दामों में फिर आया बदलाव

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)। आज 28 जून को बाजार खुलते ही फिर सोने चांदी की कीमतों में मामूली बदलाव आया है।

नए दामों के पश्चात सोने की कीमत 71000 और चांदी के भाव 89000 के पार पहुंच गए है। आज सराफा बाजार द्वारा जारी सोने चांदी के जारी नए दामों के अनुसार, आज 28 जून 2024 को 22 कैरेट सोने की कीमत 65, 890, 24 कैरेट की कीमत 71,870 एवं 18 ग्राम 53910 रुपए पर ट्रेंड कर रही है। वही 1 किलो चांदी की कीमत 89, 900 रुपए चल रही है।

भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने के दाम 71, 770 रुपये , दिल्ली जयपुर लखनऊ एवं चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने का दाम 71, 870/-

रुपये, हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू एवं मुंबई सराफा बाजार में 71 720/- रुपये और चेन्नई सराफा बाजार में भाव 72, 270/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में चांदी के दाम की बात करें तो 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 89, 900/- रुपये है, जबकि चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में भाव 89,900/- रुपये है। वही भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी का दाम 89, 900 रुपए चल रहा है।

घर बैठे ऐसे चेक करे भाव:-

आपको बता दें आप इन दामों को सरलता से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको केवल इस नंबर 8955664433 पर मिस्ड कॉल देना है तथा आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा, जिसमें आप नवीनतम दाम चेक कर सकते हैं। बता दें यदि अब आप सोने की शुद्धता चेक करना चाहते हैं तो इसके लिए सरकार की तरफ से एक ऐप पेश किया गया है। 'BIS Care app' से ग्राहक सोने की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।

सब्जी की कीमत और रुलाएगी, मध्य प्रदेश में खराब हो रहा है प्याज

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। आज भले ही दिल्ली-एनसीआर में आप बारिश का मजा ले रहे हैं, लेकिन कुछ दिन पहले तक यहां गर्मी की आफत ही बरस रही थी। गर्मी का असर सब्जियों पर भी पड़ा है। इस वजह से मंडियों में सब्जियों के दाम बढ़ने लगे हैं। आलम यह है कि पिछले साल इस सीजन में 40 से 50 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाले शिमला मिर्च की कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि, व्यापारियों का दावा है कि आने वाले कुछ दिनों में इसके दाम कम हो सकते हैं। इस साल प्याज की पैदावार कम हुई है। इसके बाद इसका निर्यात खोल दिया गया है। साथ ही अब मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो रहा है। इसका असर प्याज के दाम पर पड़ने लगा है। कारोबारियों के मुताबिक, पिछले एक महीने में प्याज के दाम में प्रति किलो 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस समय आजादपुर थोक मंडी में ही बढ़िया किस्म के प्याज का भाव 50 रुपये किलो तक चला गया है। एक महीने पहले यह 30 रुपये किलो बिक रहा था। इस समय मंडी में औसत किस्म का प्याज 22 से 36 रुपये किलो के भाव मिल रहा था। प्याज कारोबारी श्रीकांत मिश्रा बताते हैं कि प्याज के दाम पहले कम थे, लेकिन इस बाद प्याज की पैदावार कम होने के चलते दाम में तेजी आई है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो रहे हैं। इससे दाम में और उछाल आ गया है। मंडी में अधिकतम 30 रुपये प्रति किलो थोक में बिकने वाला प्याज गुरुवार को 36 रुपये तक बिका। श्रीकांत ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में प्याज के रेट और बढ़ सकते हैं।

ऑल टाइम हाई बनाकर गिरा शेयर बाजार

सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ 79,032 पर बंद, निफ्टी भी 33 अंक गिरा

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 28 जून को लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई बनाया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,671 और निफ्टी ने 24,174 का हाई बनाया। हालांकि, बाद में मार्केट में गिरावट देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ 79,032 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 33 अंक की गिरावट रही, ये 24,010 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही।

स्टेनली लाइफस्टाइल लिमिटेड का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 35% ऊपर 499 पर लिस्ट हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 34.13% प्रीमियम 494.95 पर लिस्ट हुआ। हालांकि, बाद में स्टेनली लाइफस्टाइल का शेयर 5.01% की गिरावट के साथ 474 के स्तर पर बंद हुआ। इस इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO का इश्यू प्राइस 369 था। कंपनी सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड अलग-अलग कैटेगरी में कई तरह के प्रोडक्ट बनाती है। इसमें सोफा, सीटिंग फर्नीचर, कॉफी टेबल, डाइनिंग टेबल, वार्डरोब, यूटिलिटी अलमारी, शू रैक, बेडसाइड टेबल सहित अन्य प्रोडक्ट शामिल हैं।

फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी की। NSE पर उपलब्ध प्रोविजनल डेटा के अनुसार FIIs ने 7,658.77 करोड़ के शेयर खरीदे। इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 3,605.93 करोड़ के शेयर बेचें।अमेरिकी बाजार में गुरुवार को मामूली तेजी देखने को मिली । डाओ जोंस 36.26 अंक चढ़कर 39,164.06 पर बंद हुआ। वहीं, S&P 500 4.97 अंक चढ़कर 5,482.87 पर बंद और नैस्डेक 53.53 अंक चढ़कर 17,858.68 पर बंद हुआ। इससे पहले कल यानी 27 जून को शेयर बाजार ने लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया था।

रिलायंस का शेयर ऑल टाइम हाई पर मार्केट कैप 21 लाख करोड़ के पार

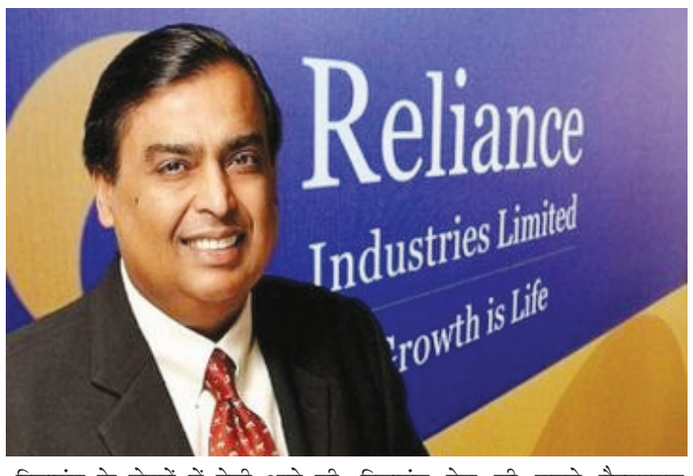

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। रिलायंस जियो के मोबाइल टैरिफ में इजाफा करने से आज रिलायंस के शेयरों में कारोबार के दौरान दो फीसदी से अधिक तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3,129.00 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का टॉप है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। ग्लोबल ब्रोकरेज मोर्गन स्टेनली और जैफरीज का कहना है कि रिलायंस के शेयर में निकट भविष्य में 15 फीसदी तक तेजी आ सकती है।

जैफरीज ने रिलायंस के शेयर को बॉय कॉल देने के साथ ही 3,580 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इस ग्लोबल ब्रोकरेज का कहना है कि जियो ने टैरिफ में 13 से 25% तक की बढ़ोतरी की है। इस अपडेट से आने वाले दिनों में रिलायंस के शेयरों में तेजी आने की उम्मीद है। दोपहर बाद 12.30 बजे कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.61% की तेजी के साथ 3,110.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 2,221.05 रुपये है। रिलायंस का शेयर पिछले साल 26 अक्टूबर को इस स्तर तक आया था। रिलायंस देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है।

इस बीच रिलायंस की कंपनी जियो फाइनेंशियल और जोमैटो को निफ्टी50 में जगह मिल सकती है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने डेरिवेटिव्स मार्केट में स्टॉक्स की एंट्री और एग्जिट से जुड़े नियमों में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

महंगाई का फूटा बम

जियो के बाद एयरटेल ने भी बढ़ाया मोबाइल टैरिफ

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। जिस बात की आशंका जताई जा रही थी, वह सही साबित हो रही है। आम चुनावों के खत्म होते ही टेलिकॉम कंपनियों ने मोबाइल टैरिफ में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। गुरुवार को देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने मोबाइल टैरिफ में 12 से 15 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा की थी। इसके एक दिन बाद आज भारती एयरटेल ने भी मोबाइल टैरिफ की दरों में 10 से 21 फीसदी इजाफे का एलान कर दिया। बढ़े हुए टैरिफ तीन जुलाई 2024 से लागू होंगे। कंपनी की इस घोषणा के बाद पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों प्लान महंगे होंगे। जियो और एयरटेल के बाद अब वोडाफोन आइडिया के भी रेट में इजाफा करने की संभावना है।

टेलिकॉम कंपनियों ने नवंबर 2021 के बाद पहली बार टैरिफ में बड़ा इजाफा किया है। इसका मकसद एवरेज रेवेन्यू पर यूजर बढ़ाना है। जानकारों का कहना है कि टेलिकॉम कंपनियों ने 5जी सर्विसेज के लिए भारी निवेश किया है। मसलन जियो और एयरटेल ने 5जी सेवाएं शुरू करने के लिए दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है लेकिन अब तक उन्हें इस इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न नहीं मिला है। मई में एयरटेल के एमडी गोपाल विट्टल ने कहा था कि इंडस्ट्री का रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड बढ़ाने के लिए टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की जरूरत है। मोबाइल टैरिफ के साथ-साथ ब्रॉडबैंड सर्विस का टैरिफ भी बढ़ाया गया है।

जानकारों का कहना है कि टेलिकॉम ऑपरेटर टैरिफ बढ़ाकर 5जी में अपने पूंजीगत निवेश का मॉनीटाइजेशन कर सकते हैं। टैरिफ में बढ़ोतरी से ग्राहकों की संख्या में गिरावट आने की आशंका नहीं है।

उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें हाई स्पीड कनेक्टिविटी मिलती रहेगी, उपभोक्ता दूरसंचार सेवाओं के लिए भुगतान करने को तैयार रहेंगे। वायरलेस पैक की कीमत में वृद्धि से भारती एयरटेल और जियो को सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है। मुंबई के एक ब्रोकरेज एनालिस्ट ने बताया कि वोडाफोन के ग्राहकों की संख्या में लगातार कमी आई है जिससे उसने टैरिफ बढ़ोतरी और लो वैल्यू पैक से ग्राहकों के अपग्रेडेशन का फायदा गंवा दिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-50 बजे
चंद्र-	मीन में	कर्क....	07-02 बजे
मंगल	मेष में	सिंह....	09-14 बजे
बुध-	मिथुन में	कन्या..	11-20 बजे
गुरु-	वृष में	तुला....	13-26 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	15-36 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-49 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	19-56 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-46 बजे
		मीन...	23-24 बजे
		मेष....	01-00 बजे
		वृष....	02-45 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-48 सूर्यास्त. -18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 14-20 तक उपरान्त नवमी
मास - आषाढ़ कृष्ण, शनिवार 29 June
नक्षत्र - उत्तराभाद्रपद 08-49 तक उपरान्त रेवती
योग - शोभन 18-53 तक उप अतिगण्ड
करण- कौलव 14-20 तक उप तैतिल
विशेष:- कर्क मे बुध -12-24 से
व्रत -त्योहार -पंचक, शनि वक्री रात मे

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:03 से 10:41 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	05:48 - 07:25 अशुभ	लाभ	18:50 - 20:15 शुभ
शुभ.	07:25 - 09:03 शुभ	उत्पात	20:15 - 21:36 अशुभ
रोग.	09:03 - 10:41 अशुभ	शुभ	21:36 - 22:58 शुभ
उत्पात	10:41 - 12:20 अशुभ	अमृत	22:58 - 00:20 शुभ
चंचल	12:20 - 13:58 शुभ	चंचल	00:20 - 01:41 शुभ
लाभ	13:58 - 15:36 शुभ	रोग	01:41 - 03:03 अशुभ
अमृत	15:36 - 17:15 शुभ	काल	03:03 - 04:25 अशुभ
काल	17:15 - 18:50 अशुभ	लाभ	04:25 - 05:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

एकरसता आपको अच्छी न लगती इससे आप बोर अनुभव करते हैं आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे अपनी दिनचर्या बदलें इसमें फिटनेस को जगह दें किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें ऑफिस में नयी पहचान बनेगी

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है अपने माता – पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चिंटू-मुकेश से दूसरे दिन भी सीबीआई की पूछताछ जारी

नीट पेपर लीक मामले में हजारीबाग के प्रिंसिपल से गेस्ट हाउस में सवाल-जवाब

पटना/रांची, 28 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक में चिंटू और मुकेश कुमार से ईडी की पूछताछ जारी है। शुक्रवार को टीम दोनों को पटना के अलग-अलग ठिकानों पर लेकर पहुंची है। एजेंसी पेपर लीक को लेकर साक्ष्य पुख्ता कर रही है।

इधर, झारखंड के हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक से तीसरे दिन भी पूछताछ जारी है। चरही गेस्ट गेस्ट हाउस में प्रिंसिपल से पूछताछ हो रही है। इससे पहले नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने गुरुवार को 2 आरोपी मनीष प्रकाश और आशुतोष को पटना से गिरफ्तार किया था। दोनों ने ही पटना के प्ले एंड लर्न स्कूल को रात भर के लिए बुक कराया था।

इसी स्कूल में 20 से 25 कैंडिडेट्स को इकट्ठा करके आंसर रटवाया गया। यहीं जली बुकलेट के टुकड़े मिले थे।

केंद्रीय जांच एजेंसी पिछले 3 दिन से 11 लोगों से पूछताछ कर रही है। सीबीआई ने बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से 26 जून को यह केस अपने हाथ में लिया था। अब तक 5 राज्यों में पुलिस ने 27 से ज्यादा गिरफ्तारियां की हैं।

सीबीआई की टीम गुरुवार को दोपहर 1 बजे पटना की बेऊर जेल पहुंची। यहां आरोपी बलदेव कुमार उर्फ चिंटू और मुकेश कुमार का मेडिकल कराया और उन्हें 8 दिन की रिमांड पर लिया। बताया जा रहा है कि टीम दोनों को अलग-अलग लोकेशन पर ले जाकर पूछताछ करेगी। सीबीआई ने 26 जून को चिंटू और मुकेश को कोर्ट में पेश किया था। इसके बाद दोनों की 8 दिन की रिमांड मिली थी। चिंटू नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का रिश्तेदार है। दावा है कि चिंटू के मोबाइल पर ही पेपर आया था, जबकि मुकेश गाड़ी से कैंडिडेट्स को उस स्कूल में ले गया था, जहां सवालों के जवाब रटवाए गए थे।

सीबीआई की टीम झारखंड में हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक को एक बार फिर स्कूल लेकर गई। मड़ई रोड स्थित स्कूल में 2 घंटे पूछताछ के बाद टीम प्रिंसिपल को लेकर वापस चरही स्थित सीसीएल गेस्ट हाउस पहुंची।

क्वेश्चन पेपर पहले स्कूल ले जाया गया, फिर बैंक ले गए

सीबीआई और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 3 मई को क्वेश्चन पेपर कूरियर एजेंसी ब्लू डार्ट के हजारीबाग नूतन नगर सेंटर से बैंक ले जाने की बजाय पहले ओएसिस स्कूल लाया गया था। इसके बाद यहां से बैंक भेजा गया।

ऐसे में संदेह का दायरा बढ़ रहा है कि क्वेश्चन पेपर का पैकेट खोलने का खेल स्कूल में ही हुआ है। हालांकि, इस जानकारी पर सीबीआई की ओर से कोई कमेंट नहीं आया है। आज जब स्कूल में पूछताछ चल रही थी, तब एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने भी कुछ सबूत इकट्ठे किए हैं।

एक अन्य जानकारी यूजीसी नेट से भी जुड़ी है जो इसी स्कूल की है। यूजीसी नेट परीक्षा भी इसी सेंटर पर हुई थी। ऐसे में कहा जा रहा है कि इसी स्कूल से उसके प्रश्नपत्र लीक होने का शक भी है। आज टीम ने स्कूल के वाइस प्रिंसिपल सह सेंटर सुपरिंटेंडेंट इम्तियाज आलम का एक मोबाइल और लैपटॉप जब्त किया है। एजेंसी को शक है कि ओएसिस स्कूल से ही पेपर लीक किया गया है।

पहला सवाल: ईओयू की टीम ने जांच में पेपर के पैकेट में टेंपरिंग देखी थी। इसे ईओयू की टीम ने पकड़ा। इसकी पड़ताल की जिम्मेदारी आपकी थी। आपसे यह चूक कैसे हो सकती है? ऐसा तो नहीं कि टेंपरिंग की जानकारी आपको पहले से थी? क्योंकि प्रश्नपत्र के पैकेट में बॉटम को पेशेवर तरीके से खोलकर फिर बंद कर दिया गया था।

दूसरा सवाल: पैकेट के बॉटम में कट मार्क्स है। इस सवाल पर भी प्रिंसिपल फंस गए कि यह कट मार्क्स आप ही के स्कूल के पैकेट में पाया गया और आप खुद एनटीए के सिटी को-ऑर्डिनेटर हैं। बावजूद इसके यह चूक नहीं हो सकती।

तीसरा सवाल: जब 1:30 बजे एग्जाम हॉल में प्रश्नपत्र पहुंच जाना था तो 15 मिनट देर से छात्रों को कैसे और क्यों मिला?

पहले यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि सीबीआई की टीम प्रिंसिपल को कोर्ट लेकर जाएगी, लेकिन वह उन्हें सीधा स्कूल लेकर गई। जहां दोबारा पूछताछ की जा रही है। और सबूत खंगाले जा रहे हैं। सात सदस्यों की टीम उन्हें दो गाड़ी से लेकर ओएसिस स्कूल पहुंची है। रात में पूछताछ के दौरान प्रिंसिपल से सीबीआई को कुछ अहम सुराग मिले जो स्कूल में हैं। उसी की पुष्टि के लिए टीम ओएसिस स्कूल पहुंची है।

6 राज्यों में चल रही सीबीआई की जांच

सीबीआई 6 राज्य बिहार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी में पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के आपस में संबंधों की पड़ताल कर रही है। जिससे मास्टरमाइंड का पता चल सके। सीबीआई को शक है कि लीक मामले में विभिन्न राज्यों में गिरफ्तार आरोपी केवल कांट्रैक्टर हैं, असली अपराधी कोई और है। राज्यों में कांट्रैक्टर के माध्यम से पेपर स्टूडेंट्स तक पहुंचा था। लीक से जुड़े पुराने अपराधियों से भी पूछताछ होगी। वह पुराने आरोपियों के रिकॉर्ड को निकाल रही है। ओएसिस स्कूल के प्राचार्य डॉ. एहसानुल हक से बुधवार को 6 घंटे की पूछताछ हुई। इसके बाद उन्हें शाम 5.45 बजे चरही के सीसीएल के गेस्ट हाउस लाया गया। यहां भी उनसे पूछताछ की गई। सीबीआई की एक टीम शाम 8.30 बजे कुछ और दस्तावेज लेकर गेस्ट हाउस पहुंची। रात करीब 8.45 बजे गेस्ट हाउस से दो गाड़ियां हजारीबाग चली गईं। इसके बाद सीबीआई की टीम ने दो लोगों को बॉन्ड भरवा कर छोड़ दिया।

पहलाजानी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में बदल गया बच्चा

दो में से एक बच्चे का डीएनए मैच नहीं हुआ तो पिता ने लगाया आरोप, अब जांच शुरू

रायपुर, 28 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पहलाजानी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में बच्चा बदल दिया गया है। पिता ने आरोप लगाया कि उन्हें एक लड़का और एक लड़की होने की सूचना दी, लेकिन बाद में दोनों लड़की दे दी गई। शक होने पर डीएनए टेस्ट कराया तो एक बच्ची से डीएनए 90 फीसदी मैच हुआ जबकि दूसरे से जीरो प्रतिशत।

सिमरन सिटी निवासी अशोक सिंह ने अस्पताल पर आरोप लगाया कि लड़के को बदल दिया गया। इसकी शिकायत सीएम तक होने के बाद अब जांच कमेटी बनी है। 7 दिन के अंदर कमेटी से रिपोर्ट मांगी गई है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आगे की कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

इस जांच कमेटी में शिशु रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ और नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अफसर को शामिल किया गया है। जांच की गाइडलाइन भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बनाई है। इसमें पीड़ित अशोक सिंह, उनकी पत्नी उषा सिंह, अस्पताल प्रबंधन और अस्पताल में इलाज कराने वाले रायपुर के दो और परिवारों से पूछताछ की जाएगी।

पीड़ित परिवार जगदलपुर के बड़े बचेली का रहने वाला है। अशोक सिंह इलाके में ठेकेदारी करते हैं। परिवार में पति-पत्नी के अलावा 2 बेटियां हैं। कुछ साल पहले बेटे की मौत हो चुकी है। अशोक सिंह का कहना है कि पत्नी लगातार उस बेटे को फिर से पाने की इच्छा जता रही थी। उसका मानना था कि खोया हुआ बेटा फिर से लौट आएगा।

पत्नी उषा सिंह के कहने पर 27 अक्टूबर 2022 को IVएफ तकनीक के जरिए ट्रीटमेंट शुरू हुआ, लेकिन 6 सप्ताह बाद 8 दिसंबर 2022 को गर्भपात हो गया। वजह शारीरिक कमजोरी बताई गई। हॉस्पिटल प्रबंधन ने दूसरी बार फिर से 24 अप्रैल 2023 को प्रक्रिया शुरू की। पेशेंट आईडी 27824 दी गई।

इसके वे अपने घर चले गए और नियमित जांच कराने आते रहे। दिसंबर 2023 में पत्नी की तबीयत बिगड़ने पर रायपुर पहुंचे और पहलाजानी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर, अनुपम नगर में भर्ती कराया। अशोक सिंह का कहना है कि उषा सिंह को डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर ले गए।

कुछ समय बाद जब उसे बाहर निकाला गया तो पत्नी को बताया गया कि एक बेटा एक बेटी हुई है। कुछ समय बाद अस्पताल स्टाफ ने मां को जुड़वां बच्ची लाकर सौंपीं। जब पति ने एक बेटा होने के बारे में पूछा तो अस्पताल स्टाफ ने इससे साफ इनकार दिया।

अशोक सिंह का कहना है कि, अस्पताल वालों की बातों से उन्हें शक हुआ तो परिचित से सलाह ली और फिर डीएनए टेस्ट कराने का फैसला लिया। एक लैब से संपर्क किया, उनकी वैन पहलाजानी टेस्ट ट्यूब सेंटर परिसर में आई। वे बच्चों को लेकर नीचे गए और वैन में ही दोनों बच्चियों का सेंपल लिया।

एक बच्ची की रिपोर्ट 90% मिली मगर दूसरे की मैचिंग जीरो परसेंट आई है। इसका मतलब है कि एक बच्ची का डीएनए अशोक से मैच नहीं करता। इसके बाद भी जब अस्पताल से सही जवाब नहीं मिला, तो मई 2024 में थाने में शिकायत की गई। थाने से भी 2 महीने तक लेटलतीफी होती देखकर उन्होंने सीएम, मंत्री और विभागीय अधिकारियों से मामले की शिकायत की है। डॉ. पहलाजानी ने अशोक सिंह के आरोपों से इनकार किया है। शिकायतकर्ता अशोक सिंह ने मामले में शासन और प्रशासन से इंसाफ की अपील की है। शिकायतकर्ता का कहना है, कि जिस बच्ची का डीएनए उनसे नहीं मिल रहा, वो बच्ची भी उनके पास है। शासन और विभागीय अधिकारियों से अपील है कि मेरे बच्चे का पता लगाए और जो बच्ची मेरे पास है, उसके परिजनों का पता लगाकर उसे सुपुर्द करें क्योंकि बच्ची के भविष्य का सवाल है।

झारखंड के 15 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

रांची, 28 जून (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून का असर आज से दिखने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने 15 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा शामिल है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बारिश के साथ 30 से 40 किलो मीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है। राज्य के कुछ हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक साउथ वेस्ट मानसून का भी असर झारखंड पर पड़ रहा है। यह एक दूसरी वजह है जिससे राज्य में बारिश का असर होगा। आज से राज्य में मानसून का असर दिखेगा। राज्य के कई हिस्सों में झमाझम बारिश होगी। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों में मानसून का असर नहीं दिखा। राज्य के कई हिस्सों में पारा बढ़ा लेकिन कल शाम के बाद हुई हल्की बारिश ने बड़ी राहत दी है। तेज धूप के बाद मिली राहत का असर अब बरकरार रहने की संभावना है। रांची में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा जबकि राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

छत्तीसगढ़ में फ्लाईओवर के नीचे बनेगा स्पोर्ट्स जोन

क्रिकेट-बैडमिंटन और बास्केटबॉल खेलेंगे बच्चे, रायपुर में एक्सप्रेस-वे के नीचे 15-20 दिनों में होगा तैयार

रायपुर, 28 जून (एजेंसियां)। रायपुर फ्लाई ओवर के नीचे नगर निगम प्रदेश का पहला स्पोर्ट्स जोन तैयार करने जा रहा है। पंडरी और तेलीबांधा एक्सप्रेस-वे के नीचे किक्रेट, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल खेलने की व्यवस्था होगी। करीब 4000 स्क्वायर फीट में इसका एरिया होगा। रायपुर कमिश्नर अविनाश मिश्रा ने बताया कि अगले 15 से 20 दिनों में यह पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड पार्षद और एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी ने बताया कि उनके वार्ड में एक भी खेल का मैदान नहीं है। जिसके कारण वार्ड के बच्चों को खेलने के लिए दूसरे मैदान जाना पड़ता है। पंडरी में स्पोर्ट्स जोन बनने के बाद वार्ड के बच्चे और खिलाड़ियों के नई सुविधा मिलेगी। रायपुर के एक्सप्रेस वे के नीचे अवैध ठेले और गुमटियों का कब्जा हुआ करता था। लेकिन अब उस जगह को रेलिंग से घेरकर वहां स्पोर्ट्स

जोन तैयार किया जा रहा है। ब्रिज के नीचे घेरा करके वहां मिट्टी डाली गई है। जल्द ही इस जगह पर सार्वजनिक खेल परिसर तैयार हो जाएगा। कोर्ट तैयार होने के बाद उसका संचालन समिति करेगी। रायपुर नगर निगम कमिश्नर अविनाश मिश्रा ने बताया कि स्पोर्ट्स जोन पंडरी और तेलीबांधा एक्सप्रेस वे फ्लाई ओवर के नीचे बनाया जाएगा। कोर्ट तैयार होने के बाद दोनों साइड को जमीन से फ्लाई ओवर की ऊंचाई तक कवर जाएगा ताकि खेल के दौरान बॉल या शटल बाहर न जाए। वहीं पूरा कैंपस कलर फूल होगा और यहां पेंटिंग भी की जाएगी और स्पोर्ट्स जोन में बड़े खिलाड़ियों की भी पेंटिंग तैयार करवाई जाएगी। कमिश्नर ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसे दो जगह तैयार किया जा रहा है। इसके बाद जिन स्थानों पर फ्लाई ओवर है वहां भी इसे लागू किया जा सकता है। रायपुर नगर निगम को यह आईडिया मुंबई में सानपाड़ा फ्लाई ओवर के नीचे बने सार्वजनिक खेल परिसर (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) से आया है। मुंबई में दिसंबर-2022 में सानपाड़ा के ब्रिज के नीचे इसे तैयार किया था और पब्लिक के लिए उसे मुफ्त में खोला गया। 2745 वर्गमीटर में फैले कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट, बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट बनाए गए हैं। जिसकी तारीफ देश भर में की गई और जानी-मानी शख्सियत आनंद महिंद्रा ने भी अपने X हैंडल से इसका वीडियो शेयर किया था।

जुलाई 2023 में मुंबई के सानपाड़ा को देखकर गाजियाबाद नगर निगम ने भी क्रिकेट, बैडमिंटन और बास्केट बॉल कोर्ट तैयार किया था। गाजियाबाद के राजनगर फ्लाई ओवर के नीचे 50 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा स्पोर्ट्स जोन बनाया गया था। इसे बनाने में करीब डेढ़ महीना लगा और तकरीबन 55 लाख रुपए का खर्च आया था।

भूख हड़ताल पर बैठीं कांग्रेस विधायक चातुरी नंद

सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

महासमुंद, 28 जून (एजेंसियां)। महासमुंद जिले के सरायपाली की कांग्रेस विधायक चातुरी नंद आज एक दिवासीय भूख हड़ताल पर बैठी। कांग्रेस विधायक ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर आज सरायपाली के रजिस्ट्री कार्यालय के सामने अपने क्षेत्र के कांग्रेसी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। विधायक ने सरायपाली में हो रहे गौरव पथ निर्माण में अनियमितता, क्षेत्र में अघोषित बिजली की कटौती और जल जीवन मिशन के कार्यों में हो रही लेट लतीफी को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस विधायक चातुरी नंद ने कहा कि गौरव पथ निर्माण कांग्रेस सरकार की देन है।

अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में होगा झारखंड विधानसभा चुनाव

10 सितंबर के बाद चुनाव आयोग कभी भी कर सकता है घोषणा

रांची, 28 जून (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में होगा। 10 सितंबर के बाद कभी भी चुनाव की तिथियों की घोषणा हो सकती है। इसके साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य निर्वाचन कार्यालय को यह संकेत दे दिया है कि हरियाणा, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के साथ ही झारखंड विधानसभा का भी चुनाव कराया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर, जबकि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 27 नवंबर को समाप्त हो रहा है। हालांकि झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी तक है, फिर भी इस बार चुनाव साथ कराने की प्रबल संभावना है। वर्ष 2019 में हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव साथ-साथ हुए थे, मगर

झारखंड विधानसभा चुनाव अलग हुआ था। राज्य निर्वाचन कार्यालय इन तीनों राज्यों के समानांतर ही झारखंड में भी चुनाव की तैयारियों में जुट गया है। मतदान से कम से कम 45 दिन पहले चुनाव की घोषणा करने का नियम है। चूंकि हरियाणा में 31 अक्टूबर तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर लेना है, ऐसे में 45 दिन का समय देने के लिए 10 सितंबर से 15 सितंबर तक का समय उपयुक्त होगा।

रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट के मुताबिक भारत निर्वाचन आयोग नियत समय के छह महीने के अंदर कभी भी चुनाव करा सकता है। इस संदर्भ में राज्य सरकार कोई अड़चन नहीं डाल सकती है। झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी को समाप्त होगा, ऐसे में 5 जुलाई से लेकर 5 जनवरी के बीच चुनाव कराने पर राज्य सरकार आपत्ति नहीं कर सकती। 2019 में 6 नवंबर को जारी हुई थी चुनाव की अधिसूचनाः 2019 में विधानसभा चुनाव की अधिसूचना 6 नवंबर को जारी हुई थी। कुल पांच चरणों में चुनाव हुआ था।

30 नवंबर, 7 दिसंबर, 12 दिसंबर, 16 दिसंबर और 20 दिसंबर को मतदान हुआ था। 23 दिसंबर को मतगणना हुई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के मुताबिक काम हो रहा है। हम विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हैं। प्रशिक्षण का काम शुरू हो चुका है।

कांग्रेस की बैठक में नेताओं की निकली भड़ास

लखमा ने पार्टी के ही लोगों को बताया हार का जिम्मेदार, रायपुर में लोकसभावार समीक्षा

रायपुर, 28 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की समीक्षा की जा रही है। रायपुर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली की मौजूदगी में चल रही बैठक में नेताओं ने जमकर भड़ास निकाली है। इस दौरान एक वरिष्ठ महिला नेता ने कहा कि, संगठन में महिलाओं की पूछ-परख नहीं थी। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक राजीव भवन में चल रही है जिसके चेयरमैन वीरप्पा मोइली हैं। लोकसभावार समीक्षा बैठक में सभी नेताओं से चुनाव में मिली हार की वजहों पर चर्चा की जा रही है। इस दौरान कवासी लखमा ने भी गुटबाजी पर नाराजगी जताते हुए पार्टी के ही लोगों को हार का जिम्मेदार बताया। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक में कवासी लखमा के अलावा एक वरिष्ठ महिला नेत्री ने भी कहा कि, जब कांग्रेस की सरकार में दो महिला मंत्री बनाए जा सकते थे। महिलाओं को सरकार और संगठन दोनों में तवज्जो नहीं मिला। रायपुर को कभी उस तरह से प्रतिनिधित्व नहीं मिला। महिला नेता ने यह भी कहा कि, बीजेपी की महतारी वंदन योजना को हल्के में लिया गया। बैठक में हर लोकसभा के अंदर आने वाले विधायक, पूर्व विधायक, प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष सभी से कमेटी फीडबैक लेगी।

प्रभारी सीएस ने ऑपरेशन के लिए पैसे मांगे

रकम नहीं दी तो ट्रीटमेंट से इनकार किया, शिकायत सही पाए जाने पर सस्पेंड

कोरिया, 28 जून (एजेंसियां)। कोरिया जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ राजेन्द्र बंसारिया को मरीज का ऑपरेशन करने की एवज में पैसे मांगने के मामले में सस्पेंड कर दिया गया है।

पैर की हड्डी का ऑपरेशन करने के लिए डॉ राजेंद्र बंसारिया ने 12 हजार रुपए मांगे थे। पैसे नहीं मिलने पर उन्होंने इलाज नहीं किया था। मामला दिसंबर 2023 का है। एक ग्रामीण का पैर टूटने के कारण उसे जिला अस्पताल बैकुंठपुर में भर्ती कराया गया था। वह तीन हफ्ते तक जिला अस्पताल में भर्ती रहा। डॉक्टर ने पैर टूटने की जानकारी दी और कच्चा प्लास्टर कर दिया। डॉ राजेंद्र बंसारिया ने मरीज के परिजनों से कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। परिवार वालों ने ऑपरेशन करने की सहमति दे दी तो डॉक्टर बंसारिया ने ऑपरेशन के लिए 12 हजार रुपए की मांग की। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में एनेस्थीसिया के डॉक्टर नहीं हैं। इसके लिए प्राइवेट डॉक्टर बुलाकर ऑपरेशन कराना पड़ता है। हड्डी टूटी है, जिसे जोड़ने के लिए नेल की जरूरत पड़ती है। उस साइज का नेल हमारे अस्पताल में उपलब्ध नहीं है, उसे रायपुर से मंगवाना पड़ता है। पैसे नहीं मिलने पर डॉक्टर ने ग्रामीण का आपरेशन नहीं किया। इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया जहां इलाज किया गया। मामले में ग्रामीण की पत्नी ने डॉक्टर के खिलाफ पैसे मांगे जाने की शिकायत की थी, जिसकी सीएमएचओ कोरिया ने जांच की। बताया गया है कि प्रभारी सिविल सर्जन डॉक्टर राजेंद्र बंसारिया ने करीब 25 दिन पहले सीएस के प्रभार से इस्तीफा देने का पत्र हेल्थ डायरेक्टर को भेजा था।

आलमगीर आलम का इस्तीफा अभी मंजूर नहीं

रांची, 28 जून (एजेंसियां)। चंपाई सोरेन मंत्रिमंडल का इस महीने विस्तार होने की कोई संभावना नहीं है। क्योंकि ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम का इस्तीफा अब तक मंजूर नहीं हुआ है। आलमगीर का इस्तीफा बुधवार को जेल प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचा। इसलिए शुक्रवार को मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना कम हो गई है। कांग्रेस के भी मंत्रियों के नाम की सूची अभी मुख्यमंत्री को नहीं सौंपी है। अब 30 जून को हूल दिवस है। इसमें भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 29 जून को भोगनाडीह चले जाएंगे। ऐसे में इस महीने मंत्रिमंडल विस्तार लटक सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर गुरुवार को सीएम ने कहा कि यह गठबंधन की बात है। जल्दी ही इसकी जानकारी दी जाएगी। आलमगीर आलम ने 10 जून को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। होटवार जेल अधीक्षक ने कुछ दिन बाद इसे जेल आईजी को भेजा। फिर जेल आईजी ने इसे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा। ऐसे में मुख्यमंत्री तक इस्तीफा पहुंचने में 17 दिन लग गए। अब मुख्यमंत्री इस्तीफा स्वीकार कर राजभवन को सूचित करेंगे। राजभवन की मुहर लगने के बाद एक मंत्री का पद आधिकारिक रूप से खाली होगा।

नासा की गलती से स्पेस में फंसी सुनीता विलियम्स!

हीलियम लीक के बारे में थी जानकारी, क्या हो पाएगी वापसी?

वॉशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस में फंसे हुए हैं। स्पेसक्राफ्ट में हीलियम लीक के कारण ऐसा हो रहा है। इस बीच उनके मामले से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली रिपोर्ट सामने आई है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्च के लिए सुरक्षित मानने के बावजूद नासा और बोइंग दोनों प्रबंधकों को इसके रिसाव के बारे में जानकारी थी। हालांकि उन्होंने इसे मिशन को खतरे में डालने के लिए बेहद छोटा माना था। लेकिन अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद चार लीक देखे गए, जिस कारण अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी फंसी हुई है। इनकी वापसी 13 जून को होनी थी, जो अभी तक नहीं हो पाई है।

सुनीता विलियम्स के स्पेस में फंसने के बाद नासा को एक नई दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। नासा के स्पेससूट में दिक्कतें देखी जा रही हैं। 24 जून को नासा के स्पेससूट में खराबी देखी

गई, जिस कारण इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) की एक स्पेसवॉक रद्द कर दी गई। अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी कैल्डवेल डायसन और माइक बैरेट आईएसएस के बाहर जाने वाले थे। लेकिन उन्हें अपना प्लान रद्द करना पड़ा। डायसन के स्पेससूट पर सर्विसिंग और पानी के रिसाव के बाद इसे रद्द किया गया। आईएसएस स्पेससूट की स्थिति के लिए यह एक और बुरी खबर है।

अंतरिक्ष में बर्फ बनने लगा पानी

नासा के लाइव फीड के दौरान इस घटना को पकड़ा गया। इसमें डायसन ने हर जगह पानी की रिपोर्ट दी। डायसन ने मिशन कंट्रोल को बताया, 'में देख सकता था कि बर्फ के क्रिस्टल निकल रहे हैं। यह एक बर्फ बनाने वाली मशीन की तरह था।' जब पानी का रिसाव हुआ तब अंतरिक्ष के लिए बाहर का दरवाजा खुला हुआ था। बाद में स्पेसवॉक समाप्त हो गया। इससे पहले 13 जून को भी एक स्पेसवॉक को रद्द कर दिया गया था। स्पेससूट की असुविधा के कारण इसे रद्द किया गया था।

क्या आई दिक्कत

नासा ने 24 जून के प्रयास के बाद घोषणा की कि स्पेस सूट कूलिंग यूनिट वॉटर लूप रिसाव के कारण स्पेसवॉक रद्द कर दिया गया है। सूट के आंतरिक बैटरी पावर शुरू करने के ठीक बाज यह शुरू हुआ। अच्छी बात यह रही कि हर मामले में अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रहे। हालांकि स्पेससूट को लेकर पैदा हुई चिंताओं के कारण स्पेसवॉक का स्थगित होना नासा की समस्याओं की शुरुआत है। 2 जुलाई के लिए भी एक स्पेसवॉक निर्धारित है। केवल समय ही बताएगा कि क्या इसे हरी झंडी दी जाएगी या नहीं। स्पेस सूट में आने वाली समस्याएं दिखाती हैं कि अंतरिक्ष यात्रियों को नए सूट की जरूरत है जो 40 साल से ज्यादा पुराने डिजाइन पर आधारित हैं।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने किया दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को निष्कासित

भ्रष्टाचार का लगा आरोप

बीजिंग, 28 जून (एजेंसियां)। चीन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि इन दिनों चीन और अमेरिका के बीच ताइवान को लेकर तनाव भी बढ़ गया है। बृहस्पतिवार को दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को निष्कासित कर दिया गया। दोनों पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और पूर्ववर्ती वेई फेंगहे हैं। इन दोनों को पार्टी अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए निष्कासित किया गया है। लगभग दो महीने तक सार्वजनिक रूप से गायब के बाद ली शांगफू को अक्तूबर 2023 में हटा दिया गया था। चीन प्रशासन के अनुसार इस मामले को सैन्य अभियोजन को भेजा गया है, जिस पर मुकदमा शुरू हो सकता है, जिसमें उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने समीक्षा बैठक की। चीनी सरकार के अनुसार फैसला सुनाया गया कि ली अपने मूल मिशन के साथ विश्वासघात किया है।

समुद्री ग्रह से अलग हुआ एस्टेरॉइड बेन्नू?

नई स्टडी में वैज्ञानिकों को मिला फॉस्फेट, नासा भी हैरान

वॉशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां)। एस्टेरॉयड बेन्नू से लाए गए सैंपल के प्रारंभिक विश्लेषण से हमारे सौरमंडल के रहस्य खुल रहे हैं। वैज्ञानिकों को पता चला है कि इस उल्कापिंड का अतीत अप्रत्याशित रूप से पानी से भरा था। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह किसी प्राचीन समुद्री ग्रह से अलग हो गया होगा। नासा ने ओएसआईआरआईएस-आरईएक्स मिशन के तहत 2020 में पृथ्वी के करीब एस्टेरॉयड बेन्नू का 121.6 ग्राम सैंपल लिया था। पिछले साल सितंबर में यह मिशन तब पूरा हुआ, जब सैंपल पृथ्वी पर पहुंचा।

वैज्ञानिक तब से इस एस्टेरॉयड की चट्टानों और धूल का विश्लेषण कर रहे हैं। वह यह जानने में लगे हैं कि आखिर इसके अंदर कौन-कौन से रहस्य हो सकते हैं और क्या इसमें जीवन के तत्व मौजूद हैं? एस्टेरॉयड हमेशा से वैज्ञानिकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये सौरमंडल के निर्माण से बचे हुए अवशेष हैं। अक्टूबर में साझा किए गए कुछ नमूनों की शुरुआती समीक्षा से पता चला कि इसमें बड़ी मात्रा में कार्बन था। नमूने के विश्लेषण के

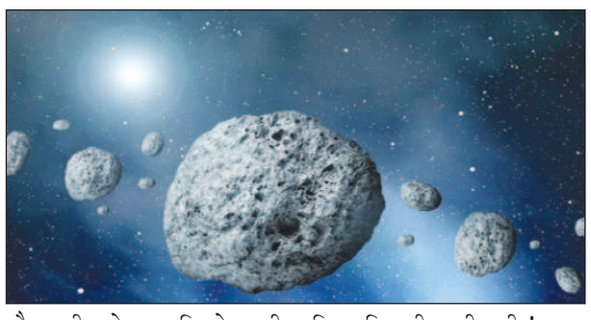

दौरान टीम ने पाया कि बेन्नू की धूल कार्बन, नाइट्रोजन और कार्बनिक यौगिकों से समृद्ध है।

यह वही तत्व हैं, जिन्होंने सौरमंडल बनाने में मदद की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये सामग्रियां जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक सैंपल से यह जान सकते हैं कि आखिर पृथ्वी जैसे ग्रहों का निर्माण कैसे हुआ। निष्कर्षों का विवरण देने वाला एक अध्ययन बुधवार को मौसम विज्ञान और ग्रह विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुआ। मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में वैज्ञानिक और स्टडी के सह लेखक जेसन ड्वॉर्किन ने कहा, 'ओएसआईआरआईएस-आरईएक्स प्रोजेक्ट ने हमें वही दिया, जिसकी उम्मीद थी।'

पानी वाली दुनिया से हुआ अलग?

नमूनों में मैग्नीशियम-सोडियम फॉस्फेट का पाया जाना सबसे बड़ा आश्चर्य था, जिसे रिमोट सेंसिंग ने शुरू में तब पता नहीं लगाया था जब ओएसआईआरआईएस-आरईएक्स बेन्नू की परिक्रमा कर रहा था। मैग्नीशियम-सोडियम फॉस्फेट एक यौगिक है जो पानी में घुलनशील होता है। जीवन के लिए जैव रसायन के एक घटक के रूप में कार्य करता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह संभव है कि एस्टेरॉयड एक छोटे महासागर वाली दुनिया से टूट गया हो, जो अब हमारे सौर मंडल में मौजूद नहीं है।

चांद से 1935.3 ग्राम धूल और चट्टान के नमूने लेकर आया चांग ई-6 अंतरिक्ष यान

अब वैज्ञानिक शोध की तैयारी

बीजिंग, 28 जून (एजेंसियां)। चीन ने अंतरिक्ष यान चांग ई-6 ने चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र में कदम रखा और वहां से करीब दो किलोग्राम मिट्टी और चट्टान के नमूने पृथ्वी पर लाकर इतिहास रच दिया। इस कदम को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नई क्रांति माना जा रहा है। अब चीन ने अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा है कि चांद से लाए गए नमूनों का परीक्षण होने जा रहा है।

चीन विश्व का एकमात्र देश है, जिसके द्वारा चांद के सुदूर क्षेत्र में कदम अपना अंतरिक्ष यान उतारा गया और वहां मौजूद धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र किए। चांग ई-6 के पुनः प्रवेश वाले भाग को सिजिवांग से बीजिंग लाया गया। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) का कहना है कि चांग ई-6 अभियान के तहत चांद से 1935.3 ग्राम नमूने एकत्रित किए गए हैं। सीएनएसए के सहायक निदेशक जी पिंग के अनुसार 'चांग ई-6 अभियान द्वारा लाए गए नमूनो की विशेषता यह है कि ये दिखने में गाढ़े हैं।

शारीरिक गतिविधि के अभाव में 1.8 अरब लोगों पर मंडरा रहा बीमारियों का खतरा

वाशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि वयस्कों को प्रति सप्ताह 150 मिनट मध्यम-तीव्रता या 75 मिनट उच्च-तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि या इसके समान शारीरिक रूप से सक्रिय रहना होगा। शारीरिक सक्रियता न होने की वजह से वयस्कों के लिए गैर-संचारी बीमारियों, जैसे कि दिल का दौरा और स्ट्रोक, टाइप 2 मधुमेह, मनोभ्रंश, और स्तन व मलाशय कैंसर समेत अन्य बीमारियों की चपेट में आने का जोखिम बढ़ जाता है।

एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2010 और 2022 के दौरान, वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता के मामलों में करीब 5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2030 तक निष्क्रियता का स्तर बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंच जाने की संभावना है। मौजूदा रुझान बताते हैं कि फिलहाल 2030 तक शारीरिक निष्क्रियता को कम करने का वैश्विक लक्ष्य पहुंच से दूर है।

डब्ल्यूएचओ महानिदेशक डॉ. टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेब्रेयेसस ने कहा कि ये निष्कर्ष, कैंसर और हृदय रोग में कमी लाने और शारीरिक गतिविधि में वृद्धि के जरिए मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण को बेहतर बनाने के एक खोए हुए अवसर को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस चिंताजनक रुझान को उलटने के लिए शारीरिक गतिविधि का स्तर बढ़ाना और निडर कदमों को प्राथमिकता देना अहम है। इस क्रम में मजबूत नीतियों को अपनाया जाना और निवेश के स्तर में वृद्धि करना जरूरी होगा। वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता की सर्वाधिक दर, उच्च-आय वाले एशिया प्रशांत क्षेत्र (48 प्रतिशत) और दक्षिण एशिया (45 प्रतिशत) में दर्ज की गई है। उच्च-आय वाले पश्चिमी देशों में यह आंकड़ा 28 फीसदी, जबकि ओशनिया क्षेत्र में 14 फीसदी है। लिंग और आयु के आधार पर पसरी असमानताएं चिंता का विषय बताई गई हैं। यूएन एजेंसी के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में शारीरिक निष्क्रियता का स्तर अधिक है। महिलाओं के लिए निष्क्रियता की दर 34 फीसदी है, जबकि पुरुषों के लिए 29 प्रतिशत है। मगर कुछ देशों में दोनों के बीच यह दूरी 20 प्रतिशत अंकों तक है। इसके अतिरिक्त, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग अन्य वयस्कों की तुलना में कम सक्रिय हैं, जोकि वृद्धजन वयस्कों के लिए शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने के महत्व को दर्शाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोधकर्ताओं द्वारा अकादमिक सहयोगियों के साथ मिलकर तैयार किया गया यह अध्ययन, 'द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित हुआ है। चिंताजनक निष्कर्षों के बावजूद कुछ देशों में कुछ हद तक सुधार आने के संकेत हैं। दुनिया के लगभग 50 फीसदी देशों में पिछले एक दशक में कुछ सुधार दर्ज किए गए हैं। 22 देशों के 2030 तक, शारीरिक निष्क्रियता में 15 प्रतिशत तक की कमी हासिल करने के वैश्विक लक्ष्य तक पहुंचने की सम्भावना हैं। इस पृष्ठभूमि में यूएन एजेंसी ने देशों से आग्रह किया गया है कि शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए नीति और उसे अमल में लाए जाने की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करनी होगी। जमीनी स्तर पर समुदायों में खेलकूद और पैदल चलने, साइकिल चलाने व सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने समेत अन्य उपायों की मदद ली जा सकती है।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को वोटिंग

सर्वे में सुनक की पार्टी को 117, लेबर पार्टी को 425 सीटें, सुनक की पार्टी का सफाया तय

लंदन, 28 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतवंशी पीएम ऋषि सुनक और उनकी कंजरवेटिव पार्टी का जल्द चुनाव का दांव फेल होता दिख रहा है। एक सप्ताह बाद 4 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले अधिकांश सर्वे में कंजरवेटिव पार्टी के सफाए की भविष्यवाणी कर रहे हैं।

द इकोनोमिस्ट के सर्वे में सुनक की पार्टी को सबसे ज्यादा 117 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, सावंता-गार्जियन के सर्वे में दावा किया गया है कि कंजरवेटिव पार्टी 53 सीटों पर ही सिमट सकती है। जो 2019 के चुनाव की 365 सीटों की तुलना में बेहद कम है। वहीं, 650 सीटों वाले सदन में कीर स्टारमर की लेबर पार्टी को सबसे कम 425 और अधिकतम 516 सीटें मिलने का अनुमान है। 7 सर्वे के औसत में भी सुनक को 95 और स्टारमर

को 453 सीटें मिलती दिख रही है।

अब सुनक के जल्द चुनाव कराने के दांव पर सवाल उठने लगे हैं। जब वे लोकप्रियता के मामले में लेबर पार्टी से 20 अंक पीछे थे, तो समय पूर्व चुनाव घोषित क्यों किए?

सावंता के सर्वे में दावा किया गया कि इस चुनाव में पीएम सुनक खुद अपनी ही सीट हारने वाले हैं। सर्वे में दावा किया गया है कि पीएम सुनक खुद अपनी रिकमोंड सीट (यॉर्कशायर) भी हार सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो वे ब्रिटेन के पहले पीएम होंगे, जिनके साथ ऐसा होगा। वहीं, पूर्व मंत्री लॉर्ड गोल्डस्मिथ ने आरोप लगाया कि सुनक संभावित हार के बाद अमेरिका शिफ्ट हो जाएंगे। हालांकि, कंजरवेटिव पार्टी और पीएम सुनक ने खंडन किया है।

स्टारमर की लेबर पार्टी के सांसद और शैडो विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा है कि अगर हम सत्ता में आते हैं तो भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर प्राथमिकता से काम करेंगे। लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम में डेविड ने कहा सुनक की पार्टी 2010 से सत्ता में है। अब तक कई दिवाली बीत चुकी हैं, लेकिन उन्होंने भारत से एफटीए साइन नहीं किया। हमें भारत के साथ अपने रिश्तों को री-लॉन्च करने की जरूरत है। लेबर पार्टी इसके लिए तैयार है।

न हथियार, न पैसा

पाकिस्तान ने बिना तैयारी कर दिया सैन्य ऑपरेशन का ऐलान, अमेरिका में राजदूत ने खोली पोल

इस्लामाबाद, 28 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकार ने हाल ही में अज्म-ए-इस्तेहकम (जिसका अर्थ है स्थिरता के लिए संकल्प) नाम के सैन्य अभियान को मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य टीटीपी और दूसरे आतंकी गुटों से सशस्त्र लड़ाकों से लड़ना है। शहबाज शरीफ के कार्यालय की ओर से इसकी घोषणा कर दी गई है लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने इसके पूरी तैयारी नहीं की है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि ऑपरेशन का ऐलान किए जाने के साथ ही पाकिस्तान ने अमेरिका से हथियारों की मांग शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने अमेरिका से छोटे हथियार मांगे हैं।

पाकिस्तानी मिडिया संस्थान जियो न्यूज के मुताबिक, अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत मसूद खान ने कहा है कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उनके

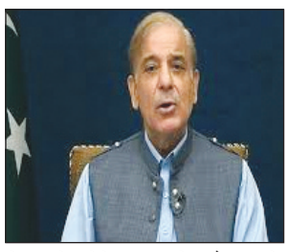

देश को छोटे हथियारों और दूसरे आधुनिक सैन्य उपकरणों की आवश्यकता है। मसूद खान ने वऑशिंगटन डीसी में विल्सन सेंटर केएक कार्यक्रम में कहा, 'पाकिस्तान ने आतंकवादी नेटवर्क को तोड़ने करने और उसे नष्ट करने के लिए अज़्म-ए-इस्तेहकम लॉन्च किया है लेकिन इसके लिए हमें परिष्कृत छोटे हथियारों और संचार उपकरणों की आवश्यकता है। मसूद खान ने कहा, 'पाकिस्तान और अमेरिका को अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए दूसरे मोर्चे के साथ ही खुफिया सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही उन्नत सैन्य प्लेटफार्मों की बिक्री फिर से शुरू करना और पाकिस्तान के अमेरिकी मूल के रक्षा उपकरणों को बनाए रखना भी जरूरी है। यह क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।' खान ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को जमीनी हकीकत पर आधारित होना चाहिए, भले ही उनका लक्ष्य मजबूत सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी हो। किसी एक मुद्दे को संबंधों में अड़चन नहीं बनाना चाहिए।

मसूद खान ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा सहयोग का अपना महत्व है उन्होंने प्रस्ताव रखा कि अमेरिका को काबुल में कूटनीतिक वापसी के लिए पाकिस्तान को भागीदार बनाना चाहिए। बता दें कि पाकिस्तान सरकार ने इस सप्ताह देश से आतंकवाद को खत्म करने के लिए नए सिरे से ऑपरेशन चलाने को मंजूरी दी है। हालांकि इस बात को लेकर चिंताएं थीं कि इस कदम से उन क्षेत्रों में स्थानीय आबादी प्रभावित होगी जिन पर अभियान में ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में सीएचओ का अपहरण, 15 लाख फिरौती मांगी

किडनैपर्स ने भाई को फोन पर कहा- पैसे नहीं मिले तो छोटे-छोटे टुकड़े कर फेंक देंगे

सक्ती, 28 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में सीएचओ का अपहरण कर लिया गया। सीएचओ अनुपमा जलतारे सरायपाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ है। किडनैपर्स ने सीएचओ के भाई को फोन कर फिरौती मांगी है और धमकी दी अगर पैसे नहीं मिले तो छोटे-छोटे टुकड़े कर फेंक देंगे। घटना गुरुवार शाम की है। भाई कुलेश्वर जलतारे की शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है। फिरौती मांगने का एक ऑडियो भी सामने आया है। जिसमें किडनैपर्स कुलेश्वर को से फिरौती मांग रहे हैं।

बिलासपुर आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि अपहरण की एक शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जिस जगह अपहरण की बात कही जा रही है, वहां से अपहरण की पुष्टि नहीं हो रही है।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग शुरू

इब्राहिम रईसी की हवाई हादसे में मौत के बाद हो रहा चुनाव, रेस में 4 उम्मीदवार

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां)। ईरान में आज राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हो रहे हैं। देश भर में 58,000 से अधिक पोलिंग बूथ पर सुबह 8 बजे वोटिंग शुरू हो गई है। चुनाव में 6 करोड़ से अधिक वोटर हैं जो पिछले महीने इब्राहिम रईसी की विमान हादसे में हुई मौत के बाद नए राष्ट्रपति का फैसला करेंगे। राष्ट्रपति चुनाव में 6 प्रत्याशी रेस में थे मगर वोटिंग से कुछ घंटे पहले 2 प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिया। ईरानी मीडिया के मुताबिक रूढ़िवादी नेता नहीं चाहते कि कट्टरपंथी नेताओं का वोट बंटे जिससे उदारवादी नेताओं को फायदा हो।

एकजुटता दिखा रहे रिवॉल्यूशनरी फोर्स के नेता

बुधवार रात को उपराष्ट्रपति आमिर हुसैन काजीजादेह हाशमी ने अपना नाम वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि रिवॉल्यूशनरी फोर्स की एकता बनाए रखने के लिए उन्होंने ये कदम उठाया है।

काजीजादेह हाशमी ने उम्मीद जताई कि रेस में शामिल अन्य उम्मीदवार, मोहम्मद बाकर कालीबाफ, सईद जलीली और

अली रजा जकानी रिवॉल्यूशनरी फोर्स को मजबूत करने के लिए चुनाव से पहले आम सहमति पर पहुंच जाएंगे।

तेहरान के मेयर भी पीछे हटे

उपराष्ट्रपति काजीजादेह हाशमी की अपील के कुछ घंटे बाद तेहरान के मेयर अली रजा जकानी ने पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी घोषणा की।

जकानी 2021 में भी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की दावेदारी मजबूत करने के लिए पीछे हट गए थे। जकानी ने रेस में शामिल अन्य दो कट्टरपंथी उम्मीदवारों से एकजुटता दिखाने का आह्वान किया है।

राष्ट्रपति पद की रेस में अब चार उम्मीदवार हैं जिनमें से 2 रिवोल्यूशनरी फोर्स से जुड़े नहीं हैं। दो प्रमुख लोगों की दावेदारी छोड़ने के बाद संभव है कि सईद जलीली और कालीबाफ में से कोई एक ही आखिरी रेस में बचे।

7 महिलाओं ने भी किया था आवेदन

चुनाव के नियमों के मुताबिक जो भी प्रत्याशी होते हैं उनके आवेदन को ईरान की गार्जियन काउंसिल देखती है। उनकी मंजूरी मिलने के बाद ही कोई भी प्रत्याशी चुनाव में खड़ा हो सकता है।

इस बार के चुनाव में राष्ट्रपति बनने के लिए 80 लोगों ने आवेदन दिया था। हालांकि गार्जियन काउंसिल ने सिर्फ 6 को चुनाव लड़ने के लायक पाया। पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को भी गार्जियन काउंसिल ने चुनाव लड़ने की मंजूरी नहीं दी।

तीन बार संसद के स्पीकर रह चुके अली लारीजानी ने भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए आवेदन दिया था लेकिन उन्हें भी आखिरी लिस्ट में शामिल नहीं किया गया। 7 महिलाओं ने भी चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किया, लेकिन मंजूरी नहीं मिली।

छाया हिजाब का मुद्दा

इस चुनाव में पहली बार ऐसा हो रहा है जब भ्रष्टाचार, पश्चिमी देशों के प्रतिबंध, प्रेस की आजादी, प्रतिभा पलायन रोकने जैसे नए मुद्दे छाए हुए हैं।

सबसे चौकाने वाला चुनावी मुद्दा हिजाब कानून का है। 2022 में ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन और उसके बाद सरकार के द्वारा उसके दमन के चलते कई वोटर्स के जेहन में यह सबसे बड़ा मुद्दा रहा है।

हिजाब लंबे समय से धार्मिक पहचान का प्रतीक रहा है लेकिन ईरान में यह एक राजनीतिक हथियार भी रहा है।

ट्रम्प ने लिया 4 साल पुरानी हार का बदला

वॉशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में आज (28 जून) को राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। 81 साल के हो चुके बाइडेन के लिए खुद को डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद का सही उम्मीदवार साबित करने के लिए यह सबसे बेहतरीन मौका था। हालांकि, 90 मिनट तक चली डिबेट के बाद अमेरिका के सबसे बड़े मीडिया हाउस में शुमार न्यूयॉर्क टाइम्स, वॉशिंगटन पोस्ट और डिबेट होस्ट करने वाले सीएनएन ने इसमें ट्रम्प को विजेता घोषित किया। विश्लेषकों ने कहा कि बहस के दौरान बाइडेन बार-बार अपनी बात रखने में अटक रहे थे, वे लगातार खांस रहे थे और ट्रम्प के आरोपों का जवाब नहीं दे पा रहे थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, बाइडेन की इस परफॉर्मेंस के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता राष्ट्रपति पद के लिए उनकी दावेदारी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि बाइडेन चुनाव से पहले अगले 4 महीने तक होने वाले कैंपेन को भी पूरा नहीं कर पाएंगे।

टीटीपी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में पाकिस्तानी सेना

अफगानिस्तान से बढ़ सकता है तनाव

इस्लामाबाद, 28 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान नए आतंकवाद रोधी सैन्य अभियान के तहत अफगानिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह टीटीपी के ठिकानों को निशाना बना सकता है। साथ ही उन्होंने इस खतरनाक संगठन के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार कर दिया। पाकिस्तान की सरकार ने पिछले सप्ताह ही आतंकवाद रोधी अभियान के तहत 'ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम' शुरू करने की घोषणा की थी। अमेरिका के

एक सरकारी मीडिया को दिए साक्षात्कार में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू करने का फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, 'अज्म-ए-इस्तेहकाम के तहत सीमा पार टीटीपी के पनाहगाहों को भी निशाना बनाया जा सकता है।' एक पाकिस्तानी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि 'यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं होगा क्योंकि अफगानिस्तान पाकिस्तान को आतंकवाद का 'निर्यात' कर रहा है और आतंकवाद के निर्यातकों को वहां शरण दी जा रही है।' गौरतलब है कि पाकिस्तान आरोप लगाता है कि टीटीपी के आतंकी पाकिस्तान में हमले कर अफगानिस्तान भाग जाते हैं। पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान से टीटीपी के आतंकियों को सौंपने की मांग की थी, लेकिन अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने इस और ध्यान नहीं दिया।

ट्रंप प्रशासन में उपराष्ट्रपति बनकर सम्मानित महसूस करूंगा

राष्ट्रपति चुनाव पर बहस के बीच बोले रामस्वामी

न्यूयॉर्क, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी करोड़पति उद्यमी विवेक रामस्वामी जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा था, उन्होंने अब ट्रंप प्रशासन में उपराष्ट्रपति बनने के लिए अपनी उत्सुक्ता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कि वह ट्रंप प्रशासन में उपराष्ट्रपति के रूप में खुद को सम्मानित महसूस करेंगे। रामस्वामी ने यह स्पष्ट किया कि ट्रप अभियान के दौरान उनसे संपर्क नहीं किया गया है। 38 वर्षीय रामस्वामी जनवरी में राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर हो गए थे।

एटलांटा में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनालड ट्रंप के बीच राष्ट्रपति पद के लिए जारी डिबेट के बीच रामस्वामी ने कहा, मैं डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक चीज सोच रहा हूं, वह अपने दूसरे कार्यकाल के लिए बहुत महत्वकांक्षी हैं। वह अपने पहले कार्यकाल से भी अधिक शक्तिशाली होंगे।

साढ़े 3 फीट की गहराई में कैसे डूबा 21 साल का स्टूडेंट?

राजस्थान यूनिवर्सिटी के स्विमिंग पूल में युवक की मौत बनी पहेली

हाइलाइट्स

- 21 वर्षीय छात्र विकास यादव की स्विमिंग पूल में हुई मौत
- मौत के समय पूल में पानी की गहराई सिर्फ साढ़े तीन फीट थी
- विकास यादव के साथियों ने उन्हें पानी में अचेत देखा
- स्विमिंग पूल के कोच विजय विश्नोई ने प्राथमिक उपचार दिया

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विश्वविद्यालय कैंपस में स्थित स्विमिंग पूल में हुई छात्र की मौत पर सवाल उठने लगे हैं। मृतक छात्र के परिजन और परिचित यह जानकर हैरान हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से स्विमिंग पूल के जिस स्थान पर छात्र की मौत होना बताया जा रहा है, वहां की गहराई सिर्फ साढ़े तीन फीट है। आखिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाला 21 वर्षीय छात्र विकास यादव साढ़े 3 फीट की गहराई में कैसे डूब सकता है। हालांकि मृतक छात्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना अभी बाकी है। इस रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारण सामने आएंगे।

साथियों के साथ कर रहा था स्विमिंग, अचानक डूब गया

राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित स्विमिंग पूल सुबह और शाम के वक्त कई स्टूडेंट स्विमिंग करते हैं। अंबेडकर हॉस्टल में रहकर फिजिक्स डिपार्टमेंट से पीजी करने वाला विकास यादव भी शाम के बैच में स्विमिंग करने जाता था। गुरुवार 27 जून की शाम को 5 बजे वह अपने साथियों के साथ स्विमिंग पूल पहुंचा था। साथियों के साथ स्विमिंग कर रहा था। करीब आधे घंटे बाद विकास पानी में डूब गया। उसके साथियों ने विकास को पानी में अचेत देखा तो तुरंत कोच को सूचना दी। कोच और अन्य छात्रों ने विकास को बाहर निकाला, तब तक उसकी सांसें चल रही थी।

अस्पताल ले जाने तक हो गई मौत

स्विमिंग पूल के कोच विजय विश्नोई का कहना है कि विकास यादव को स्विमिंग पूल से बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार दिया गया लेकिन उसे होश नहीं आया। बाद में अन्य छात्रों की मदद से कोच अपनी कार से विकास यादव को लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोच का कहना है कि स्विमिंग पूल के जिस स्थान पर विकास अचेत मिला, वहां की गहराई सिर्फ साढ़े तीन फीट है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि सिर्फ साढे तीन फीट की गहराई में विकास डूब कैसे गया।

कुलपति ने दिए जांच के आदेश

मृतक छात्र विकास यादव नीम का थाना जिले का रहने वाला था। विकास की मौत के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर अल्पना कटेजा भी सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंची और डॉक्टरों से बात की। कटेजा ने कहा कि एक होनहार छात्र की मौत होना बड़ी क्षति है। कुलपति ने कहा कि फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है जिससे पता चल सके कि आखिर विकास की मौत की वजह क्या थी। उधर विश्वविद्यालय प्रशासन अपने स्तर पर मामले की जांच में जुट गया है।कुलपति जब सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंची तो एनएसयूआई के कई छात्र भी अस्पताल पहुंच गए। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश भाटी का कहना है कि विकास यादव की मौत के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन झूठ बोल रहा है।

मोबाइल एसेसरीज खरीदने पहुंचे युवक की चीन में हत्या, मुंबई में कर रहा था कारोबार

जालौर, 28 जून (एजेंसियां)। जालौर जिले के भीनमाल निवासी एक मोबाइल कारोबारी की चीन में अपहरण के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने युवक को छोड़ने के एवज में फोन करके उसके पिता से एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की थी। पिता ने मोबाइल पर व्हाट्सएप चैट करके 50 लाख रुपये की व्यवस्था होने और रुपये देने का ऑफर किया था। इसी बीच 24 जून को युवक की हत्या कर दी गई।

मुंबई में व्यवसायरत युवक भीनमाल का निवासी था, जिसकी चीन में सात दिन पूर्व अपहरण के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। युवक के परिजन दिल्ली स्थित क्षेत्रीय सांसद लुंबाराम चौधरी के साथ विदेश मंत्रालय के माध्यम से मृतक का शव भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। जानकारी के अनुसार नरसाराम का लड़का सतीश कुमार दो साल से मुंबई में मोबाइल का कारोबार कर रहा था। वह चीन से माल खरीदकर

मुंबई में होलसेल में दुकानदारों को बेचता था इसलिए हर एक-दो महीने में उसका चीन आना-जाना लगा रहता था। इसी महीने वह चीन गया था, जहां गत 21 जून को अज्ञात लोगों ने उसका अपहरण कर रुपयों की मांग की थी। 24 जून तक सतीश का मोबाइल चालू था और घरवालों को उसके अपहरण के बाद फिरौती का मांग के फोन भी आए थे। इसके बाद 24 जून को उसके भाई के मोबाइल पर सूचना मिली कि सतीश कुमार नाम के युवा की चीन के गुआगंजो सिटी में बॉडी मिली है। सूचना पर सतीश के तीन रिश्तेदार चीन जाने के दिल्ली पहुंच गए, जहां सांसद लुंबाराम चौधरी से उनके निवास पर मुलाकात कर घटना के संबंध मे अवगत करवाया। सांसद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों रिश्तेदारों को चीन का वीजा आवेदन करवाकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मेल भेजकर चीन जाने का वीजा और शव को भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग की अपील की।

काम की बाट जोह रहे हैं राज्यमंत्री

शपथ के छह महीने बाद भी नहीं मिले अधिकार

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा सरकार के गठन के छह महीने बाद भी राज्य मंत्रियों को कार्यभार नहीं सौंपा गया है, जिससे असंतोष बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट में शपथ लेने के बाद भी राज्यमंत्रियों को जिम्मेदारियां नहीं मिलने से बेचैनी बढ़ रही है। राज्यमंत्रियों में पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी, पीडब्ल्यूडी और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार और उद्योग वाणिज्य, खेल राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई शामिल हैं। इनमें से कुछ मंत्रियों के कार्यालयों में न तो फाइलें हैं और न ही काम करने वालों की भीड़। देवासी ने कैबिनेट मंत्रियों मदन दिलावर और डॉ. किरोड़ीलाल मीणा से कार्यभार की मांग की है लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं मिला।

हालांकि गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का समर्थन मिल रहा है। बेढम भरतपुर से विधायक हैं और गुर्जर समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उन्हें कुछ हद तक सत्ता का संकेत मिल रहा है। राज्यमंत्रियों का कहना है कि वे नाराज नहीं हैं, लेकिन काम न मिलने से परेशान हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से कई बार काम की मांग की है परंतु केवल आश्वासन ही मिला है। विधानसभा सत्र से पहले या बाद में उन्हें कार्य का बंटवारा होने की उम्मीद है। सरकार तो जल्द से जल्द राज्यमंत्रियों को जिम्मेदारियां देने के लिए विचार कर रही है परंतु कैबिनेट मंत्रियों को अपने मंत्रालयों में दखल गवारा नहीं, इस परिस्थिति में राज्यमंत्री सिर्फ नाम और प्रोटोकाल के ही मंत्री रहेंगे या कुछ काम भी इनके हाथ लगेंगे, इसका खुलासा तो समय आने पर ही हो पाएगा।

जयपुर के स्टूडेंट के पास मिली इंटरनेशनल ड्रग एलएसडी

- *स्टाम्प टिकट की तरह दिखती है, अमेरिका, रूस यूरोप में चलन*
- *झाड़ू, कोण और वाइपर में एमडी की तस्करी*

जोधपुर, 28 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से ड्रग इंडस्ट्री के राजस्थान में शिफ्ट होने के साथ ही इंटरनेशनल ड्रग मिलने का खुलासा हुआ है। पिछले 5 सालों में पहली बार नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एलएसडी जब्त किया है। जो जयपुर के एक स्टूडेंट के पास मिला था। यह वो ड्रग है जिसे लेने के बाद इंसान को मतिभ्रम का एहसास होता है। सबसे खास यह कि यह स्टाम्प टिकट की तरह दिखता है। आम इंसान इसे पहचान ही नहीं सकता।

एनसीबी जयपुर-जोधपुर जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी के अनुसार, तस्करों के लिए राजस्थान ड्रग खपाने का सबसे बड़ा एरिया बन चुका है। यहां इंटरनेशनल ड्रग जब्त होने के साथ ही अन्य प्रदेश और राज्यों से आए स्टूडेंट पैडलर के बड़े खरीदार बन रहे हैं। सोनी बताते हैं- तस्कर अब झाड़ू के कवर, अमेजॉन के पार्सल, मेंहदी के कोण और वाइपर के जरिए इसकी सप्लाई करते हैं।

एनसीबी के आंकड़ों के अनुसार, 2019 से लेकर 2023 तक चरस, गांजा, अफीम, डोडा पोस्त जैसी ड्रग्स की तस्करी जारी थी। इसके

बाद अचानक जोधपुर, सिरोही, सांचौर, बाड़मेर में लगातार ड्रग्स की फैक्ट्रियां पकड़ी जाने लगी। साल 2024 में एमडी और एलएसडी जैसी ड्रग्स भी पकड़ी गई। ये वो ड्रग हैं जो अब तक देश के बड़े शहरों में ही यूज आ रही थी। इन ड्रग की कीमत करोड़ों में है। 2024 इनका राजस्थान में आना खतरे का संकेत का संकेत हैं।

स्टूडेंट में डेवलप हुआ ड्रग कल्चर

इस पूरे मामले को लेकर एनसीबी के जोनल डायरेक्टर सोनी कहते हैं- राजस्थान में कोटा, चित्तौड़गढ़ यानी हाड़ौती बेल्ट अफीम और अन्य नशे का कल्टीवेशन एरिया है। जहां ड्रग्स की खेती होती है। पिछले 5 सालों में जोधपुर संभाग में नशे की खपत बढ़ी है। जयपुर, अलवर और एनसीआर के टच में आने वाले क्षेत्रों में आर्टिफिशियल ड्रग्स का चलन बढा है। इधर गंगानगर, हनुमानगढ़, बाड़मेर और जैसलमेर के एरिया में पाकिस्तान के जरिए ड्रोन से ड्रग्स आने की सूचनाएं मिलती रहती हैं। ये लोग स्टूडेंट्स को निशाना बनाते हैं। जिससे बाहर के राज्यों से आने वाले स्टूडेंट्स से यहां मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में इस्तेमाल हो रही ड्रग का कल्चर डेवलप हुआ है।

एलएसडी का पहला मामला जयपुर में

सोनी बताते हैं-एनसीबी ने अप्रैल के महीने में पहली बार जयपुर से एलएसडी (लिसेर्जिक एसिड डाइएथाइलैमाइड) का पहला मामला पकड़ा था। यह ड्रग हाईप्रोफाइल लोग यूज करते हैं। ज्यादातर अमेरिका, रूस व यूरोपियन कंट्री में इसका यूज होता है। यह स्टांप टिकट की तरह नजर आता है। आसानी से आम लोग इसे पहचान नहीं पाते हैं। नशा करने वाले स्टूडेंट इस पेपर को अपनी जीभ पर रखते हैं। राज्य का पहला मामला जयपुर के स्टूडेंट्स का सामने आया।

रैगिंग के विरोध में विप्र फाउंडेशन का प्रदर्शन

उदयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। डूंगरपुर के मेडिकल कॉलेज में विप्र समाज के छात्र की रैगिंग करते हुए उसके साथ अमानवीय कृत्य करने के विरोध में विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने जिला कलक्ट्री पर प्रदर्शन किया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलक्टर को ज्ञापन भी सौंपा। विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारी केके शर्मा, कौशल आमेटा के नेतृत्व में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़ को दिए ज्ञापन में बताया कि डूंगरपुर के मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले विप्र समाज के फर्स्ट ईयर के छात्र पत्रकार कॉलोनी डूंगरपुर निवासी प्रथम व्यास पुत्र दीपेन व्यास के साथ रैगिंग की। सीनियर छात्रों ने जूनियर को धूप में खड़ा कर 48 डिग्री तापमान में 350 उठक-बैठक लगवाईं।

उदयपुर में डूबने से दो युवकों की मौत

उदयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। उदयपुर में आज सुबह डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। एक हादसा फतहसागर झील पर हुआ, जिसमें चाचा के साथ घूमने आया युवक डूब गया। वह ट्यूब लेकर स्वीमिंग करने उतरा था लेकिन गहरे पानी में जाने से मौत हो गई। युवक फुटबॉल का अच्छा प्लेयर था और इस संडे को दोस्तों के साथ मैच की प्लानिंग थी। वहीं दूसरा हादसा आयड़ क्षेत्र में भी गंगू कुंड में हुआ। कुंड में भी एक युवक की डूबने से मौत हो गई। फहतसागर झील में डूबा युवक मंथन (23) पुत्र देवेंद्र सिंह अधिकारी था। वह उदयपुर शहर के मादड़ी लिंक रोड स्थित छोटी पीपली चौक निवासी का रहने वाला था। वह आज सुबह करीब 6 बजे अपने चाचा और उनकी बेटियों के साथ फतहसागर झील पर गया था।

किरोड़ी के तबादलों पर दिलावर बैकफुट पर

इंजीनियरों के ट्रांसफर को गलत बताकर जॉइनिंग रोकी

अब नए आदेश में लिखा-हमें आपत्ति नहीं

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की मंजूरी के बाद किए गए तबादलों को रोकने के आदेश से अब पंचायतीराज विभाग ने यू-टर्न ले लिया है। पहले कृषि विभाग से जिला परिषदों और पंचायत समितियों में इंजीनियरों के ट्रांसफर, पोस्टिंग को गलत बताने के आदेश को अब पंचायतीराज विभाग ने बदल दिया है।

पहले जिन तबादलों को गलत बताया था, अब उन्हें सही ठहरा दिया है। पंचायतीराज आयुक्त ने अब दूसरा आदेश निकालकर कृषि विभाग के इंजीनियरों के तबादलों को सही ठहरा दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के सामने मंत्री मदन दिलावर बैकफुट पर आ गए।

किरोड़ीलाल मीणा
कृषि मंत्री और ग्रामीण विकास विभाग

मदन दिलावर
शिक्षा मंत्री और पंचायती राज विभाग

नए आदेश में लिखा-जॉइनिंग करवाने पर कोई आपत्ति नहीं

पंचायती राज आयुक्त रवि जैन ने अब सभी जिला परिषदों को नया लेटर जारी कर 25 जून को जारी आदेश को 27 जून को देर शाम बदल दिया है। नए आदेश में तर्क दिया है कि पहले वाले तबादलों पर आपत्ति नहीं है। अब तर्क दिया है कि विभागीय पदों का मतलब ग्रामीण विकास पंचायतीराज कैडर के लिए जिला परिषदों और पंचायत समितियों में असिस्टेंट इंजीनियर (एईएन) और एक्जीक्यूटिव इंजीनियर (एक्सईएन) से है। जलग्रहण विकास और भू-संरक्षण विभाग के इंजीनियरिंग कैडर के स्वीकृत पदों पर पोस्टिंग किए जाने की स्थिति में जॉइनिंग करवाने पर इस विभाग को कोई आपत्ति नहीं है। सभी जिला परिषदों को अब यह ताजा आदेश भेजकर स्पष्टीकरण दिया है।

पंचायतीराज आयुक्त रवि जैन ने 25 जून को जिला परिषदों के सीईओ को लेटर जारी किया था। जिसमें लिखा था कि कृषि विभाग ने उनके विभाग के इंजीनियरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग बिना पंचायतीराज विभाग की मंजूरी से जिला परिषदों, पंचायत समितियों में किया है। कृषि विभाग के इंजीनियरों के तबादले बिना पंचायती विभाग की अनुमति से करना उचित नहीं है। कृषि विभाग पंचायती राज विभाग के पदों पर पोस्टिंग करने करने के लिए सक्षम प्राधिकारी नहीं है।

महिला डॉक्टर कंपाउंडरों से परेशान

कहा-मैं गलत कदम उठाती हूं तो उसके जिम्मेदार यही होंगे

दौसा, 28 जून (एजेंसियां)। दौसा जिले में एक महिला डॉक्टर ने अपने साथी कंपाउंडर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। बताया जा रहा है डॉक्टर के साथी स्टाफ ने कई बार गाली-गलौज और धमकियां भी दी हैं। इसे लेकर अब महिला डॉक्टर ने कहा है कि यदि मैं मानसिक रूप से पीड़ित होकर कोई गलत कदम उठाती हैं तो दोनों कंपाउंडर ही उसके जिम्मेदार होंगे। मामला दौसा जिले के महुआ उपखंड के खोचपुरी और रसीदपुर औषधालय का है। जहां आयुर्वेद कंपाउंडर मलखान मीणा और वैद्य अंजलि मीणा कार्यरत हैं। अंजलि मीणा का आरोप है कि कंपाउंडर मलखान मीणा और कंपाउंडर सूर्यकुमार पिछले कई दिनों से उसे परेशान कर रहे हैं।

माता-पिता ने रचा बच्ची की हत्या का षड्यंत्र

दुष्कर्म का आरोप लगाकर दूसरे के सिर मढ़ा मामला

भरतपुर, 28 जून (एजेंसियां)। भरतपुर संभाग में आने वाले करौली जिले के हिंडौन सिटी में 10 साल की मूक-बधिर बच्ची डिंपल मीणा की हत्या के मामले में भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया है। डिंपल मीना की हत्या माता-पिता और उसके मामा ने षड्यंत्रपूर्वक की थी। बाद में तीनों ने ललित मीणा नाम के व्यक्ति को मामले में फंसाने के लिए दुष्कर्म के बाद पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की बात कही।

पुलिस जांच के दौरान मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीड़िता के साथ दुष्कर्म नहीं होना और बच्ची की मौत जहर से होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता के माता-पिता और मामा के साथ सख्ती से पूछताछ की तो तीनों ने अपना जुर्म कबूल लिया। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने अपनी मां को दूसरे व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। उसके बाद पीड़िता और मां के बीच विवाद हुआ और पीड़िता नाराज होकर घर से चली गई और पेट्रोल डालकर आग लगा ली। पीड़िता के माता-पिता ने हिंडौन के सरकारी अस्पताल में उसे भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में उसे जयपुर में एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया। इलाज के दौरान तीनों ने षड्यंत्र रचकर फ्रूटी में जहर मिलाकर बच्चों की दूध वाली बोतल से बच्ची को पिलाया, जिसके चलते पीड़िता ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि 9 मई को हिंडौन सिटी स्थित नई मंडी थाने पर सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और बच्ची के बयान दर्ज करने के प्रयास किए लेकिन बच्ची बयान देने की स्थिति में नहीं थी। इसके बाद बच्ची की हालत गंभीर होने पर जयपुर एसएमएस अस्पताल रैफर कर दिया गया। नई मंडी थाना पुलिस बच्ची के बयान लेने एसएमएसख जयपुर भी गई लेकिन माता-पिता ने बाद में रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही। इसके बाद थाना टोडाभीम निवासी पीड़िता के पिता करन सिंह ने नई मंडी थाने में सोच-समझकर एक रिपोर्ट दी, जिसमें 9 मई की सुबह कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बच्ची को जलाकर रेलवे लाइन की तरफ भागना बताया गया।

सरकारी अस्पतालों के पास नहीं है बिजली का बिल जमा कराने का बजट

कनेक्शन काटने के नोटिस जारी

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। वित्त विभाग के अफसरों ने राजस्थान को किस गर्त में ढकेला है इसके रुझान तो समय-समय पर सामने आते ही हैं। ताजा मामला सरकारी अस्पतालों को मिले बिजली विभाग के नोटिस का है। इसमें बिल नहीं जमा करवाए जाने की स्थिति में कनेक्शन काटने की चेतावनी जारी की गई है।

राजस्थान के लगभग हर सरकारी महकमे की एक समस्या कॉमन है कि बजट के अभाव में छोटे-बड़े काम अटके हुए हैं। हालत इतनी पतली है कि बिजली के बिल जमा करवाने के लिए भी बजट नहीं है। इसी के चलते राजधानी जयपुर के सीएमएचओ को बिजली कनेक्शन काटने का नोटिस जारी हुआ है। गुरुवार को जारी इस नोटिस में बिजली बिल जमा नहीं कराने की स्थिति में कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई है। इधर कर्मचारियों का कहना है कि उनके पास छोटे-मोटे काम के लिए भी बजट नहीं है। इसके लिए सरकार को कई बार चिट्ठियां भी लिख चुके हैं। बिजली विभाग ने 2 लाख 50 हजार रुपये का बिल थमाया है। यह बिल कई महीनों से इकट्ठा हो रहा था। आखिरकार अब कनेक्शन काटने के नोटिस जारी करने पड़े हैं।

झुंझुनूं में करंट की चपेट में आए 5 लोग,1 बहा

सिरोही में नदी में पलटा ट्रैक्टर, बाड़मेर-जैसलमेर में कॉलोनियां डूबीं, पुल बहने से रास्ता बंद

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के 20 जिलों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। आज जोधपुर, बूंदी, जैसलमेर, सवाई माधोपुर, झुंझुनूं, कोटा, दौसा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद, सीकर, भरतपुर समेत कई जिलों में बरसात हो रही है। झुंझुनूं में शुक्रवार को तेज बरसात हुई। इस दौरान कोतवाली थाना इलाके में पंचदेव मंदिर के पास 5 लोग करंट की चपेट में आ गए। इस दौरान सड़क पर घुटनों तक तेज बहाव के साथ पानी बह रहा था। करंट का झटका लगने के बाद 3 लोग पानी में गिर गए और बहने लगे। 2 लोगों को 200 मीटर बहने के बाद लोगों ने बाहर निकाल लिया, जबकि 1 व्यक्ति बह गया। उसकी मौत हो गई। जोधपुर में 30 मिनट तक हुई तेज बारिश से भीतरी शहर में सड़कों पर

पानी बहने लगा। चांदपोल विद्याशाला के पास पानी के तेज बहाव में बाइक सवार युवक गिर गया और उसकी बाइक बहने लगी। आसपास के लोगों ने उसे बचाया। त्रिपोलिया बाजार में भी सड़क पर तेज बहाव के साथ पानी बहने लगा। सिरोही जिले में तेज बारिश के बाद बरलूट थाना क्षेत्र में तेज बहाव के साथ नदी बहने लगी है। गोल गांव में सड़क पर बनी रपट पर पानी का बहाव तेज होने के बाद भी ट्रैक्टर ड्राइवर ने सड़क पार की कोशिश की, लेकिन ट्रैक्टर रपट के नीचे जाकर पलट गया। मौसम केन्द्र जयपुर ने राजस्थान में अगले 10 दिन प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई है। आज भी राजस्थान के 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। बाकी सभी जिलों में सामान्य बारिश के साथ आंधी और बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। भरतपुर और जयपुर के आसपास के जिलों में 29-30 जून को भारी से अतिभारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है।

टीएसडीसीए ने हैदराबाद में जब्त कीं नकली दवाएं

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नकली दवाओं के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने नकली दवाएं 'वर्टिन 8' टैबलेट और 'वर्टिन 16' टैबलेट जब्त की हैं, जिनके बारे में झूठा दावा किया गया था कि वे एबॉट इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित हैं। टीएसडीसीए के औषधि निरीक्षकों ने खुफिया सूचना के आधार पर हैदराबाद के सुल्तान बाजार स्थित गोयल फार्मा और मूसारामबाग स्थित यशवंत फार्मा में छापे मारे और वर्टिन 8 (बीटाहिस्टाइन टैबलेट) और वर्टिन 16 टैबलेट के नकली संस्करण जब्त किए, जिन्हें डॉक्टरों द्वारा मेनियर रोग के लक्षणों के उपचार के लिए निर्धारित किया जाता है, जिसमें वर्टिगो (चक्कर आना और चक्कर आना), टिनिटस (कानों में बजना), सुनने में कमी और मतली शामिल हैं।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने एक बयान में कहा कि गुरुवार और शुक्रवार को छापेमारी के दौरान दोनों दवाओं के बड़े स्टॉक जब्त किए गए और मूल निर्माता से संदिग्ध बैचों के लिए तुलनात्मक विवरण प्राप्त किया गया। जनगांव जिले के घनपुर थाना क्षेत्र के शिवुनिपल्ली गांव में एक मेडिकल दुकान से अत्यधिक कीमत पर बिक रहे इट्राग्रिल-200 कैप्सूल का स्टॉक भी जब्त किया गया। ये कैप्सूल प्रकृति में एंटी-फंगल हैं और एनपीपीए द्वारा निर्धारित औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुसार मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत आते हैं।

इट्राग्रिल-200 कैप्सूल के जब्त किए गए स्टॉक को 10 कैप्सूल के लिए 289.50 रुपये में बेचा जा रहा था, जो उत्पाद लेबल में एमआरपी है और प्रत्येक कैप्सूल की कीमत लगभग 29 रुपये है। हालांकि, इस दवा के एक कैप्सूल के लिए एनपीपीए की अधिकतम कीमत 24.77 रुपये (जीएसटी सहित) है। टीएसडीसीए के अनुसार, फर्म ने 10 कैप्सूल के लिए 41.80 रुपये से अधिक कीमत वसूली, जो ड्रग्स (मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013) का उल्लंघन है।

टीएसडीसीए ने कहा कि उन्होंने बाजार में भ्रामक दावों के साथ चल रही कुछ दवाओं का पता लगाया है और उन्हें जब्त कर लिया है, जिनमें कहा गया है कि वे गुर्दे की पथरी, गुर्दे की पथरी और बवासीर का इलाज करती हैं। जब्त उत्पादों में गुर्दे की पथरी के इलाज का भ्रामक दावा करने वाली आयुर्वेद दवा ब्लास्टोन सिरप (बालू हर्बल्स, रंगारेड्डी जिला द्वारा निर्मित), कैरीवेंट टैबलेट (ओनिका ऑर्गेनिक्स, करनाल) और डॉलर कंपनी, टोंडियारपेट, चेन्नई द्वारा निर्मित बवासीर के लिए एलोपैथिक दवा हैंडेन्सा ऑइंटमेंट शामिल हैं।

सिविल असिस्टेंट सर्जन के 435 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (टीएस-एमएचएसआरबी) ने शुक्रवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक (डीपीएचएंडएफडब्ल्यू)/चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) और निवारक चिकित्सा संस्थान (आईपीएम) में सिविल सहायक सर्जन (सीएएस) के 435 पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की।

पदों के विवरण में जोन-I में 271 सीएएस पद और जोन-II में 164 पद शामिल हैं, जिनका वेतनमान वरिष्ठता के आधार पर 58,850 रुपये और 1,37,050 रुपये होगा।

आवेदकों का चयन 100 अंकों के आधार पर किया जाएगा, जिसमें से 80 अंक योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के लिए दिए जाएंगे, जबकि बाकी अंक राज्य सरकार के अस्पतालों/संस्थानों/कार्यक्रमों में अनुबंध/आउटसोर्स के आधार पर सेवा के लिए दिए जाएंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि चयनित उम्मीदवार निजी प्रैक्टिस के लिए पात्र नहीं होंगे।

प्रत्येक आवेदक के लिए ऑनलाइन आवेदन शुल्क 500 रुपये है और आवेदकों को एमएचएसआरबी वेबसाइट पर 120 रुपये का प्रसंस्करण शुल्क भी देना होगा।

ज़ोन- I को कवर करने वाले जिलों में आसिफाबाद कुमारम भीम, मनचेरियल, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जगित्याल करीमनगर, सिरसिला-राजन्ना, सिद्दीपेट, मेडक, कामारेड्डी कोठागुडेम-भद्राद्री, खम्मम, महबुबाबाद, हनुमाकोंडा (वारंगल शहरी) और वारंगल (वारंगल ग्रामीण) शामिल हैं।

ज़ोन- II में सूर्यापेट, नलगोंडा, भोंगिर-यदाद्री, जनगांव मेडचल-मलकजगिरी, हैदराबाद, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, विकाराबाद, महबूबनगर, नारायणपेट, जोगुलम्बा-गडवाल, वानापर्थी और नागरकुर्नूल शामिल हैं।

तेलंगाना मुद्दे पर जारी रहेगी कांग्रेस की चर्चा

सीएम रेवंत के दिल्ली में ही रहने की संभावना

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की नियुक्ति और अन्य पहलुओं पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और अन्य कैबिनेट मंत्रियों सहित तेलंगाना कांग्रेस नेताओं के साथ एआईसीसी की बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में हुई। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के आवास पर जाने से पहले मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी के साथ बैठक की।

उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने नई दिल्ली में संवाददाताओं को बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के साथ बैठक में नेताओं ने नये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति, मंत्रिमंडल विस्तार, अन्य दलों से विधायकों के प्रवेश तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की। उपमुख्यमंत्री, जो गुरुवार को राज्य के कोत्तागुडेम में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे थे, को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा बुलाए जाने के बाद शाम को नई दिल्ली जाना पड़ा। अन्य नेताओं में एमएलसी महेश कुमार गौड़, पूर्व सांसद मधु यशवंत गौड़ पीसीसी पद के लिए प्रमुख दावेदार हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री शुक्रवार को भी दिल्ली दौरे पर रहेंगे। उम्मीद है कि वह एआईसीसी नेतृत्व से मिलेंगे और नए पीसीसी अध्यक्ष की नियुक्ति तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्हें शुक्रवार को वारंगल जाना था और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेना था। लेकिन, रिपोर्टों के अनुसार, कार्यक्रम शनिवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं।

दलबदलू विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने का खतरा

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए 5 बीआरएस विधायकों की अयोग्यता आसन्न प्रतीत होती है। इस स्थिति ने वर्ष के अंत तक संभावित उपचुनावों के लिए मंच तैयार कर दिया है, जब तक कि कांग्रेस अगले कुछ हफ्तों में बीआरएस विधायक दल के दो-तिहाई सदस्यों का अपने दल में विलय नहीं करा लेती।

जब दलबदल शुरू हुआ

इस साल 17 मार्च को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र और तत्कालीन चेवेल्ला सांसद जी रंजीत रेड्डी को पार्टी में शामिल करने के बाद दलबदल शुरू हुआ। बीआरएस ने तुरंत 18 मार्च को स्पीकर को अयोग्यता याचिका प्रस्तुत की जो अभी भी लंबित है। इसके तुरंत बाद, स्टेशन घनपुर विधायक कदियम श्रीहरि और भद्राचलम विधायक तेलम वेंकट राव क्रमशः 31 मार्च और 7 अप्रैल को कांग्रेस में शामिल हो गए।

जब बीआरएस ने दूसरी याचिका पेश करने का प्रयास किया, तो स्पीकर की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इसलिए, विधायक केपी विवेकानंद ने 10 अप्रैल को पंजीकृत डाक और ईमेल के माध्यम से दो विधायकों की अयोग्यता की मांग करते हुए याचिका प्रस्तुत की। बाद में, बांसवाड़ा के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी और जगतियाल के विधायक एम संजय कुमार क्रमशः 21 और 23 जून को कांग्रेस में शामिल हो गए। बीआरएस ने उनके खिलाफ अयोग्यता याचिका पंजीकृत डाक और ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत करने का विकल्प चुना, क्योंकि स्पीकर ने नियुक्ति के लिए उनके अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

बीआरएस कानूनी लड़ाई जारी

स्पीकर गद्दाम प्रसाद की ओर से कोई जवाब न मिलने पर बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और केपी विवेकानंद ने इस मामले को तेलंगाना उच्च न्यायालय में ले जाकर स्पीकर को दलबदलू विधायकों को अयोग्य घोषित करने का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि स्पीकर को अयोग्यता याचिकाओं पर 3 महीने के भीतर फैसला करना चाहिए। तेलंगाना उच्च न्यायालय इन रिट याचिकाओं पर 3 जुलाई को सुनवाई करने वाला है। उच्च न्यायालय को भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पैराग्राफ 30 और 33 के अनुसार तीन महीने के भीतर फैसला करना है। यदि यह मुद्दा अनसुलझा रहता है, तो बीआरएस इसे सर्वोच्च न्यायालय तक ले जाने की योजना बना रही है तथा सभी दलबदलू विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने की याचिका में शामिल करने की मांग करेगी।

विधायी और कानूनी ढांचा

भारतीय संविधान की अनुसूची 10 के तहत, अध्यक्ष विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार न्यायाधिकरण है। केशम मेघचंद्र सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने इस बात को पुख्ता किया कि अध्यक्ष को ऐसे निर्णय उचित अवधि यानी तीन महीने के भीतर लेने चाहिए, जब तक कि असाधारण परिस्थितियां न हों। दलबदल विरोधी कानून में आगे यह भी प्रावधान है कि विधायक अयोग्यता से तभी बच सकते हैं जब उनकी पार्टी के दो-तिहाई विधायक किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाएं।

विडंबना यह है कि हरियाणा के कांग्रेस नेता पार्टी विधायक किरण चौधरी की अयोग्यता की मांग कर रहे हैं, जो राज्य में भाजपा में शामिल हो गई हैं। वे राज्य विधानसभा अध्यक्ष से उन्हें तुरंत अयोग्य घोषित करने की मांग कर रहे हैं। वे तेलंगाना में बीआरएस द्वारा दलबदलू विधायक की अयोग्यता के लिए उठाए गए उन्हीं मामलों और कारणों का हवाला दे रहे हैं।

इस महीने की शुरुआत में स्पीकर को लिखे एक लिखित रिमाइंडर में कांग्रेस नेता आफताब अहमद और बीबी बत्रा ने कहा कि दसवीं अनुसूची स्पीकर को किसी भी सदस्य के पार्टी की सदस्यता से स्वैच्छिक त्याग के बारे में पता चलने पर स्वतः संज्ञान लेने का अधिकार देती है। कांग्रेस ने पहले 19 जून को अयोग्यता के लिए स्पीकर को एक पत्र लिखा था।

50 सिंचाई अधिकारियों ने न्यायमूर्ति घोष आयोग को सौंपा हलफनामा

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के निर्माण में कथित खामियों की जांच कर रहा न्यायिक आयोग जल्द ही सार्वजनिक सुनवाई करेगा। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश पिनाकी चंद्र घोष के नेतृत्व में गठित आयोग ने परियोजना बैराज के निर्माण से जुड़े अधिकारियों और एजेंसियों के साथ गहन बातचीत की। इससे पहले आयोग के समक्ष उपस्थित इंजीनियरों से हलफनामे के रूप में अपनी टिप्पणियां और जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया था। उनमें से 50 ने 26 जून को आयोग के समक्ष अपने हलफनामे प्रस्तुत किए हैं। यहां तक कि परियोजना कार्यों में शामिल सेवानिवृत्त इंजीनियरों ने भी हलफनामों में अपना पक्ष प्रस्तुत किया। आयोग का ध्यान मुख्य रूप से निर्माण कार्यों के प्रमुख पहलुओं जैसे लापरवाही, अनियमितताएं और मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज की योजना और निर्माण में मुद्दों पर था।

स्कूल बस दुर्घटना में 6 लोग घायल

वारंगल, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के हनमकोंडा-कमलापुर मंडल में शुक्रवार सुबह मुख्य सड़क पर एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से स्कूल बस को टक्कर मार दी, जिससे बस पलट गई, जिसमें 3 स्कूली छात्रों सहित छह लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब एकशिला स्कूल की स्कूल बस मुख्य सड़क पर यू-टर्न ले रही थी। 3 यात्रियों को लेकर एक तेज़ रफ़्तार कार ने बस को पीछे से टक्कर मार दी और टक्कर के कारण बस पलट गई। दुर्घटना के समय बस में 30 छात्र सवार थे। राहगीरों ने छात्रों को बस से और तीन यात्रियों को कार से बाहर निकाला। कार में सवार गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जबकि एकशिला स्कूल के विद्यार्थियों को कोई बड़ी चोट नहीं आई, केवल तीन को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल क्लब द्वारा बालयम चाइल्ड केयर अनाथाश्रम उस्मान गंज हैदराबाद में बच्चों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम दोनैरिया, कोषाध्यक्षा रचना गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य मीनू, श्वेता, कंचन, करुणा, दिव्या, शिप्रा, प्राची एंव अन्य।

बिना नंबर प्लेट के गाड़ी चलाने पर दर्ज होगा धोखाधड़ी का मामला

खम्मम, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने बताया कि बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। सीपी ने शुक्रवार को यहां ट्रैफिक पुलिस स्टेशन का दौरा किया और शहर में बिना नंबर प्लेट के घूमते पकड़े गए 45 दोपहिया वाहन सवारों को परामर्श दिया।

हाल के दिनों में, चेन स्नैचिंग और चोरी के मामलों में आरोपी पुलिस के सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए दोपहिया वाहनों की नंबर प्लेट हटा रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पाया गया कि ज्यादातर अपराध चोरी के वाहनों से किए गए थे।

दत्त ने कहा कि चोरी के वाहनों के फर्जी दस्तावेज बनाकर उन्हें कम दामों पर बेचा जाता है, इसको ध्यान में रखते हुए कोई भी व्यक्ति जो वाहन खरीदता या बेचता है, उसे रजिस्ट्रेशन जरूर बदलवाना चाहिए, अन्यथा यदि उनका वाहन किसी अपराध में संलिप्त पाया गया तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने यातायात पुलिस को निर्देश दिया कि वे बिना नंबर प्लेट वाले तथा छेड़छाड़ किए गए नंबर प्लेट वाले वाहनों को जब्त करने के लिए विशेष अभियान चलाएं। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के कागजात तथा चेसिस नंबर की जांच करें तथा यह सत्यापित करें कि वे चोरी के वाहन तो नहीं हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग बिना नंबर प्लेट के वाहन चला रहा है और अभिभावकों को अपने बच्चों को इस बारे में सचेत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहनों पर नंबर प्लेट लगाने के बाद ही उन्हें उनके मालिकों को सौंपा जाना चाहिए। इस अवसर पर ट्रैफिक एसीपी श्रीनिवासुलु, सीआई मोहन बाबू, एसआई रवि और सागर मौजूद थे।

हिन्दी गीत गायन प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, अमरावती स्थानीय प्रधान कार्यालय, गनफौण्ड्री, हैदराबाद में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में समस्त बैंक एवं बीमा कंपनियों के प्रतिभागियों द्वारा हिन्दी गीत गायन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों सहित सदस्य कार्यालयों से आए राजभाषा अधिकारी एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल विकास अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक राहुल सांकृत्या ने कहा कि हिन्दी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है एवं पूरे राष्ट्र को एक माला में पिरोए है। इस प्रकार के आयोजन से स्टाफ सदस्यों के बीच विशेषकर हिन्दीत्तर राज्यों में हिन्दी के विकास को बल मिलता है साथ राष्ट्रीयता की भावना बलवती होती है। मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार पटेल के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम हुआ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव एवं सहायक महाप्रबंधक अजय तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। बतौर निर्णायक सरिता सुराना, वरिष्ठ साहित्यकार एवं संगीत विशेषज्ञ एवं शुभ्रा मोहंतो उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक रजनीश कुमार यादव, नाबार्ड बैंक(आंध्र) के हरप्रीत सिंह पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

सीएसआईआर में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर - राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में सीएसआईआर-एनजीआरआई, सीएसआईआर-सीसीएमबी तथा सीएसआईआर-आईआईसीटी के तत्वावधान में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला संपन्न हुई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रशासन नियंत्रक डी.वी.एस. शास्त्री ने की।

उन्होंने कहा कि इस संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का उद्देश्य केन्द्र सरकार के कर्मचारी को हिन्दी में मूल रुप से सरल, सुगम तथा सुबोध तरीके से कार्य करने के लिए सक्षम बनाना है। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार, प्रशासन अधिकारी चंदन कुमार उपस्थित थे।

कार्यशाला में हिन्दी में टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन, पठन-पाठन व लेखन अभ्यास एवं व्याकरण और संघ सरकार की राजभाषा नीति। राजभाषा कार्यान्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका शीर्षक विषयों पर दो सत्र संचालित किए गए। वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी चि. वें. सुब्बाराव, डॉ. सौरभ कुमार ने संचालन किया। कार्यशाला में तीनों प्रयोगशालाओं के लगभग 60 कर्मचारियों ने भाग लिया।

अतापुर में 8 अगस्त से श्रीमद् भागवत कथा

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 8 अगस्त से 15 अगस्त तक ब्रह्मचारी मठ, अत्तापुर में किया गया है। इसमें प्रख्यात कथा वाचक बाल व्यास हरिप्रिया वैष्णवी श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कराएंगी।

इस संदर्भ में 30 जून को सुबह 11 बजे ब्रह्मचारीमठ में मीटिंग का आयोजन किया गया है। मीटिंग में कार्यक्रम की रूपरेखा का विस्तार किया जाएगा एवं मुख्य अजमान और दैनिक जजमान का चयन किया जाएगा। समिति द्वारा कार्यक्रम को सुचारू बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा।

राजभाषा कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 28 जून(स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-आईआईआरआर में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता निदेशक डॉ. आरएम सुंदरम ने की। उन्होंने बताया कि तनाव प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का अभिन्न हिस्सा है। सभी को इसका समाना करना ही पडता है कोई भी इससे अछुता नहीं है।

सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरवीएस राव ने तनाव प्रबंधन पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी शीतांशु कुमार, सलाहकार प्रदीप सिंह आदि उपस्थित थे।

बीआरएस नेता आनंद गौड ने की समस्याएं हल करने की मांग

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल बीआरएस के नेता आनंद गौड ने नवनियुक्त खैरताबाद एचएमडब्ल्यूएस एंड एसवी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी से भेंट कर उन्हे विविध समस्याओं को हल करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर निदेशक ने उन्हें समस्याएं जल्द से जल्द हल करने का आश्वासन दिया।

आरपीएफ अंतर-मंडल बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आरपीएफ अंतर-मंडल बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024 आयोजन दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 26 जून से 28 जून तक मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम, रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में किया गया। मुख्यालय, सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल और गुंटूर डिवीजनों की कुल 6 टीमों ने चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। चैंपियनशिप चार अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित की गई थी पुरुष एकल और युगल तथा पुरुष एकल और युगल (45 वर्ष से अधिक आयु) मैच नॉकआउट राउंड में खेले गए।

पुरुष एकल और युगल दोनों खिताब मुख्यालय ने जीते और 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में पुरुष एकल भी मुख्यालय ने जीता और गुंतकल डिवीजन ने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में युगल खिताब जीता। सुश्री अरोमा सिंह, आईजी-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, एससीआर समापन समारोह में मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने खिलाड़ियों को विजेता ट्रॉफी प्रदान की। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सुश्री अरोमा सिंह ने कहा कि बैडमिंटन टूर्नामेंट जैसे खेल आयोजनों से आरपीएफ कर्मचारियों की नैतिक भावना को बढ़ावा मिलेगा और संगठन की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता में सुधार होगा। अनूप कुमार शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, हैदराबाद डिवीजन, अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम के दौरान मौजूद थे।

30 जून को होगा साहित्योत्सव

हैदराबाद, 28 जून(स्वतंत्र वार्ता)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय द्वितीय दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्योत्सव का आयोजन 30 जून से केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के सभागार सिकन्दराबाद में किया गया है। अध्यक्ष डॉ. रमा द्विवेदी एवं महासचिव दीपा कृष्णदीप ने बताया कि, दक्षिण भारत, हैदराबाद में इस संस्था का यह द्वितीय साहित्योत्सव आयोजित हो रहा है। इसमें बड़ी संख्या में साहित्यकार भाग लेंगे।

अभिभावक और छात्रों का 'रास्ता रोको' आंदोलन

मेदक, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल के शालिपेटा गांव के प्राथमिक विद्यालय और हाई स्कूल के अभिभावकों और छात्रों ने अधिकारियों पर हाल ही में हुए फेरबदल के बाद सिर्फ दो स्कूल सहायक शिक्षकों को आवंटित करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्कूल में एक हेडमास्टर के अलावा कम से कम आठ शिक्षकों की जरूरत है। छात्रों ने कहा कि मौजूदा शिक्षकों को कक्षाओं को नियंत्रित करने में भी मुश्किल हो रही है। उन्होंने रामायमपेट रोड पर रास्ता रोको आंदोलन किया, जिससे भारी ट्रैफिक जाम हो गया। पुलिस ने उन्हें यह आश्वासन देते हुए विरोध प्रदर्शन वापस लेने को कहा कि वे इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाएंगे।

गांधी भवन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव के जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि देते हुए एआईसीसी ओबीसी समन्वयक निर्मल कुमार यादव, हैदराबाद सेवा दल प्रमुख फखरुद्दीन, महेश, कृष्ण कुमार एवं अन्य।

बीआईएस में मानक मंथन सम्मेलन

हैदराबाद, 28 जून(स्वतंत्र वार्ता)। उपभोक्ताओं को गुणवत्ता के बारे में और निर्माताओं को गुणवत्ता की आवश्यकताओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्थानीय शीला नगर में आयोजित एक जन जागरूकता कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक रमाकांत सागर ने कहा कि, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करते हुए बीआईएस अधिनियम 2016 के अनुसार प्रत्येक माह राज्य में विभिन्न स्थानों पर विनिर्माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर गुणवत्ता प्रदान करने के बारे में बताया जा रहा है।

" भारतीय मानकों के विकास में गुणवत्ता का महत्व मानक मंथन शीर्षक से प्रस्तुत कार्यक्रम के मुख्य अंश आंध्र प्रदेश के विभिन्न प्लाइवुड विनिर्माण उद्योगों के प्रतिनिधियों सहित 35 लोगों ने भाग लिया। सीईडी के वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक प्रदीप शेकावत ने प्रमुख परिवर्तनों के परिणाम स्वरूप नए भारतीय मानकों में उत्पन्न होने वाले विभिन्न परिवर्तनों के बारे में बताया।

धागे बनाने के लिए दिशानिर्देशों के साथ आईएस 303: 2024, आईएस 710: 2024 और आईएस 4990: 2024 के कार्यान्वयन के लिए संशोधित मानक, वैज्ञानिक डी / संयुक्त निदेशक, सीएमडी III, आशीष कन्नर ने नए मानकों के बारे में बताया। इस बैठक में आंध्र प्रदेश के प्लाइवुड निर्माताओं सहित कई बीआईएस अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

10 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में इंडिया

> रोहित ने रन बनाए > कुलदीप-अक्षर ने इंग्लैंड को ऑलआउट किया > 2022 की हार का बदला पूरा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। इंडिया ने इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बना ली है। जीत एकतरफा हासिल की। कप्तान रोहित शर्मा ने रन बनाए। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने इंग्लैंड को ऑलआउट कर दिया। भारत 29 जून को रात 8 बजे द. अफ्रीका से भिड़ेगा। अफ्रीका पहली बार किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है।

गयाना की जिस पिच पर इंग्लिश बल्लेबाजी 103 रन पर सिमट गई, उस पिच पर रोहित की बल्लेबाजी का कॉन्फिडेंस सूर्यकुमार से कही गई एक बात से झलकता है। लियम लिविंगस्टन बॉलिंग कर रहे थे। रोहित ने सूर्या से कहा- ऊपर डालेगा तो देता हूं ना। यानी गेंद ऊपर फेंकने दो और मैं बड़ा शॉट खेलूंगा। अगली ही गेंद पर रोहित ने लिविंगस्टन को सिक्स लगाया।

रोहित-सूर्या के बाद बचा हुआ काम पूरा किया कुलदीप, अक्षर और बुमराह की गेंदबाजी ने। बटलर, बेयरस्टो और ब्रुक जैसे बल्लेबाज फिरकी में उलझ गए। सॉल्ट जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को बुमराह ने स्लोअर पर आउट कर दिया। इंडिया अब कल बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से खिताबी मुकाबला खेलेगी, जो पहली बार किसी वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची है। इंडिया 2007 में खिताब जीत चुकी है और 2014 का फाइनल हारी थी। इस वर्ल्ड कप में इंडिया ने अपने सभी मैच (सात जीते और एक रद्द) जीते हैं और फाइनल पहुंची। दूसरी ओर साउथ अफ्रीका भी अपने सभी आठ मैच जीतकर खिताबी मुकाबले में आई। रोहित शर्मा सेमीफाइनल मुकाबले में जीत के बाद (49 जीत) दुनिया के सबसे सफल टी-20 कप्तान बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम (48 जीत) को पीछे छोड़ा।

मैन ऑफ द मैच-अक्षर पटेल

अक्षर बल्लेबाजी करने आए तो 6 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। एक सिक्स लगाया। पारी सिर्फ 10 रनों की थी, लेकिन इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए जरूरी टोटल मिल गया। अक्षर ने 4 ओवर किए, 23 रन दिए और 3 विकेट लिए। अक्षर के चारों ओवर में विकेट गिरे। पहले ओवर की पहली ही गेंद पर इंग्लिश कप्तान जोस बटलर का विकेट लिया। दूसरे ओवर में जॉनी बेयरस्टो का विकेट लिया और तीसरे में मोईन अली का। चौथे ओवर में कुलदीप के साथ मिलकर लियाम लिविंगस्टोन को रनआउट किया।

इंडिया की जीत के दूसरे हीरोज

रोहित शर्माः इंडियन कैप्टन ने 57 रन बनाए। 4 चौके और 2 सिक्स जड़े। रोहित ने 39 गेंदों पर 146 के स्ट्राइक रेट से यह पारी खेली। इंग्लैंड के गेंदबाजों को हावी नहीं होने दिया और रनरेट कम नहीं होने दिया।

सूर्यकुमार यादव : सूर्या ने 47 रन की पारी खेली। 4 चौके और 2 सिक्स लगाए। रोहित के बाद टीम इंडिया की ओर से सबसे ज्यादा रन सूर्या ने ही बनाए।

कुलदीप यादव : चाइनामैन स्पिनर कुलदीप ने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन दिए। साथ ही हैरी ब्रूक, सैम करन और क्रिस जॉर्डन को पवेलियन भेजा।

जसप्रीत बुमराह : इंडियन पेसर ने 2. 4 ओवर फेंके। 12 रन दिए यानी हर ओवर में साढ़े चार रन। 2 विकेट लिए। ओपनर फिल सॉल्ट और इंग्लैंड की तरफ से सिक्स लगाने वाले इकलौते बैटर जोफ्रा आर्चर को पवेलियन भेजा।

इंडिया की जीत की 2 वजहें

1. रोहित-सूर्या की पार्टनरशिप

विराट कोहली सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए थे। पावरप्ले में ही ऋषभ पंत भी सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोहित और सूर्यकुमार ने 50 गेंदों पर 73 रन की पारी खेलकर भारत को लड़ने लायक टोटल तक पहुंचा दिया। ये इंडिया की तरफ से सबसे बड़ी साझेदारी थी।

2. स्पिनर्स ने इंग्लैंड को उलझाया

इंग्लैंड ने 2 स्पिनर्स इस्तेमाल किए, लियाम लिविंगस्टन और आदिल रशीद। रशीद ने 2 विकेट लिए। भारत ने तीन स्पिनर्स इस्तेमाल किए।

भारत का टीम परफॉर्मेंस : 7 मुकाबलों में 6 अलग-अलग प्लेयर ऑफ द मैच

वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले 9 किरदार

स्पोर्ट्स डेस्क, 28 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। टीम 29 जून को बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से खिताबी मुकाबला खेलेगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल और इंग्लैंड से 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की हार का बदला लिया और दोनों को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया। भारत की लगातार 7 जीत में 1 या 2 नहीं, बल्कि पूरे 9 प्लेयर्स का अहम योगदान रहा। टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे बाकी 3 खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस भले ही उतनी अच्छी न रही हों, लेकिन इन प्लेयर्स ने टीम के लिए कुछ मौकों पर अहम योगदान जरूर दिया।

7 मैच जीते, 6 खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच

भारत इस टी-20 वर्ल्ड कप में अजेय है, टीम ने ग्रुप और सुपर-8 स्टेज में 3-3 मैच जीते। कनाडा के खिलाफ ग्रुप मैच बेनतीजा रहा, वहीं सेमीफाइनल में टीम ने इंग्लैंड को मात दी। इन 7 मुकाबलों में 6 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने टूर्नामेंट में ज्यादा एक्सपेरिमेंट भी नहीं किए और 8 मैच में 12 ही प्लेयर्स को मौके दिए। शुरुआती 3 मैच खेलने वाले मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप यादव को लाए। कुलदीप ने बाद के 4 मैच खेले। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका ने ही टूर्नामेंट में सबसे कम 12 प्लेयर्स ट्राई किए। दोनों ही टीमें फाइनल में पहुंच गईं, बाकी सभी टीमों ने 13, 14 या 15 प्लेयर्स तक को मौके दे दिए।

रोहित ने कोहली पर सवाल उठाने वालों को किया खामोश!

एक शब्द से ही आलोचकों की जुबान पर जड़ दिया ताला

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारत टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है. उसने इंग्लैंड को हराकर नहीं, बल्कि बुरी तरह रौंदकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई. इस जीत के हीरो कप्तान रोहित शर्मा समेत कई खिलाड़ी रहे. विराट कोहली जैसे कुछ खिलाड़ी मैच में नाकाम भी रहे. कोहली पूरे टूर्नामेंट में ही उम्मीद पर खरे नहीं उतरे हैं. आलोचक इसी बात पर उन्हें निशाने पर लेने लगे हैं. इन आलोचकों को जवाब देने के लिए भारतीय टीम से कोई और नहीं, खुद कप्तान सामने आए. उन्होंने कहा कि कोहली ने शायद फाइनल के लिए अपना बेस्ट बचाकर रखा है. इंतजार कीजिए.भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 68 रन से हराया. भारत ने इस मुकाबले में 7 विकेट पर 171 रन बनाए. इसके बाद इंग्लैंड को 103 रन पर ऑलआउट कर दिया. कप्तान रोहित शर्मा ने फ्रंट से लीड करते हुए 57 रन की पारी खेली. विराट कोहली 9 रन बनाकर आउट हो गए. कोहली इस वर्ल्ड कप में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए हैं. वे पिछली 7 पारियों में से 5 में सिंगल डिजिट से आगे नहीं बढ़ सके। आलोचना झेल रहे कोहली को कप्तान रोहित शर्मा का पूरा साथ मिल रहा है. क्या कोहली फाइनल खेलेंगे, इस सवाल पर रोहित ने कहा, 'निश्चित. वे (कोहली) बेहतरीन खिलाड़ी हैं. कोई भी खिलाड़ी इससे (आउट ऑफ फॉर्म) गुजर सकता है. हमें उनकी क्लास पता है और बड़े मैचों में उनकी अहमियत को समझते हैं. जब आप 15 साल से क्रिकेट खेल रहे हैं, तो फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं होती.'

10 साल में गंवाए 10 आईसीसी टूर्नामेंट

> अब भारत के पास मायाजाल तोड़ने का मौका

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने टीम ने पिछले 10 सालों में 10 आईसीसी टूर्नामेंट खेले और हर बार खिताब से चूके हैं. भारतीय टीम ने 2013 में आखिरी आईसीसी ट्रॉफी जीती थी. तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी. उसके बाद से तीनों फॉर्मेट के 4 आईसीसी टूर्नामेंट में 2023 तक 10 बार हिस्सा लिया है. यह भारत का 11वां आईसीसी टूर्नामेंट है।

गुयाना, 28 जून (एजेंसियां)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में एंट्री कर ली है. इस अहम मुकाबले में भारत की टक्कर 29 जून को साउथ अफ्रीका से होगी. यह मैच बारबाडोस में ब्रिजटाउन के किंग्सटन ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा. मगर इससे पहले फैन्स को यह डर सताने लगा है कि भारतीय टीम जिस तरह पिछले 10 सालों से आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में चोकर्स बनती आ रही है, उसी तरह इस बार भी चोकर्स ना बन जाएगा. हालांकि इस बार भारत के पास यह चोकर्स वाला मायाजाल तोड़ने का सुनहरा मौका है।

दरअसल, आईसीसी टूर्नामेंट में चोकर्स के नाम से सिर्फ साउथ अफ्रीकी टीम पहचानी जाती है. वो हमेशा ही सेमीफाइनल में आकर चोक कर जाती है. मगर पिछले 10 सालों से यही हाल भारतीय टीम के साथ भी देखने को मिल रहा है. टीम ने पिछले 10 सालों में 10 आईसीसी टूर्नामेंट खेले और हर बार खिताब से चूके हैं।

भारत ने 2013 में जीती थी आखिरी आईसीसी ट्रॉफी

बता दें कि भारतीय टीम ने 2013 में आखिरी आईसीसी ट्रॉफी जीती थी. तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी. तब 2013 में इंग्लैंड को उसी के होमग्राउंड पर फाइनल हराया और ट्रॉफी पर कब्जा किया था. इसके बाद से भारतीय टीम कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है।

भारतीय टीम ने 2013 के बाद से तीनों फॉर्मेट (वनडे, टेस्ट, टी20) के 4 आईसीसी टूर्नामेंट में 2023 तक 10 बार हिस्सा लिया है. यह भारतीय टीम का 11वां आईसीसी टूर्नामेंट है. भारतीय टीम पिछले 10 में से 9 बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में क्वालिफाई किया है. जबकि एक बार (टी20 वर्ल्ड कप 2021) ग्रुप स्टेज से बाहर होना पड़ा है।

इस दौरान भारत ने 9 नॉकआउट स्टेज में कुल 13 मैच खेले, जिसमें से 4 में जीत और 9 में हार मिली है. भारतीय टीम ने जो 4 मैच जीते उसमें से 3 सेमीफाइनल रहे हैं, जबकि एक क्वार्टर फाइनल रहा. हालांकि भारतीय टीम को 9 मुकाबले गंवाने पड़े हैं, जिसमें 4 सेमीफाइनल और 5 फाइनल रहे हैं।

पिछले 10 आईसीसी टूर्नामेंट में 5 फाइनल खेले

इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि भारतीय टीम ने पिछले 10 साल में जो 10 आईसीसी टूर्नामेंट खेले हैं, उसमें भी 5 बार चैम्पियन बनने के एकदम करीब आकर मुकाबले गंवाए हैं. ऐसे में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि भारतीय टीम भी चौकर्स बनती जा रही है. हालांकि इसमें एक बात ये भी है कि भारतीय टीम 5 बार फाइनल खेल चुकी है।

जबकि चोकर्स अफ्रीकी टीम सेमीफाइनल में ही हारती रही है. उसने भी इस बार पहली दफा फाइनल में एंट्री की है. यह साउथ अफ्रीकी टीम का वर्ल्ड कप (वनडे-टी20) इतिहास का पहला फाइनल है. मगर दूसरी ओर भारतीय टीम के पास इस बार खिताब जीतकर आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने का मौका है. साथ ही यह भी बताने का मौका है कि वो चोकर्स नहीं है।

मीराबाई का लक्ष्य अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाने का

पेरिस ओलंपिक-2024

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है।

तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, 'पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (टोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।' मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिंग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है। मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।' उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी।' मणिपुर की इस खिलाड़ी ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान चोट से बचने पर है। उन्होंने हॉर्शिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी मौजूदगी से काफी मदद मिली है। मैं 2020 से उनके साथ काम कर रही हूं और वह अच्छे से समझते है कि मेरे शरीर में कहां परेशानी है। वह जानते है कि चोट से कैसे जल्दी उबरना है और किस तरह से अभ्यास को आगे बढ़ाना है।' मीराबाई ने कहा, 'मैंने चोटिल होने के बाद काफी कुछ सीखा है। उससे निपटने और उबरने के साथ सही खान-पान और विश्राम पर ध्यान देना काफी जरूरी होता है।' मीराबाई ओलंपिक की तैयारियों को दुरुस्त करने सात जुलाई को पेरिस जा रही है। वह वहां एक महीने तक अभ्यास करेंगे। ओलंपिक में उनकी स्पर्धा का आयोजन सात अगस्त को होगा। मीराबाई ने कहा, 'मैं सात जुलाई को पेरिस जा रही हूं। प्रतियोगिता से एक महीने पहले वहां पहुंचने से काफी फायदा मिलेगा।' उन्होंने अपना समर्थन करने के लिए साइ, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और आईडब्ल्यूएलएफ का शुक्रिया करते हुए कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक के मेजबान शहर में एक महीने तक अभ्यास का मौका मिलना बड़ी बात है।

शेफाली ने रचा इतिहास : सबसे तेज दोहरे शतक का बनाया रिकॉर्ड

16 साल पहले वीरू ने खेली थी बिल्कुल ऐसी पारी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. शेफाली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन दोहरा शतक जड़ा. 20 वर्षीय शेफाली महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज डबल सेंचुरी जड़ने वाली खिलाड़ी बन गई हैं. उन्होंने वीरेंद्र सहवाग की 16 साल पुरानी पारी की याद दिला दी. सहवाग ने भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई में ही इतनी ही गेंदों पर दोहरा शतक जड़ा था.

एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में शेफाली वर्मा ने गजब की बैटिंग की. उन्होंने 194 गेंदों पर दोहरा शतक जड़ा, जिसमें 22 चौके और 8 छक्के जड़े. उन्होंने 113 गेंदों पर अपना शतक जड़ा. शेफाली ने उप कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 292 रन की साझेदारी की जबकि एस शुभा के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 रन जोड़े वहीं जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर 86 रन की साझेदारी की. दाएं हाथ की बैटर शेफाली ने 66 गेंदों पर पचासा पूरा किया वहीं 113 गेंदों पर शतक जड़ा. 158 गेंदों पर शेफाली ने 150 रन पूरे किए.

स्मृति मंधाना ने खेली 149 रन की पारी

शेफाली वर्मा 205 रन बनाकर रनआउट हो गईं. उन्होंने 104 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. उप कप्तान स्मृति मंधाना ने 161 गेंदों पर 149 रन की पारी खेली जिसमें 27 चौके और एक छक्का शामिल था.

भारतीय टीम ने पहली पारी में 500 की ओर अग्रसर है. इसे संयोग ही कहा जाएगा कि आज से ठीक 16 साल पहले वीरेंद्र सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही चेन्नई में 194 गेंदों पर ही अपना दोहरा शतक पूरा किया था. सहवाग ने तब पहली पारी में 319 रन बनाए थे जिसमें 42 चौके और 5 छक्के शामिल थे. वीरू ने भी उस समय 194 गेंदों पर डबल सेंचुरी जड़ी थी. उन्होंने अपनी डबल सेंचुरी में 32 चौके और 2 छक्के जड़े थे।

फाइनल के दिन भी भारी बारिश की आशंका

बारबडोस, 28 जून (एजेंसियां)। टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल की सारी तैयारियां हो चुकी है। भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार यानी 29 जून को होने वाले ब्लॉकबस्टर खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे। केंसिंग्टन ओवल ग्राउंड दोनों अजेय टीम की टक्कर का साक्षी बनेगा, लेकिन इस महामुकाबले से पहले कई सवाल हमारे सामने हैं। मसलन पिच कैसी होगी, दोनों टीम की प्लेइंग इलेवन क्या होगी और सबसे बड़ा प्रश्न कि मौसम का मिजाज क्या होगा? भारत-इंग्लैंड के बीच 27 जून को हुए दूसरे सेमीफाइनल में बारिश ने जमकर लुका-छिपी खेली थी। एक वक्त तो लगने लगा था कि कहीं खराब मौसम और गीली आउटफील्ड के चलते मैच ही रद्द न हो जाए, लेकिन सौभाग्य से फैंस को पूरा 20-20 ओवर का मैच देखने को मिला। ऐसे में आइए जानते हैं कि बारबाडोस में टी-20 विश्व कप फाइनल के दौरान मौसम का क्या पूर्वानुमान है? अगले कुछ दिनों में पूरे क्षेत्र में बारिश का अनुमान है। ब्रिजटाउन, बारबडोस के लिए शनिवार, 29 जून और रविवार फाइनल के लिए रिजर्व डे) के लिए ताजा मौसम पूर्वानुमान में गरज के साथ बारिश की संभावना है। पूरा दिन आसमान में बादल छाए रहने की भविष्यवाणी है। शनिवार को बारिश की 78% संभावना है।

पीवीएनआर के सुधारों से भारत की वृद्धि में तेजी आई : सीएम

नई दिल्ली, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सुधारों के माध्यम से देश के विकास को गति देने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की प्रशंसा की है । मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नई दिल्ली में सीएम के आधिकारिक आवास पर पीवी नरसिम्हा राव की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। रेवंत रेड्डी ने पीवी के चित्र पर माल्यार्पण किया और देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा की गई सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा, "पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में पीवी की सेवाएं सराहनीय हैं।" उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, कोडाद विधायक एन पद्मावती रेड्डी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को श्रद्धांजलि दी।

छात्र संघों ने किशन रेड्डी के आवास पर किया प्रदर्शन

एनटीए को खत्म करने की मांग

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नीट-2024 आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को समाप्त करने की मांग को लेकर विरोध सभा आयोजित करने और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के आवास पर धावा बोलने की कोशिश करने वाले कई छात्र संघों को शुक्रवार सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अभिजीत यादव के नेतृत्व में एनएसयूआई, एसएफआई, एआईएसएफ, पीडीएसयू, पीवाईएल और टीजेएस के छात्र संघ नेताओं और सदस्यों ने नीट-2024 परीक्षाओं को तत्काल रद्द करने और जल्द से जल्द मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की मांग की। विभिन्न छात्र संघों के प्रदर्शनकारी सदस्यों ने मांग की कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को समाप्त करने के लिए तुरंत कदम उठाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारी नेताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें काचीगुडा पुलिस थाने भेज दिया।

राज्य को सिंचाई परियोजनाओं की बहुत जरूरत : चंद्रबाबू

सीएम ने पोलावरम पर श्वेत पत्र जारी किया

अमरावती, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आज सचिवालय स्थित अपने कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और विवादित पोलावरम परियोजना पर श्वेत पत्र जारी किया। गौरतलब है कि पिछले सोमवार को मुख्यमंत्री ने फील्ड विजिट के तहत पोलावरम परियोजना का दौरा किया था। सीएम ने कहा कि उन्होंने सात श्वेत पत्रों के तहत पोलावरम परियोजना पर पहला श्वेत पत्र जारी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और लोगों से राय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य को सिंचाई परियोजनाओं की बहुत जरूरत है।

पोलावरम परियोजना पर श्वेत पत्र जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने पोलावरम परियोजना की पूरी तरह उपेक्षा की और कहा कि इसके परिणामस्वरूप राज्य को अपूरणीय क्षति हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार की लापरवाही के कारण एक भी सिंचाई परियोजना पूरी नहीं हुई और कहा कि पोलावरम परियोजना का दुरुपयोग भी किया गया। उन्होंने याद दिलाया, "2014-2019 के अपने कार्यकाल के दौरान मैंने व्यक्तिगत रूप से परियोजना को पटरी पर लाने के लिए निगरानी की और परियोजना का 70% काम पूरा हो गया।"

पोलावरम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, नायडू ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पत्रकारों को स्पिलवे, कॉफ़र डैम और डायाफ्राम वॉल के निर्माण से संबंधित अपडेट के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने डायाफ्राम वॉल पर क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का भी ध्यान रखा। परियोजना का विवरण बताते हुए उन्होंने कहा कि गोदावरी नदी दक्षिण भारत में एकमात्र स्थान है जहाँ पानी उपलब्ध है। लगभग 3000 टीएमसी पानी समुद्र में चला जाता है।

इस पानी का उपयोग राज्य को सूखा मुक्त बनाने के लिए किया जाना चाहिए। 194 टीएमसी पानी संग्रहीत किया जा सकता है और 320 टीएमसी पानी का उपयोग किया जा सकता है। 7.2 लाख एकड़ की सिंचाई और 23.50 लाख एकड़ आयाकट का समेकन; 28.50 लाख की आबादी के लिए पीने का पानी; बिजली उत्पादन, जल पर्यटन और उद्योगों को भरपूर पानी मिले। कॉटन डोरा द्वारा निर्मित धवलेश्वरम परियोजना के बाद 1941 से पोलावरम लोगों का सपना रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य 50 लाख क्यूसेक के प्रवाह के साथ नदी की धारा को मोड़ना है। निर्माण के मामले में यह सबसे बड़ी परियोजना है, जिसमें 20 मीटर की ऊंचाई और 16 मीटर की चौड़ाई पर विशाल द्वार और 390 किमी की लंबाई के साथ दाएं और बाएं नहर हैं। यह उस समय हमारे प्रशासन में गिनीज रिकॉर्ड है, 24 घंटे में 32,315 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का काम और किसी भी परियोजना में नहीं किए गए कंक्रीट के काम पोलावरम में किए जा रहे हैं।

बोनालू के दौरान बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें अफसर : मुशर्रफ

अधिकारियों के साथ सीएमडी ने की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में आगामी बोनालू महोत्सव के मद्देनजर, दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ अली फारूक ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस साल बोनालू 7 जुलाई से 3 अगस्त तक मनाया जाएगा। फारूक ने अपने कक्ष में बोनालु व्यवस्था पर मुख्य अभियंताओं (सीई) और अधीक्षण अभियंताओं (एसई) के साथ समीक्षा बैठक की और उन्हें त्योहार के दिनों से पहले मंदिरों और उनके परिसर का दौरा करने और निरीक्षण करने के निर्देश दिए ताकि 24÷7 आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और 2 जुलाई से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि समन्वय और निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए प्रत्येक मंदिर को एक नोडल अधिकारी या एई आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्तव्यों में किसी भी लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों को त्योहार के शुरू होने से लेकर समापन तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे ड्यूटी पर तैनात किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यक हो, वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था की जानी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि फील्ड स्टाफ के पास सभी परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त सामग्री और टीएंडपी उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि सभी खंभों, विशेषकर मुख्य सड़कों, गलियों और उपनगरों में, जहां बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना होती है, में पोल शॉक्स की जांच की जानी चाहिए। सीएमडी ने अधिकारियों को सड़क एवं भवन विभाग तथा मंदिर समितियों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डीटीआर और नेटवर्क लोड को निर्बाध रूप से पूरा करें, जिसमें अतिरिक्त अस्थायी लाइटें, एयर कंडीशनिंग, ध्वनि प्रणाली और अन्य चीजें शामिल हैं, जिन्हें बोनालु के दौरान मंदिरों में स्थापित किया जाएगा।

पवन कल्याण आज कोंडागट्टू मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण शनिवार को तेलंगाना के प्रसिद्ध कोंडागट्टू अंजना मंदिर जाएंगे। अंजनेया स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। सुबह % बजे वे माधापुर स्थित अपने आवास से सड़क मार्ग से कोंडागट्टू जाएंगे। वे सुबह 11 बजे कोंडागट्टू पहुंचेंगे और मंदिर में डेढ़ घंटे तक पूजा-अर्चना में हिस्सा लेंगे। दर्शन के बाद वे हैदराबाद लौट आएंगे।

इस अवसर पर जन सेना तेलंगाना के नेता सागर ने पवन कल्याण के मंदिर दौरे के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण कोंडागट्टू अंजना मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण उपवास कर रहे हैं, उन्होंने अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण के प्रशंसकों से उनकी यात्रा के दौरान संयम बरतने को कहा।

राज्य योजना के उपाध्यक्ष ने जनसमस्याओं की जानकारी ली

हैदराबाद, 28 जून(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा पूले प्रजा भवन में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। विभिन्न समस्याओं को लेकर आए लोगों ने चिन्नारेड्डी और प्रजा भवन के अधिकारियों के सामने याचिकाएं पेश कीं।शुक्रवार को आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 494 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 125, आवास संबंधी 43, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 71, गृह विभाग से संबंधित 45, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 47 तथा अन्य विभागों से संबंधित 48 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रजावाणी की विशेष अधिकारी श्रीमती दिव्या सहित अन्य अधिकारियों ने जनता से आवेदन प्राप्त किये तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

कैफे के रूप में स्टाइल किए गए हुक्का पार्लर पर छापा, नौ गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट ज़ोन टीम, हैदराबाद सिटी टीम ने पंजागुट्टा के पुलिस स्टेशन की सीमा में "मियामी गैली कैफे" के रूप में स्टाइल किए गए एक हुक्का पार्लर पर छापा मारा और हुक्का पार्लर के 9 मालिकों और कर्मचारियों के साथ 15 ग्राहकों को गिरफ्तार किया और हुक्का बनाने की सामग्री जब्त की। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद अब्दुल लतीफ खान, पार्लर का मालिक, निवासी: ब्रुधवन कॉलोनी, टोलीचौकी, हैदराबाद, मद्दे श्याम सुंदर, हुक्कापार्लर का मालिक, निवासी: पारसीगुट्टा, सिकंदराबाद, मोहम्मद अश्वाक, हुक्कापार्लर का प्रबंधक, निवासी: रीन बाजार, हैदराबाद, मोहम्मद असलम, हुक्कापार्लर का शेफ, निवासी: नानल नगर, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद, नंद किशोर धान, कर्मचारी निवासी एमएस मक्ता, हैदराबाद, माल्या कुमार धान, कर्मचारी निवासी एमएस मक्ता, हैदराबाद, दीपक साहू, कर्मचारी निवासी एमएस मक्ता, हैदराबाद, अल्ताफ रजा, कर्मचारी निवासी श्री राम कॉलोनी, मेहदीपट्टनम समेत एक युवती शामिल हैं। हुक्का पार्लर से काफी सामाग्री बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार मियामी गैली कैफे पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन की सीमा में नियमों का उल्लंघन करके अवैध रूप से चल रहा था। हुक्का पार्लर के मालिक, कर्मचारियों और ग्राहकों को पकड़ लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

खाद्य आयोग का मिशन स्वस्थ समाज का निर्माण करना है : श्रीनिवास रेड्डी

आंगनबाडी केन्द्रों, स्कूलों, राशन दुकानों का निरीक्षण

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यक्ष गोली श्रीनिवास रेड्डी ने स्पष्ट किया कि राज्य खाद्य आयोग का मिशन एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। इस दिशा में उन्होंने सभी समुदायों से भाग लेने और गरीब लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आह्वान किया। खाद्य आयोग के नेतृत्व में सदस्यों की एक टीम ने शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के कोतुर मंडल में कई राशन दुकानों, आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी अस्पतालों और स्कूलों का निरीक्षण किया। आयोग के प्रतिनिधियों ने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को दिए जाने वाले पोषण आहार, राशन दुकानों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा कार्ड धारकों को वितरित किए जाने वाले चावल और अन्य आवश्यक वस्तुओं, स्कूलों में छात्रों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन और भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर संबंधित विभागों द्वारा संचालित पोषण आहार वितरण योजनाओं की समीक्षा की।

आयोग के सदस्यों ने कई छोटी-छोटी समस्याएँ और कमियाँ देखीं और प्रशासकों को उन्हें सुधारने और गलतियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित सावधानी बरतने का निर्देश दिया। बाद में, एकीकृत जिला कार्यालय भवन के सम्मेलन कक्ष में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी के निर्देशन में फूड आयोग के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, सदस्यों और अतिरिक्त कलेक्टर भूपाल रेड्डी सहित संबंधित अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर खाद्य आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सभी लोगों के स्वस्थ रहने के अधिकार की निगरानी के लिए राज्य खाद्य आयोग का गठन किया गया है, जिसकी गारंटी संविधान द्वारा दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि यह एक वैधानिक आयोग है, इसलिए लोगों के अधिकारों का उल्लंघन होने पर आयोग को कार्रवाई करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इस मामले में लोगों को जागरूक करने के लिए स्वयंसेवी संगठनों, स्थानीय संगठनों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों को व्यापक स्तर पर काम करने की जरूरत है। यह सुझाव दिया गया है कि लोगों को उनके अधिकार के रूप में प्रदान किए जाने वाले पौष्टिक भोजन के अनुचित कार्यान्वयन के मामलों में जिला स्तर पर डीआरडीए पीडी को शिकायत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उचित न्याय नहीं मिलने पर राज्य स्तर पर कार्यरत खाद्य आयोग से संपर्क किया जा सकता है। अध्यक्ष ने उनसे शिशुओं, बच्चों, गर्भवती महिलाओं, नर्सिंग माताओं, छात्रों और गरीब लोगों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन प्रदान करके एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

पुलिस जांच के दौरान ब्रेथलाइजर लेकर भागा मोटर चालक

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात बोवेनपल्ली में यातायात पुलिस टीमों द्वारा नशे में वाहन चलाने की जांच के दौरान एक अज्ञात मोटर चालक कथित तौर पर एक श्वास विश्लेषक लेकर भाग गया। यह घटना उस समय घटी जब जांच दल ताड़बंड क्षेत्र में विशेष अभियान चला रहा था। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक कार को रोका गया और जांच के दौरान श्वास विश्लेषक यंत्र गलती से चालक के केबिन में गिर गया। बोवेनपल्ली पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि या तो चालक ने इस पर ध्यान नहीं दिया होगा या पकड़े जाने के डर से वह श्वास विश्लेषक के साथ कार को तेजी से भगा ले गया होगा। उन्होंने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि चालक जानबूझकर भागा था या नहीं। पुलिस कार का पता लगाने और चालक की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

हैदराबाद में बनेगा भारत का सबसे बड़ा पशु चिकित्सालय

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े पशु चिकित्सालयों में से एक का निर्माण शहर में किया जा रहा है। 5,100 वर्ग फीट में फैले इस अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई, कई तरह की नैदानिक सुविधाएँ और विशेषज्ञ डॉक्टरों, सर्जनों और पैरामेडिकल स्टाफ़ के साथ एक मेडिकल डिस्पेंसरी होगी। यह सुविधा हवाई अड्डे के रास्ते में गगनपहाड़ में सत्य शिवम सुंदरम गौ शाला में बनाई जा रही है। यह एक आत्मनिर्भर अस्पताल होगा, जिसमें आधुनिक डायग्नोस्टिक्स, एक्स-रे मशीन, एंडोस्कोप, रक्त-इंसुलिन विश्लेषक तथा अन्य सुविधाओं के अलावा एम्बुलेंस भी होगी।

सत्यन शिवम सुंदरम गौशाला पिछले कई सालों से गगनपहाड़ में 3,200 गायों और बुरुजुगड्डा में 2,800 गायों को आश्रय देने के लिए प्रसिद्ध है और इसे दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला कहा जाता है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जुलाई के पहले सप्ताह में उद्घाटन होने वाली नई सुविधा शहर के सेवानिवृत्त जौहरी 85 वर्षीय धरम राज रांका का एक पुराना सपना है, जो पिछले 30 वर्षों से गायों को बचाने के मिशन पर हैं। अत्याधुनिक पशु चिकित्सा अस्पताल न केवल गगनपहाड़ और बुरुजुगड्डा में सत्य शिवम सुंदरम गौ शाला में आश्रय लेने वाली 6,000 गायों की देखभाल करेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के भेड़, बकरी, कुत्तों जैसे जानवरों की भी सेवा करेगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.